

2014-15

वार्षिक प्रतिवेदन



भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, मण्डी



वार्षिक प्रतिवेदन
2014–15

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी
कमान्द-175005, हिमाचल प्रदेश, भारत

दृष्टिकोण

विज्ञान और तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी बने रहना, ज्ञान संवर्धन और नव आचरण करते हुए भारत देश को एक ऐसी दिशा प्रदान करना जिसमें न्यायप्रिय, सर्वहारा एवम् धारणीय समाज का समावेश हो।

लक्ष्य

- व्यक्तिगत एवम् सामूहिक प्रयासों के माध्यम से समाज के लाभार्थ ज्ञान सृजन करना ।
- शिक्षा द्वारा ऐसे व्यवसायी तैयार करना जो विशेषतः हिमालय क्षेत्र के विकास एवं अंततः राष्ट्र तथा मानवता के विकास में नव प्रवर्तन उत्पादों एवम् प्रक्रियाओं के माध्यम से नेतृत्व कर सकें ।
- समाज एवम् उद्योग की समस्याओं विशेषकर हिमालय क्षेत्र की संवेदनशील पर्यावरणीय प्रकृति के लिए शिक्षा के माध्यम से वैश्विक स्वीकृति के समाधान प्रस्तुत करने की भावना से युक्त दक्ष उद्यमी तैयार करना ।
- भावी पीढ़ी के अभियंताओं, वैज्ञानिकों एवम् शोधकर्ताओं को प्रेरित करने में सक्षम प्राध्यापक प्रशिक्षित करना ।
- शिक्षा और शोध के उपर्युक्त लक्ष्यों के अनुसरण में अत्याधुनिक और वाणिज्यिक रूप से व्यवहार्य प्रौद्योगिकियों के विकास हेतु उद्योग के साथ सक्रिय भूमिका निभाना ।
- प्रतिभा एवम् उत्कृष्टता से परिपूर्ण सम्मानजनक कार्य संस्कृति विकसित करना ।

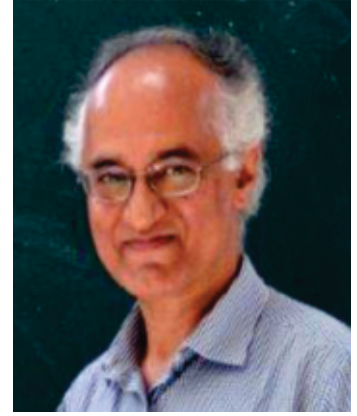
विषय सूची

क्रमांक	विषय	पृष्ठ सूची
1.	निदेशक की कलम से	
2.	शैक्षिक स्वरूप	1
2.1	स्कूल	
2.2	अनुसंधान समूह	
2.3	उपाधि कार्यक्रम	
2.4	प्रारूप व्यवहार्य दृष्टिकोण	
2.5	शैक्षिक सम्पर्क	
2.6	आंकड़े <ul style="list-style-type: none"> • बैच, लिंग, जाति और राज्य के आधार पर छात्रों की संख्या • संकाय की संख्या • संस्था और स्कूल द्वारा समस्त अनुसन्धान एवं विकास 	
3.	प्रारूप व्यवहार्य	8
4.	शैक्षिक स्कूल	14
4.1	संगणक एवं विद्युत अभियांत्रिकी स्कूल <ul style="list-style-type: none"> • संकाय • अनुसंधान परियोजनाएं • अनुसंधान परियोजनाओं की प्रगति • राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित पत्र • प्रकाशित पुस्तक / पुस्तक अध्याय • सम्मेलनों में उपस्थिति और प्रस्तुत किए गए पत्र • सूत्रपातों / आयोजित कार्यक्रमों की सूची • विकसित उत्पाद / प्रौद्योगिकियां • आयोजित कार्यशालाएं और सम्मेलन • विशेष उपलब्धि • लोक सम्पर्क गतिविधियां • नवीन अनुसन्धान सुविधाएं / स्थापित उपकरण / विकसित प्रयोगशाला • उद्योग / क्षेत्र यात्रा 	14
4.2	अभियांत्रिकी स्कूल <ul style="list-style-type: none"> • संकाय • अनुसंधान परियोजनाएं • अनुसंधान परियोजनाओं की प्रगति • प्रारूप प्रयोगशाला में स्थापित कुछ महत्वपूर्ण उपकरण • अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका प्रकाशनों में प्रकाशित पत्र 	24
4.3	आधारभूत विज्ञान स्कूल <ul style="list-style-type: none"> • संकाय • पोस्ट डॉक्टरेट सहभागी • अनुसंधान परियोजनाएं • अनुसंधान परियोजनाओं की प्रगति • राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका प्रकाशनों में प्रकाशित पत्र • सम्मेलनों में उपस्थिति और प्रस्तुत पत्र 	33

	• लोक सम्पर्क कार्यक्रम	
	• अन्य उपलब्धियां	
4.4	मानविकी और सामाजिक विज्ञान स्कूल	53
	• संकाय	
	• अनुसन्धान परियोजनाएं	
	• पुस्तक अध्याय / विश्वकोष में प्रविष्टियां	
	• सम्मेलन	
	• सदस्यता / पुरस्कार	
5.	सहमति ज्ञापन (एमओयू)	56
6.	अनुसन्धान सुविधाएं	59
7.	यूएचएल: हिमालयी आजीविका की प्रगति के लिए केन्द्र (यूएचएल)	61
8.	प्रारूप और नव प्रवर्तन केन्द्र; आविष्कार, प्रारूप और नव प्रवर्तन संस्कृति	61
9.	इलैक्ट्रॉनिक्स उपकरणों का प्रारूप एवं संरचना (सी4 डीएफईडी)	62
10.	बहुमाध्यम विश्लेषणात्मक पद्धति (एमएस)	62
11.	जैव ऐकस	63
12.	संघनित भौतिक विज्ञान तत्त्व	63
13.	ग्रीष्म कालीन अनिवार्य प्रशिक्षण कार्यक्रम	64
14.	केन्द्रीय पुस्तकालय	65
15.	छात्र सुख-साधन एवम् सुविधाएं	69
16.	राष्ट्रीय सेवा व्यवस्था (एन.एस.एस.)	72
17.	देहाती व पहाड़ी लम्बी यात्रा	76
18.	मार्गदर्शन एवं परामर्श सेवा (जी.सी.एस.)	76
19.	सांस्कृतिक समाज	78
20.	विशेष आयोजन	79
21.	5वाँ स्थापना दिवस समारोह	81
22.	व्यवसाय एवं स्थानन विवरण	83
23.	भूतपूर्व छात्र मामले	84
24.	स्थायी परिसर	85
25.	शासक मंडल	92
26.	वित्त समिति	93
27.	भवन एवं निर्माण समिति	94
28.	प्रबन्ध समिति	95
29.	शैक्षिक कर्मचारी	97
30.	प्रशासनिक कर्मचारी	97
31.	दिनांक 31 मार्च, 2015 को नियमित कर्मचारियों की सूची	98
32.	दिनांक 31 मार्च, 2015 को अनुबन्ध कर्मचारियों (समेकित वेतनमान पर) की सूची	98
33.	छात्र नेतृत्व	98
34.	पी.एच.डी. विद्वान् – वर्ष 2014 बैच	99
35.	एमएस (अनुसन्धान द्वारा) विद्वान्— वर्ष 2014 बैच	100
36.	एम.एससी. (रसायन शास्त्र) – वर्ष 2014 बैच	100
37.	एम. टैक. (ऊर्जा सामग्री)— वर्ष 2014 बैच	100
38.	बी. टैक. छात्र— वर्ष 2014 बैच	101

निदेशक की कलम से

वर्ष 2014-15 ने भा.प्रौ.सं. मण्डी को 6 वर्षों का कार्यकाल पूर्ण करते हुये देखा तथा नवीन भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों में इस संस्थान के विकास तथा अपने नये परिसर को अधिभोक्त करने वाला प्रथम संस्थान होने की हमारी उपलब्धि का समेकन किया है। हमारे सभी बी.टैक. के विद्यार्थी और आधे से अधिक स्नातकोत्तर विद्यार्थी, 35 प्रतिशत संकाय सदस्य और कई कर्मचारी कमान्द में आवासित तथा कार्यरत हैं। परिसर में कुछ खेल-मैदानों और जलपान गृहों की वृद्धि होने से आवासीय भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान की सभी आधारभूत सुख-सुविधाएं उपलब्ध हैं। वर्ष 2014-15, हमारी अकादमिक गतिविधियों की बढ़ौतरी के साथ हमारे संकाय की उपलब्धियों की मान्यता का वर्ष रहा है।



मानव संसाधन विकास मंत्रालय और जर्मन बी.एम.बी.एफ. की उदार आर्थिक सहायता से हमने जर्मनी में टीयू9 के साथ संकाय आदान-प्रदान कार्यक्रमों को दीर्घावधि के लिए आरम्भ किया है। भा.प्रौ.सं. मण्डी के तीन संकायों में से प्रत्येक ने अपने सहयोगियों के साथ स्टुटगार्ट विश्वविद्यालय तथा टीयू बर्लिन में 2-3 महीने व्यतीत किये। स्टुटगार्ट विश्वविद्यालय और कार्ल्सरुहे प्रौद्योगिकी संस्थान से जर्मन प्राध्यापक भा.प्रौ.सं. मण्डी आये। वर्ष 2015 के लिये इस प्रकार की 3 आदान-प्रदान यात्राओं को मंजूरी दी गई है।

हमने पर्वतीय क्षेत्रों के ध्यानार्थ तथा शैक्षिक और औद्योगिक विशेषज्ञों के साथ सामूहिक समस्या समाधान कार्यशालाओं की श्रृंखलाओं के उपरान्त सिविल अभियांत्रिकी में कार्यक्रम का शुभारम्भ करके अगस्त, 2015 में सिविल अभियांत्रिकी की शुरुआत के लिये विभिन्न नौजवान संकाय को नियुक्त किया है। वर्ष 2014-15 में हमने ऊर्जा हेतु सामग्री तथा रसायन शास्त्र में स्नातकोत्तर के कार्यक्रम आरम्भ किये और वर्ष 2015-16 में भौतिकी में समन्वित एम.एससी.-पी.एच.डी. को आरम्भ करने की योजना है। स्नातकोत्तर विद्यार्थी कुल विद्यार्थियों का एक तिहाई हो गये हैं। जैव-एक्स में 5 नये संकायों की नियुक्ति करके हमने कृषि और चिकित्सा सम्बन्धी शोध तथा परिसर के निवासियों के लिये औषधीय बगीचे की शुरुआत की है।

हमारे संकाय और छात्रों ने कई बार सम्मान प्राप्त किये हैं। इनमें अन्तर्राष्ट्रीय ऊर्जा प्रौद्योगिकी पत्रिका में समाविष्ट नॉवल ऊर्जा सामग्री पर एक पत्र है। भारतीय विज्ञान सम्मेलन 2015 में एम.एस. विद्वान् आदित्य चौहान को नौजवान वैज्ञानिक पुरस्कार से सम्मानित किया गया। भा.प्रौ.सं. मण्डी का बी.टैक. का विद्यार्थी शुभम अजमेरा विदेश से नौकरी का प्रस्ताव प्राप्त करने वाला बी.टैक. का प्रथम विद्यार्थी बना। उसने केलिफोरनिया में गूगल में सेवा करने का अवसर पाया।

वर्ष 2015-16 में हम विश्व में ख्याति की निरन्तरता की आशा कर रहे हैं। परिसर का तीव्र विकास होने से, 800-900 विद्यार्थियों तथा बहुत से संकाय तथा स्टॉफ के साथ हम कमान्द में पूर्णतया आवासीय परिसर की उम्मीद कर रहे हैं ताकि हम इकट्ठे खेलें और आवास करें। मुझे पूर्ण विश्वास है कि हमारे नव संकाय, विद्यार्थी और भूतपूर्व विद्यार्थी इस शैक्षिक रत्न की चमक को हिमालय में और प्रकाशित करेंगे।

प्रो. तिमोथी ए. गोन्सेल्वज
निदेशक

शैक्षिक स्वरूप

शैक्षिक गतिविधियों में अध्यापन, अधिगम और अनुसन्धान को तीन समान कोनाकार लेकिन पूरक संरचना के रूप में कार्यान्वित किया है। ये संकाय के स्कूल, छात्र उपाधि कार्यक्रम और अनुसन्धान समूह हैं। प्रत्येक को एक महत्वपूर्ण लक्ष्य के लिए निर्मित किया गया है। संस्थान के उच्चतम शैक्षिक लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए ये तीनों परस्पर सुगमता से जुड़े हैं। यह स्वरूप बहु विषयक अधिगम और अनुसन्धान को प्रोत्साहित करके प्रौद्योगिकी के विकास में अग्रसर करता है।

स्कूल:

संकाय विस्तृत और स्वतन्त्र रूप से निर्धारित स्कूलों से सम्बन्धित है। उन संकायों के लिए जिनकी रूचि कुछ मौलिक सिद्धान्तों के प्रति है, उन्हें प्रत्येक स्कूल घरेलू वातावरण प्रदान करता है। कुछ संकाय की संयुक्त नियुक्ति अन्य स्कूलों में भी हुई है। भा.प्रौ.सं. मण्डी ने व्यापक रूप से संस्थानों में पारम्परिक विभागों और प्रभागों की परम्परा को इसलिए नकारकर संकाय सदस्यों को वर्गित स्कूलों में नियुक्त किया है ताकि संस्थान में सक्रिय रूप से एक बहु विषयक संस्कृति विकसित हो सके और सभी क्षेत्रों में सहयोगात्मक अनुसन्धान और परियोजनाओं को गति मिल सके। वर्तमान में संस्थान में निम्न स्कूल हैं:

1. संगणक और विद्युतीय अभियांत्रिकी स्कूल

संगणक विज्ञान के विस्तृत क्षेत्र में संकाय सदस्य, संगणक अभियांत्रिकी, विद्युत अभियांत्रिकी के साथ इलैक्ट्रॉनिक्स और अर्धचालकों, सांकेतिक प्रक्रिया, स्वचालन और नियन्त्रण तथा विद्युतीय ऊर्जा प्रणाली आदि सभी इस स्कूल के भाग हैं।

2. अभियांत्रिकी स्कूल

अभियांत्रिकी के अन्य विषयों के संकाय सदस्य जिनमें यांत्रिक अभियांत्रिकी और सामग्री विज्ञान अभियांत्रिकी हैं, सभी इस स्कूल का भाग हैं।

3. आधार विज्ञान स्कूल

आधार विज्ञान के सभी विषय जिनमें भौतिकी, गणित, रसायन और जीव विज्ञान हैं, के संकाय सदस्य इस स्कूल का भाग हैं।

4. मानविकी और सामाजिक विज्ञान स्कूल

अंग्रेजी, जर्मन, अर्थशास्त्र, समाज शास्त्र, मनोविज्ञान, मानविकी और सामाजिक विज्ञानों के विषय आदि सभी इस स्कूल का भाग हैं।

वर्ष 2014-15 में भा.प्रौ.सं. मद्रास और भा.प्रौ.सं. रुड़की जैसे प्रसिद्ध संस्थानों के विभिन्न स्कूलों से सम्बन्धित 66 पूर्णकालिक संकाय सदस्यों और 14 अभ्यागत संकाय सदस्यों ने अनेक शिक्षण कार्यक्रमों में भाग लिया। अन्य संस्थानों (भा.प्रौ.सं. दिल्ली, रुड़की, मद्रास, खड़गपुर एम.एन.आई.टी., बॉम्बे आदि) में कुछ चयनित विषय प्रस्तावित किए जा रहे थे जिन्हें एन.के.एन. द्वारा संचालित भी किया गया।

प्रत्येक स्कूल के संकाय सदस्यों की सूची से सम्बन्धित और अधिक विस्तृत जानकारी 'शैक्षिक स्कूल' नामक अनुभाग से प्राप्त की जा सकती है।

अनुसन्धान समूह:

भा.प्रौ.सं. मण्डी का स्वरूप अनुसन्धान और विकास (आर और डी) के लिए एक केन्द्र बिन्दु के रूप में कुछ विशेष लक्ष्य की ओर अनुसन्धान समूह के सृजन का समर्थन करता है। यह समूह किसी एक स्कूल या विभिन्न स्कूलों के संकाय और छात्रों के लिए उपाधि कार्यक्रम बनाएगा। यह अल्पकालीन संविदा आधार पर तकनीकी एवं सहयोगी कर्मचारी वर्ग का हो सकता है। यदि एक बार लक्ष्य प्राप्त हो जाये तो समूह को भंग किया जा सकता है।

संस्थान में अनुसन्धान समूह का एक उदाहरण इन्टेल योजना समूह है जो इन्टेल-भा.प्रौ.सं. मण्डी अनुसन्धान परियोजना है। इसमें संगणक स्कूल, विद्युत अभियांत्रिकी और आधार विज्ञान स्कूल से संकाय सदस्य, पोस्ट डॉक्टरल सहपाठी और अनुसन्धान के छात्र शामिल हैं।

उपाधि कार्यक्रम:

1. निम्नलिखित अभियांत्रिकी विषयों में स्नातक प्रौद्योगिकी (बी.टैक.) की जाती है:

क) संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी (सी.एस.ई.)

ख) विद्युत अभियांत्रिकी (ई.ई.) और

ग) यांत्रिकी अभियांत्रिकी (एम.ई.)

2. निम्नलिखित अभियांत्रिकी विषयों में एम.एस. (अनुसंधान द्वारा) की जाती है—

क) संगणक विज्ञान और अभियांत्रिकी

ख) यांत्रिकी अभियांत्रिकी और

ग) विद्युत अभियांत्रिकी

3. अभियांत्रिकी, आधार विज्ञान और मानविकी तथा सामाजिक विज्ञान में पी.एच.डी. की जाती है।
4. एम.एससी. (रसायन)
5. एम.टैक. (ऊर्जा सामग्री)

उपाधि कार्यक्रमों का निर्माण छात्रों की नौकरी की आवश्यकता के अनुसार किया जाता है। उपाधि कार्यक्रम में एक छात्र को कई स्कूलों के संकाय सदस्यों द्वारा पढ़ाया और मार्गदर्शन करवाया जाता है। इन कार्यक्रमों को केवल छात्र की आकांक्षा और नौकरी के आधार पर आरम्भ और समाप्त किया जाता है।

वर्तमान में बी. टैक. कार्यक्रम के लिए प्रत्येक शाखा में 40 छात्रों को प्रवेश दिया है। संस्थान की योजना शैक्षिक वर्ष 2015–16 में सिविल अभियांत्रिकी में बी.टैक. आरम्भ करने की है।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी में बी.टैक. का छात्र लड़का/लड़की जिसने अपनी इच्छा से आधार विज्ञान, अभियांत्रिकी विज्ञान और व्यवहार, मानविकी तथा सामाजिक विज्ञान में से जिस विषय को भी चुना हो उसका मूलभूत अध्ययन करेगा। छात्र को विशेष ऐच्छिक विषय के क्षेत्र में अनुसन्धान विचारधाराओं के जोखिम और विकास का महत्वपूर्ण ज्ञान प्रदान कर योग्य बनाया जाएगा। छात्र वर्ग को चयनित/ऐच्छिक विषय के अतिरिक्त महत्वपूर्ण बहु-विषयक जानकारी से योग्य बनाया जाएगा। इसके अतिरिक्त पाठ्यक्रम 'लघु' क्षेत्र में अन्य विषयों के 3–4 सेट लेने की स्वीकृति देता है।

शैक्षिक वर्ष 2014–15 में दो नये पी.जी. कार्यक्रम (रसायन में एम.एससी. और ऊर्जा सामग्री में एम.टैक.) 12 छात्रों के प्रवेश से आरम्भ किये गये।

प्रारूप व्यवहार्य दृष्टिकोण:

भा.प्रौ.सं. मण्डी में बी.टैक. पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को योजना अभियंता बनने के लिए प्रशिक्षित करना है जो सुग्राह्य, प्रारूप बनाने वाले और अभिनव एवं लागत प्रभावी उत्पादों की स्थापना व प्रक्रियाओं का समाज में बड़े पैमाने पर प्रयोग कर सके।

इसके पश्चात् पाठ्यक्रम का उद्देश्य शिक्षा प्रणाली में नवोत्थान और प्रारूप को शामिल करना है। यह अधिगम के "प्रारूप व्यवहार्य" के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है जो पाठ्यक्रम में बनाया जाता है।

बी.टैक. कार्यक्रम के प्रथम वर्ष में छात्र "उत्कर्म अभियांत्रिकी" योजना संचालित करते हैं। इसमें छात्रों के दल को एक सामान्य गजेट/उपकरण दिया जाता है। यह कैसे कार्य करता है? इसके लिए पहले इसके टुकड़े-टुकड़े किये जाते हैं, फिर दोबारा वैसे ही एकत्रित करके व्यवस्थित किया जाता है। स्तर के द्वितीय वर्ष में छात्र दल उत्पाद सुझावों को प्रस्तावित करते हैं और इन उत्पादों से प्रारूप बनाने के लिए कार्य करते हैं। इनमें बहुत से उत्पाद सुझाव समाज के लिए उपयोगी होते हैं। जो उत्पाद सफलतापूर्वक बनाये और प्रदर्शित किए गए उनमें हस्त संकेत अनुकरण प्रणाली, कम्प्यूटरीकृत पहिए वाली कुर्सी और स्वचालित सफाई रोबोट शामिल हैं।

स्तर के तृतीय वर्ष में छात्रों को "बहु विषयक तकनीकी योजना" (आईएसटीपी) पर कार्य करने का विकल्प मिलता है। इस योजना में बहु विषयक छात्र दल समाज के कुछ मुद्दों/समस्याओं को खोजता है और कई प्रकार से मूल्यांकन करके तकनीकी आधार पर समाधान के सुझाव देता है। आईएसटीपी छात्र दलों में कुछ छात्र भा.प्रौ.सं. मण्डी और डब्ल्यूपीआई, बॉस्टन से थे जिन्होंने मिलकर कार्य किया। अन्ततः चतुर्थ वर्ष के दौरान अन्तिम वर्ष परियोजना में छात्रों को अकेले या दल में कार्य करने का विकल्प मिलता है।

सामान्यतः भा.प्रौ.सं. मण्डी में सभी विषयों में छात्रों को प्रोत्साहित और सक्षम करने के लिए पाठ्यक्रम को इस प्रकार से बनाया जाता है ताकि वे सुयोग्य तथा सफल अभियन्ता बने।

शैक्षिक सम्पर्क

संस्थान ने विश्व के अनेक संस्थानों से विश्वसनीय अनुसन्धान और शिक्षण समन्वय विकसित किया है। कई संस्थानों के छात्रों और संकायों द्वारा अदली-बदली होने से समन्वय का मार्ग प्रशस्त होता है। भावी उत्पादन के अनुसन्धान के लिए वर्तमान समन्वय में सम्मिलित हैं— प्रौद्योगिकी संस्थान ब्लीकिंग, स्वीडन, आई.टी. विश्वविद्यालय, डेनमार्क, स्टुटगार्ट का तकनीकी विश्वविद्यालय (टी.यू.) और जर्मनी के आठ अन्य संस्थान, डबलिन शहर विश्वविद्यालय, आयरलैण्ड, वोरसेस्टर तकनीकी संस्थान (डब्ल्यू.पी.आई.), यू.एस.ए. और एच.ई.पी.आई.ए.—अनुप्रयुक्त विज्ञान विश्वविद्यालय, स्वीटजरलैण्ड और भारत-यू.के. उन्नत प्रौद्योगिकी केन्द्र शामिल हैं। संस्थान के कुछ अन्य भारतीय संस्थानों के साथ भी ऐसे ही समझौते हैं। आई.टी. विश्वविद्यालय डेनमार्क के साथ समन्वय का ही परिणाम है कि सॉफ्टवेयर अभियांत्रिकी विषय को भारत और स्वीडन में एक ही समय में इकट्ठे पढ़ाया जाता है। जैसा कि पहले भी उल्लेख किया जा चुका है कि डब्ल्यू.पी.आई. के साथ समन्वय से एक छमाही लम्बी अवर स्नातक अनुसन्धान परियोजना (बहु-विषयक सामाजिक-तकनीकी परियोजना) के अन्तर्गत यू.एस.—भा.प्रौ.सं. मण्डी के छात्र दलों में मिलकर स्थानीय समाज के सामाजिक-आर्थिक समस्याओं का पता लगाएंगे।

आंकड़े

बैच, लिंग, जाति और राज्य के आधार पर छात्रों एवं संकाय की संख्या
दिनांक 31 मार्च, 2015 को भा.प्रौ.सं. मण्डी में छात्र

लिंग के आधार पर	2010-11		2011-12		2012-13		2013-14		2014-15	
	पुरुष	स्त्री	पुरुष	स्त्री	पुरुष	स्त्री	पुरुष	स्त्री	पुरुष	स्त्री
	14	3	117	10	135	17	128	16	154	23

जातिवार (बैच के अनुसार)

वर्ष	बी.टैक					एम.एस.सी. (रसायन)					एम.टैक.						
	सामान्य	ओबीसी	एससी	एसटी	कुल	सामान्य	ओबीसी	एससी	एसटी	कुल	सामान्य	ओबीसी	एससी	एसटी	कुल		
2010	—	—	1	1	2	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—		
2011	52	30	17	9	108	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—		
2012	58	32	16	9	115	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—		
2013	57	32	18	9	116	—	—	—	—	—	—	—	—	—	—		
2014	56	34	14	10	114	6	3	1	—	10	2	1	—	—	3		
महायोग					455						10						3

वर्ष	एम.एस.					पी.एच.डी.					
	सामान्य	ओबीसी	एससी	एसटी	कुल	सामान्य	ओबीसी	एससी	एसटी	कुल	
2010	1	—	—	—	1	9	2	3	—	14	
2011	2	—	—	—	2	11	4	2	—	17	
2012	4	2	—	—	6	25	6	—	—	31	
2013	7	—	—	—	7	19	2	—	—	21	
2014	7	2	—	—	9	31	9	1	—	41	
महायोग					25						124

राज्यवार आंकड़े

क्रमांक	राज्य	2010.11	2011.12	2012.13	2013.14	2014.15
1	आन्ध्र प्रदेश	..	12	21	12	6
2	असम	1	1
3	बिहार	1	5	9	10	16
4	छत्तीसगढ़	1	1	5	3	2
5	चण्डीगढ़	..	2	1	1	1
6	दिल्ली	..	4	6	13	12
7	गुजरात	..	1	3	..	4
8	हरियाणा	1	6	8	18	18
9	हिमाचल प्रदेश	5	6	10	6	8
10	झारखण्ड	1	1	..	3	2
11	जम्मू एवं कश्मीर	..	1	2	3	1
12	कर्नाटक	..	1	..	1	2
13	केरल	2	..	2	4	..
14	मध्य प्रदेश	..	7	4	6	10
15	महाराष्ट्र	..	8	9	2	5
16	मेघालय	..	1
17	उड़ीसा	1	2	1
18	पंजाब	1	8	15	8	8
19	राजस्थान	1	23	25	23	31
20	तेलंगाना	4
21	त्रिपुरा	..	1
22	तमिलनाडु	..	3	..	1	2
23	उत्तर प्रदेश	4	36	28	22	36
24	उत्तराखण्ड	3	4
25	पश्चिमी बंगाल	3	2	3

कुल छात्र-617

दिनांक 31 मार्च, 2015 को भा.प्रौ.सं. मण्डी में संकाय

2014-15			
लिंग के आधार पर	पुरुष	स्त्री	कुल संकाय
संकाय की संख्या	62	18	80

वित्तीय वर्ष 2014-15 में प्रचलित कुल प्रायोजित अनुसन्धान एवं विकास (संस्था एवं स्कूल द्वारा)

क्रमांक	परियोजना संख्या	परियोजना शीर्षक	प्रायोजित संस्था	प्र.अ./स.प्र.अ.	स्वीकृत धन	योजना की अवधि
बाह्य						
1	भा.प्रौ.सं. मण्डी/डी.एस.टी./बी.एस.आर. स्वीकृति की दिनांक: 07.07.14 समापन की दिनांक: 06.07.19	विश्वविद्यालयों और उच्चतर शिक्षा संस्थानों में (एफआईएसटी) विज्ञान एवं तकनीकी अवसंरचना सुधार कार्यक्रम-2013 के लिए धन	डी.एस.टी.	डॉ. भरत सिंह राजपुरोहित	245,00,000	5 वर्ष
2	भा.प्रौ.सं. मण्डी/डी.एस.टी./बी.एस.आर./59 स्वीकृति की दिनांक: 30.09.14 समापन की दिनांक: 29.09.17	भारतीय स्थल हेतु बहु आयामी कुशल ऊर्जा ग्रीडज विश्लेषण	डी.एस.टी.	प्र.अ.: डॉ. भरत सिंह राजपुरोहित प्रो.एस. एन. सिंह (भा.प्रौ.सं. कानपुर) स.प्र.अ.: डॉ. समर अग्निहोत्री डॉ.वाईएन सिंह (भा.प्रौ.सं. कानपुर)	100,98,100	3 वर्ष
3	भा.प्रौ.सं. मण्डी/डी.एस.टी./बी.एस.आर./59 स्वीकृति की दिनांक: 10.12.14 समापन की दिनांक:10.12.17	एक सुरक्षित और विश्वसनीय साईबर स्पेस का निर्माण: एक व्यावहारिक खेल सिद्धान्त दृष्टिकोण	डी.एस.टी.	डॉ. वरुण दत्त डॉ. वी.एस. चन्द्रशेखर पम्मी (इलाहाबाद विश्वविद्यालय)	22,89,600	3 वर्ष
4	भा.प्रौ.सं. मण्डी/डी.एस.टी./डीपीएस/82 स्वीकृति की दिनांक: 11.03.15 समापन की दिनांक: 20.06.17	मध्य भारत के ऊर्जाचंल (सिंगरोली) से जल, कोयला और फ्लाई ऐश नमूने आर्सेनिक और भारी धातु की जांच	डी.एस.टी.	डॉ. डीरिक्स प्रेज शुक्ला	22,08,334	2.3 वर्ष
5	भा.प्रौ.सं. मण्डी/डी.एस.टी.-यू.के.आई.ई.आर.आई./बी.एस.आर./56 स्वीकृति की दिनांक: 23.04.14 समापन की दिनांक: 22.04.17	स्वायत्त शून्य-शुद्ध ऊर्जा भवनों हेतु कुशल बहु-टर्मिनल डी.सी.यू.-ग्रीडज	डी.एस.टी.-यू.के.आई.ई.आर.आई.	डॉ. भरत सिंह राजपुरोहित प्रो.एस. एन. सिंह (भा.प्रौ.सं. कानपुर) डॉ. फ्रानसिजको गोन्जालेज-लॉगट (कोवेंटरी विश्वविद्यालय, यू.के.)	27,20,800	2 वर्ष
6	भा.प्रौ.सं. मण्डी/डी.एस.टी.-वी.आर./एस.के.पी/76 स्वीकृति की दिनांक: 15.01.15 समापन की दिनांक: 14.01.18	नव सौर समाधान के लिए मात्रा बिन्दु	डी.एस.टी.-वी.आर	डॉ. सुमन के. पाल प्रो. टोनु पुलरिट्स (लंड विश्वविद्यालय, स्वीडन)	40,27,000	3 वर्ष
7	भा.प्रौ.सं. मण्डी-डी.एस.टी./ए.बी./78 स्वीकृति की दिनांक: 26.09.14 समापन की दिनांक: 25.09.19	चिकित्सा चित्र विश्लेषण के लिए प्रकाशीय और कैमरा दूरी सम्बन्धी स्थल अनुभूति विवेचन और अनुप्रयोग	डी.एस.टी.-आई.एन.एस.पी.आई.आर.ई	डॉ. अर्नव भवसर	35,00,000	5 वर्ष

8	भा.प्रौ.सं. मण्डी/एन.बी.एच.एम. /आर.आर.वाई/47 स्वीकृति की दिनांक: 27.01.15 समापन की दिनांक: 26.01.18	अनेक अनिरंतरताओं सहित दीर्घवृत्तीय समीकरण हेतु उच्चतम व्यवस्थित अंकीय योजनाओं का विकास तथा इमरसड अंतराफलक समस्याओं के लिए इसके अनुप्रयोग	एन.बी.एच.एम. (डी.ए.ई)	डॉ. राजेन्द्र कुमार रे	2,99,500	3 वर्ष
9	भा.प्रौ.सं.म./बी.आर.एन.एस./ आर.के.आर/51 स्वीकृति की दिनांक: 15.07.14 समापन की दिनांक: 14.07.17	झील/नदियों में दूषित मल की मॉडलिंग	बी.आर.एन.एस. (डी.ए.ई.)	प्र.अ.: डॉ. राजेन्द्र कुमार रे स.प्र.अ.: डॉ.ओ.पी.	21,07,100	3 वर्ष
10	भा.प्रौ.सं.म./सी.एस.आई.आर. /एस.के.पी./70 स्वीकृति की दिनांक: 29.01.15 समापन की दिनांक: 28.01.18	इलैक्ट्रॉनिक तरीके से संयुग्मित संवाहक सूक्ष्म स्फटिकों की कटाई और बहुलीकरण	सी.एस.आई.आर.	डॉ. सुमन के.पाल	12,58,000	3 वर्ष
11	भा.प्रौ.सं.म./यू.जी.सी./एम.वी.डी. /73 स्वीकृति की दिनांक: 01.10.14 समापन की दिनांक: 30.09.17	दक्षिणी भारत में सोलहवीं शताब्दी नवयुग	यू.जी.सी.	डॉ. मनु वी. देवादेवन स.प्र.अ.: प्रो. केशवन वेलुभट (दिल्ली विश्वविद्यालय)	48,00,000	3 वर्ष
12	भा.प्रौ.सं.म.-आई.एन.एस.ए./ आर.ए.वी./74 स्वीकृति की दिनांक: 17.10.14 समापन की दिनांक: 16.10.17	लोह विद्युत सिरामिक्स और उनके मिश्रण में फोटो उत्प्रेरक गतिविधि की खोज	आई.एन.एस.ए.	डॉ. राहुल वैश	15,00,000	3 वर्ष
13	भा.प्रौ.सं.म.-आई.सी.एम.आर./ जे.के.आर./75 स्वीकृति की दिनांक: 01.01.15 समापन की दिनांक: 31.12.15	सूक्ष्म संरचना धातु ऑक्साईड-जैव संवेदना के लिए उपयोग	आई.सी.एम.आर	डॉ. जसप्रीत कौर रन्धावा	15,05,980	1 वर्ष
14	भा.प्रौ.सं.म./डेटवाई-एम.एल.ए. /ए.एस.ओ./77 स्वीकृति की दिनांक: 20.11.14 समापन की दिनांक: 19.11.19	इलैक्ट्रॉनिक एवं सूचना प्रौद्योगिकी के लिए विश्वेसराय पी.एच.डी. योजना	डेट वाई-एम.एल.ए.	डॉ. अनिल के. साउ	309,90,000	5 वर्ष
15	भा.प्रौ.सं.म./डी.आर.डी.ओ.- एस.ए.एस.ई/एम.टी./79 स्वीकृति की दिनांक: 05.03.15 समापन की दिनांक:04.09.15	मशीन अधिगम और आंकड़ा खनन का उपयोग करते हुए बर्फ हिमस्खलन का पूर्वानुमान	डी.आर.डी.ओ.- एस.ए.एस.ई	डॉ. मनोज ठाकुर	5,04,000	6 माह
16	भा.प्रौ.सं.म./एन.आर.बी./ बी.एस.आर./80 स्वीकृति की दिनांक: 10.02.15 समापन की दिनांक: 09.02.18	गति नियंत्रण हेतु यंत्र आधारित उच्च प्रदर्शन तुल्यकालिक यंत्र का प्रारूप एवं विकास	एन.आर.बी.- डी.आर.डी. ओ.	डॉ. भरत सिंह राजपुरोहित स.प्र.अ.: डॉ. राजीव कुमार	28,30,973	3 वर्ष
17	भा.प्रौ.सं.म./डी.आई.सी. समिति /86 स्वीकृति की दिनांक: 01.07.14 समापन की दिनांक: 30.06.17	नव योजना केन्द्र	मा.सं.वि.मं.	प्र.अ.: डॉ. ओ.पी. सिंह सदस्य: डॉ. कुनाल घोष, डॉ. एस.के. मासाकापाली, डॉ. अतुल धर, डॉ. मोहम्मद तल्हा परामर्शदाता: प्रो. रमेश ओरुगंति स.प्र.: प्रो. मधुसदन राओ (भा.प्रौ.सं. दिल्ली)	130,00,000	3 वर्ष

परामर्श कार्य						
1	भा.प्रौ.सं.म./सी.ओ.एन.एस. /पी.पी.एल पी./वी.डी./03 स्वीकृति की दिनांक: 16.02.15 समापन की दिनांक: 16.02.18	बिक्री और फार्मा क्षेत्र में विश्लेषणात्मकता हेतु मशीन अधिगम एवं आंकड़ा खनन	डॉ. वरुण दत्त	पडयू फार्मा एल.पी., यू.एस.ए.	यू.एस.डी. \$96,062	3 वर्ष
मूल अनुदान						
1	भा.प्रौ.सं.म./एस.जी./वी.डी./32 स्वीकृति की दिनांक: 16.09.14 समापन की दिनांक: 15.09.17	धरती की जलवायु के बारे में लोगों में ज्ञान का अभाव क्यों दिखता है? बार-बार प्रतिक्रिया का प्रभाव	भा.प्रौ.सं. मण्डी मूल अनुदान	डॉ. वरुण दत्त	5,00,000	3 वर्ष
2	भा.प्रौ.सं.म./एस.जी./ वी.बी.के./33 स्वीकृति की दिनांक: 22.08.14 समापन की दिनांक: 21.08.17	इलैक्ट्रॉनिक और संवेदक उपकरण हेतु संरेखित सी.एन.टी. की नियंत्रित वृद्धि	भा.प्रौ.सं. मण्डी मूल अनुदान	डॉ. विश्वनाथ बालाकृष्णन	6,20,000	3 वर्ष
3	भा.प्रौ.सं.म./एस.जी./ए.एच./34 स्वीकृति की दिनांक: 27.09.14 समापन की दिनांक: 26.09.17	मानव जनित कार्बन डाई ऑक्साईड का प्रयोग करते हुये विषम रूपीय विद्युत उत्प्रेरक के माध्यम से सतत भावी जीवन	भा.प्रौ.सं. मण्डी मूल अनुदान	डॉ. अदिति हल्दर	7,20,000	3 वर्ष

प्रारूप व्यवहार्य

जैसा कि पहले भी उल्लेख किया गया है कि अभियांत्रिकी छात्रों में प्रारूप व्यवहार्य और अभिनव कौशल को प्रोत्साहित करने के लिए बी.टैक. पाठ्यक्रम में 'प्रारूप व्यवहार्य' दृष्टिकोण को अपनाया गया है। इसका भाग होने के कारण द्वितीय वर्ष के दौरान सभी छात्र 'प्रारूप व्यवहार्य' नामक पाठ्यक्रम को अवश्य लेते हैं। इस एक छमाही पाठ्यक्रम में छात्रों को नवीन उत्पादों को बनाने के लिए कहा गया जो हमारे समाज की वास्तविक समस्याओं को व्यक्त करे। विद्युतीय, संगणक विज्ञान और यांत्रिकी अभियांत्रिकी के प्रत्येक विभागों से निर्मित छः छात्रों के यादृच्छिक बहु विषयक दल थे। प्रत्येक छः छात्रों का दल अपना प्रगति प्रतिवेदन अभियांत्रिकी, विज्ञान और मानविकी क्षेत्रों के दो संकाय के एक बहु विषयक दल को देता था। पहले सप्ताह में छात्रों को नए उत्पाद की बनावट और विकास के बारे में मूल जानकारी दी। दूसरे सप्ताह में छात्रों को लोगों से मिलकर उनकी समस्याओं के बारे में एक सूची तैयार करने के लिए कहा गया और उन समस्याओं के समाधान में सहायक होने वाले उनके नये विचारों की सूची बनाने के लिए भी कहा गया।

इन अनेक विचारों में से कुछ विचारों को लेकर एक उत्पाद पर काम करने को कहा गया। प्रारूप की संभाव्यता और अन्य प्राचलों जैसे कि समय और लागत को लेकर उत्पाद को विकसित करने के लिए गहन विश्लेषण किया गया। इस अवस्था में छात्रों ने एक बजट बनाया और संकाय परामर्शदाता से प्रस्तावित करवाया। उन्होंने विस्तृत रूपरेखा से एक कृत्रिम मॉडल बनाया और इसके गुण-अवगुणों को विश्लेषित किया। बाद में, उन्होंने कठिन मेहनत करके एक कार्य करने वाला वास्तविक आदर्श नमूना बनाया। पूरा काम करने से पहले वास्तविक स्थिति बहुत ही चुनौतीपूर्ण थी, वस्तुओं को समय पर पाना, पुरजों की अनुकूलता जैसी अनेक समस्याओं को उन्हें अनेक प्रयोजनों हेतु सहन करना पड़ा। अन्तिम दिन छात्रों ने अपने बनाए हुए नमूने लोगों के लिए प्रदर्शित किये।

वर्ष के दौरान निम्नलिखित नमूने प्रदर्शित किए गए:

उत्पाद संख्या 1: सलाद रूपकार

यह उत्पाद उपभोक्ता से इनपुट के रूप में एक प्रतिकृति लेता है और फिर उसी आकार की अपेक्षित सब्जी उपभोक्ता को देता है। तब उपभोक्ता इन सब्जियों को योजनाबद्ध कक्षों में रंगों के अनुसार डालता है। मशीन उन सब्जियों को नीचे एक ग्रिड कटर में धकेलती है, इससे नीचे एक समानान्तर कटर होता है जो सब्जियों को समानान्तर काटता है। तब ये कटी हुई सब्जियां उनके कक्षों में हो जाती हैं।



उत्पाद संख्या 2: ऊंचाई पर गुब्बारे की जांच



यह उत्पाद तापमान, नमी, प्रवेगमापी, ऊंचाई मापक जी.पी.एस. और कैमरा जैसे सभी महत्वपूर्ण संवेदकों से युक्त है। इसमें शोधकर्ताओं की आवश्यकता के अनुसार अन्य संवेदकों को जोड़ने के लिए द्वार भी बनाए गए हैं। इस प्रणाली में उड़ान भरने और उतरने के लिए एक किट में गुब्बारे, पैराशूट और एक खोल होता है। जब हवा में होते हैं तब यह सभी संवेदकों के माध्यम से सारा आंकड़ा नीचे स्थल में एक आदाता और सूक्ष्म नियंत्रक यूनिट्स से प्रेषित करता है जो तापमान, नमी, ऊंचाई इत्यादि आंकड़े देखने के लिए लैपटॉप में आसानी से जुड़ जाता है।

उत्पाद संख्या 3: बी.सी.आई.- ब्रेन कम्प्यूटर इंटरफेसिंग

यह उत्पाद मानव संगणक परस्पर प्रभाव की क्षमताओं को दर्शाता है और छोटी संगणक खेल में दोबारा परिणाम दिखाने की कोशिश करता है जिसमें दिमाग नियंत्रक के रूप में कार्य करता है। इसमें दिमाग की दो स्थितियां होती हैं। जब दिमाग की स्थिति एक जगह से दूसरी जगह करते हैं तो खेल में पूर्व किए गए कार्य की आवृत्ति होती है। इससे कोई भी बता सकता है कि जब एक व्यक्ति चौकस होता है तो कुछ कार्य होगा और जब व्यक्ति आराम की स्थिति में होगा तो पूर्व निर्धारित कार्य का सेट घटित होगा।



उत्पाद संख्या 4: क्वोडकोप्टर

इस यंत्र में उड़ान भरने के लिए चार मोटर नोदक होते हैं। इसका प्रयोग गुप्त कार्य, जल छिड़काव जैसे तकनीकी उद्देश्यों के लिए हो सकता है। यह खिंचाव और बहाव के सिद्धान्त पर कार्य करता है। ऊपरी और नीचली तरफ घूम रहे नोदकों के कारण दबाव की भिन्नता से शक्ति उत्पन्न होती है।

उत्पाद संख्या 5: नोट लेने वाला मुद्रक

यह एक रोबोट है जो कागज़ पर चलता है और इसे मुद्रित करता है। इसमें एक स्याही जैट कार्टिज लगा होता है जो रोबोट के चलने पर मुद्रित करता है। रोबोट एक पंक्ति मुद्रित करने के लिए बांयी ओर से दायीं ओर, और फिर एक नई पंक्ति के लिए थोड़ा सा नीचे चलता है और फिर दोबारा एक नई पंक्ति के लिए पीछे मुड़कर दायीं ओर से बायीं ओर चलता है। यह मोबाईल और संगणक से आंकड़े मुद्रित करने के लिए ले सकता है। इस उपकरण में आवाज से अवतरण को जोड़ने की भी सुविधा है।



उत्पाद संख्या 6: संगणक युक्त पहिये वाली कुर्सी

इस उत्पाद का उद्देश्य कम मूल्य पर शारीरिक रूप से विकृत या बूढ़े लोगों को उनकी गतिशीलता को नियन्त्रित करके अंकीय विश्व में उनके प्रियजनों से सम्पर्क रखने के लिए साधन के रूप में मदद करना है। इसका प्रयोग घर के अन्दर, समतल जमीन पर किया जाएगा

उत्पाद संख्या 7: नदी छाननी

नदियों, झीलों, नालियों आदि से रिवर सिवर द्वारा कचरे और अन्य स्थूल गन्दगी को घूमाकर छानते हैं। विशेषकर भारत में जल प्रदूषण का प्रमुख कारण जल में बह रहा कचरा होता है। जल में रिवर सिवर एक नाव की तरह चलते हुये एक फुट की गहराई तक बह रहे कचरे को एकत्रित करने में समर्थ है जो बाद में भार उतारने वाले स्थान पर भार उतारता है।



उत्पाद संख्या: 8 बहुउद्देशीय कृषि हलवाहा

यह उत्पाद एक कृषि उपकरण है जो जुताई, स्वतः बीज बुआई, कीटनाशकों का छिड़काव और उपजाऊपन मापने जैसे अनेक कार्यों के लिए बनाया गया है।

उत्पाद संख्या: 9 ई-ब्रेली प्रशिक्षु

यह उत्पाद ब्रेली शिक्षण/अधिगम यंत्र है। इस यंत्र में इनपुट संकेत एक सूक्ष्म नियंत्रक द्वारा की बोर्ड से संसाधित होते हैं जो एक बक्से के भीतर पैड जैसे उच्चतम पृष्ठ से प्रवर्तकों के एक सेट से जुड़ा होता है। पैड के भीतर की बनावट "ब्रेली सैल" (इस सैल में प्रत्येक अंग्रेजी अक्षर छः अक्षरों से युक्त ऊपर/नीचे के बिन्दुओं से दशार्था होता है) की है। लोग इस पैड पर अपने हाथ रख सकते हैं और ब्रेली कोड की तरह अंग्रेजी अक्षरों को अनुभव कर सकते हैं।



उत्पाद संख्या: 10 स्वतः ऊर्जायुक्त योग्य सड़क प्रणाली

यह गतिरोधक ढांचा है जिसके ऊपर वाहन चलने से विद्युत उत्पन्न होती है। जितनी व्यस्त सड़क होगी उतनी ही अधिक ऊर्जा पैदा होगी। उत्पन्न ऊर्जा एक एलआईपीओ बैटरी में एकत्रित होगी जिसका प्रयोग रात्रि में हो सकेगा। अनेक स्थान पर आपातकाल बटन स्थापित कर सकते हैं जिनको दबाने से आपात सेवायें चौकस होंगी। जांच आंकड़े एकत्रित किए जा सकते हैं।

उत्पाद संख्या: 11 श्वास विश्लेषक का प्रयोग करते हुये सुयोग्य वाहन ज्वलन अधिभावी प्रणाली

इस योजना का उद्देश्य कार में श्वास परीक्षक का निर्माण करना था जो शराबी चालकों पर अंकुश लगाये और इससे जीवन की रक्षा हो। इस प्रणाली में इंटरलॉक्स कार के ज्वलन प्रणाली के लिए तार से लगे होते हैं। यदि चालक शराब के परीक्षण में असफल होता है तो यह आरम्भ से ही रक्षा करता है।

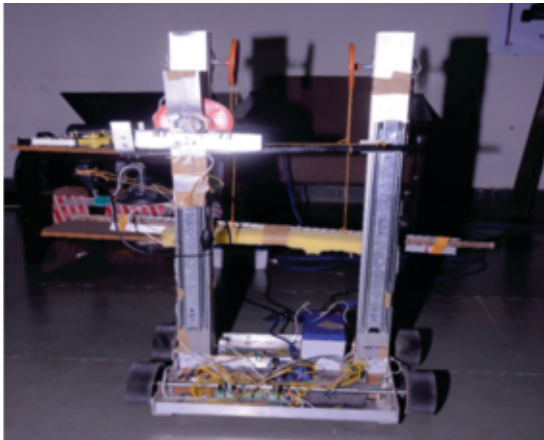


उत्पाद संख्या 12: कचरा एवं मलबा संचरण नाव

यह उत्पाद एक स्वायत्त नाव है जो चलायमान कचरे की सफाई के लिए घूमती हुई संवाहक पेटी का उपयोग करती है। अवरोधक और कचरे का पता लगाने के लिए नाव के सामने पराश्रव्य संवेदक लगे होते हैं। एकत्रित कचरा स्वतः ही एक बड़े टोकरे में आ जाएगा। टोकरा भरी है या नहीं यह जानने के लिए संवेदक भी लगे होते हैं।

उत्पाद संख्या 13: जैव मीतिय मतदान मशीन

यह मशीन मतदान डालने से लेकर परिणाम की घोषणा तक की मतदान प्रक्रिया को अति सरल बनाएगी।



उत्पाद संख्या 14: पुस्तकालय सहायक रोबोट

यह उत्पाद एक स्वतः चालित पुस्तकालय सहायक रोबोट है जो पुस्तकालय सामग्री में सहायता करता है और उपभोक्ता द्वारा दर्ज पुस्तक को इसके बार कोड के अनुसार खोजता है। रोबोट मूल रूप से पंक्ति अनुगामी है। यह सही अलमारी से सही पुस्तक का पता लगाता है और इसे पुस्तकालयाध्यक्ष को देता है।

उत्पाद संख्या 15: वाहनों के लिए प्रदूषण जांच प्रणाली

यह पूर्णतः स्वचालित उत्पाद है जो तत्काल वाहन के प्रदूषण की जांच हेतु निर्मित किया गया है। इसकी अनेक कार्यक्षमताएं हैं।



उत्पाद संख्या 16: हस्त संकेत अनुकरण प्रणाली

यह उत्पाद बेजुबान लोगों को बाकि दुनिया से सम्पर्क करने में मदद करेगा। यह बेजुबान लोगों की सांकेतिक भाषा को दृश्य उत्पादन में परिवर्तित करने के लिए तकनीक का प्रयोग करता है।

उत्पाद संख्या 17: बांधों हेतु स्वचालित आपात प्रतिक्रिया प्रणाली

स्वचालित आपात प्रतिक्रिया प्रणाली का प्रयोग उन लोगों को सतर्क और अधिसूचित करने के लिए है जो संकट में हैं। मोबाईल से एस.एम.एस. द्वारा प्राधिकारियों को पीड़ितों की आपात स्थिति से सतर्क करना है।



उत्पाद संख्या 18: स्वचालित सफाई रोबोट

यह उत्पाद एक स्वचालित रोबोट है जो उपभोक्ता से बहुत कम श्रम पर यथोचित अच्छी प्रकार से जमीन साफ करता है। यह जमीन से सारे धूलकणों को लेने के लिए एक वैक्यूम क्लीनर और एक सूक्ष्म कपड़े को जमीन पर जोर से घूमाकर प्रयोग करता है।

उत्पाद संख्या 19: भारी परिवहन कार्यसक्षम परिवीक्षक (आई.टी.सी.एम.)

यह उत्पाद एक विचारणीय क्षेत्र के भीतर यातायात घनत्व की गणना करता है और यदि उस क्षेत्र में बहुत अधिक परिवहन हो तो यह लोगों को एक चेतावनी संकेत दर्शाता है।



उत्पाद संख्या 20: कार्यसक्षम गृह-द्वार सुरक्षा प्रणाली

इस उत्पाद में पारंपरिक दरवाजे की घण्टी और सुरक्षा प्रणालियों को सुयोग्य प्रणाली में परिवर्तित करते हुये वाई-फाई इंटरनेट से मोबाईल फोन को जोड़ा जा सकता है।

संगणक और विद्युत अभियांत्रिकी स्कूल

भा.प्रौ.सं. मण्डी के संगणक और विद्युत अभियांत्रिकी (एस.सी.ई.ई) स्कूल का उद्देश्य संगणक, संचार, इलैक्ट्रॉनिक्स और विद्युत अभियांत्रिकी से सम्बन्धित शिक्षण और प्रौद्योगिकी में अनुसन्धान की उत्कृष्टता को बनाए रखना है। अनुसन्धान का क्षेत्र सैद्धान्तिक और अनुप्रयोग आधारित विषयों जैसे कि स्मार्ट ग्रिड, अक्षय ऊर्जा, प्रभावी अर्धचालक उपकरणों के लिए सामग्री, आगामी उत्पादन संचार और प्रभावशाली मानव-संगणक पारस्परिक क्रिया जैसे विषयों का स्थूल वर्गीकरण करता है। पूर्व स्नातक स्तर पर हम शिक्षा में प्रयोग द्वारा छात्रों में संगणक विज्ञान और विद्युत अभियांत्रिकी के विषयों में सिद्धान्त और व्यवहार के ज्ञान की मजबूत नींव पर बल देते हैं। आधार विज्ञान स्कूलों और मानविकी स्कूल के संकाय की भी संयुक्त नियुक्ति छात्रों को सामाजिक, नैतिक और उदारवादी शिक्षा प्रदान करने के लिए की है ताकि वे समाज में महत्वपूर्ण योगदान दे सकें। बी.टैक. छात्रों के पहले बैच ने स्नातक पास करके अभिनव जगत् में समर्थ अभियंता के रूप में प्रवेश लिया है। हमारा संकाय संगणक विज्ञान और विद्युत अभियांत्रिकी के क्षेत्र में छात्रों को स्नातकोत्तर स्तर पर अनुसन्धान और पेशेवर क्षमताओं के लिए बुनियादी ज्ञान की गहन महारत प्रदान कराता है। हमारे संकाय प्रयोग और सैद्धान्तिक अनुसन्धान के क्षेत्रों में सरकारी संस्थाओं, निजी उद्योगों और गैर सरकारी संगठनों से सदैव सम्पर्क में रहते हैं। संकाय के मुख्य लक्ष्यों में राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग है।

भा.प्रौ.सं. मण्डी ने विद्युत और सूचना प्रौद्योगिकी हेतु डेटी (विद्युत विभाग और सूचना प्रौद्योगिकी) से विश्वेश्वराय पी.एच.डी. योजना के अन्तर्गत 2.25 करोड़, 13 नियमित पी.एच.डी. और 7 अंशकालिक पी.एच.डी. छात्रों के लिए प्राप्त किया है। ये पी.एच.डी. छात्र ई.एस.डी.एम. (विद्युत प्रणाली और प्रारूप) तथा (सूचना प्रौद्योगिकी) के क्षेत्र में कार्य करेंगे। इस योजना के तहत, भा.प्रौ.सं. मण्डी के संकाय, अनुभव की जा रही अनुसन्धान समस्याओं पर उद्योग के साथ कार्य करेंगे। इसके साथ यह एक अनुसन्धान नमूने को समाजोपयोगी उत्पाद में परिवर्तित करने का एक अच्छा मंच है। संगणक और विद्युत अभियांत्रिकी स्कूल भा.प्रौ.सं. मण्डी में एक अनुसन्धान केन्द्र को स्थापित करने हेतु डेटी से अवसंरचना अनुदान के लिए आवेदन करेगा।

संकाय

डॉ. ए.के. साओ

अध्यक्ष

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: बिम्ब संसाधन

भा.प्रौ.सं. मद्रास, चेन्नई से पी.एच.डी.

गृह नगर: भिलाई, छत्तीसगढ़

दूरभाष: 01905-237918

ई-मेल: anil

डॉ. आदित्य निगम

सहयोगी शिक्षक

विशेषज्ञता: जैव मीतिय, संगणक दृश्य

भा.प्रौ.सं. कानपुर से पी.एच.डी.

गृह नगर: कानपुर, उ0प्र0

दूरभाष: 01905-237919

ई-मेल: aditya

डॉ. अर्नव भवसार

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: बिम्ब विश्लेषण, संगणक आभास

चेन्नई, भारत (2011)

से पी.एच.डी.

गृह नगर: सूरत, गुजरात, भारत

दूरभाष: 01905-300049

ई-मेल: arnav

डॉ. आरती कश्यप

सहयोगी प्राध्यापक (संयुक्त नियुक्ति)

विशेषज्ञता: चुम्बकत्व और चुम्बकीय सामग्री भारतीय प्रौद्योगिकी मद्रास,

भा.प्रौ.सं. रुड़की से पी.एच.डी.

गृह नगर: मण्डी, हिमाचल प्रदेश

दूरभाष: 01905-237907 / 300042

ई-मेल: arti

प्रो. बी.डी. चौधरी

डीन (सीक)

अभ्यागत प्राध्यापक

विशेषज्ञता: सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी

वर्ष 1979 में भा.प्रौ.सं. कानपुर से पी.एच.डी.

गृह नगर: दरभंगा, बिहार

दूरभाष: 01905-237998

ई-मेल: bdchoudhary

डॉ. भक्ति माधव जोशी

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: ए.सी. यंत्र और नियंत्रण

वर्ष 2014 में भा.प्रौ.सं. बाम्बे से पी.एच.डी.

गृह नगर: पुना (महाराष्ट्र)

ई-मेल: bhakti

डॉ. हितेश श्रीमाली

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: एनालॉग एण्ड मिक्सड

सिग्नल वी.एल.एस.आई. डिजाईन, टू

डिजिटल कन्वर्टरज, डिजाईन एण्ड

मॉडलिंग ऑफ रेडीएशन हार्ड सर्कटस

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली से

पी.एच.डी.

ई-मेल: hitesh

डॉ. पद्मनाभन राजन

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: भाषा संसाधन, वक्ता की पहचान

वर्ष 2012 में भा.प्रौ.सं. मद्रास से पी.एच.डी.

गृह नगर: कोचिन, केरल

दूरभाष: 01905-300049

ई-मेल: padman

डॉ. रेणु एम. रमेशन

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: बिम्ब संसाधन

वर्ष 2013 में भा.प्रौ.सं. बॉम्बे से पी.एच.डी.

गृह नगर: त्रिवेन्द्रम, केरल

ई-मेल: renumr

डॉ. भरत सिंह राजपुरोहित

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: पावर इलैक्ट्रॉनिक्स एप्लीकेशन

टू पावर सिस्टम्ज

वर्ष 2009 में भा.प्रौ.सं. कानपुर से पी.एच.डी.

गृह नगर: जोधपुर, राजस्थान

दूरभाष: 01905-237921

ई-मेल: bsr

डॉ. दिलीप ए.डी.

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: पैटर्न रीकॉग्निशन, कर्नल

मैथडज फोर पैटर्न एनालाइसिस

मशीन लर्निंग, स्पीच टेक्नोलॉजी

कम्प्यूटर विज्ञान

वर्ष 2013 में भारतीय प्रौद्योगिकी मद्रास, चेन्नई, से पी.एच.डी.

गृह नगर: उदुपि, कर्नाटक

दूरभाष: 01905-300047, ई-मेल: addileep

डॉ. कुनाल घोष

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: सौर फोटोवॉल्टिक्स

वर्ष 2011 में अरीजोना राज्य विश्वविद्यालय

से पी.एच.डी.

गृह नगर: कलकत्ता

दूरभाष:

ई-मेल: kunal

डॉ. रमेश ओरुगटि

शैक्षिक डीन

विशेषज्ञता: पावर इलैक्ट्रॉनिक्स, सोलर

फोटोवॉल्टिक एनर्जी सिस्टम्ज

वर्ष 2011 में वरजिना प्रौद्योगिकी

से पी.एच.डी.

दूरभाष: 01905-237976 / 300068

ई-मेल: ramesho

डॉ. समर अग्निहोत्री

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: सूचना सिद्धान्त, संचार जटिलता,

बेतार संचार

वर्ष 2009 में भारतीय प्रौद्योगिकी विज्ञान संस्थान

से पी.एच.डी.

गृह नगर: दिल्ली

दूरभाष: 01905-237907

ई-मेल: samar

डॉ. सतिन्द्र कुमार शर्मा

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: नैनोइलेक्ट्रॉनिक्स, सेन्सर्स,
फोटोवोल्टिक और सेल्फ असेम्बली
वर्ष 2007 में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से
पी.एच.डी.
गृह नगर: मण्डी, हिमाचल प्रदेश
दूरभाष: 01905-237908
ई-मेल: satinder

डॉ. सुभाष दत्त

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: नियंत्रण सिद्धान्त
वर्ष 2013 में भा.प्रौ.सं. बॉम्बे से पी.एच.डी.
गृह नगर: बरीपैडा, उड़ीसा
दूरभाष:
ई-मेल: sd

डॉ. वरुण दत्त

सहायक प्राध्यापक (संयुक्त नियुक्ति)
विशेषज्ञता: कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मानव-
संगणक परस्पर क्रिया, अनुभव और
निर्णय लेना, पर्यावरणीय निर्णय लेना
वर्ष 2011 में (यू.एस.ए.) कार्नेज मीलोन
विश्वविद्यालय से पी.एच.डी.
गृह नगर: लखनऊ, उत्तर प्रदेश
दूरभाष: 01905-237932 / 300043
ई-मेल: varun

परामर्शदाता प्राध्यापक**प्रो. दीपक खेमानी**

भा.प्रौ.सं. मद्रास में संगणक विज्ञान
और अभियांत्रिकी के प्राध्यापक
विशेषज्ञता: कृत्रिम बुद्धिमत्ता में
भा.प्रौ.सं. बॉम्बे से पी.एच.डी.
दूरभाष: +91 4422574365
ई-मेल: khemani

डॉ. संजीव मन्हास

भा.प्रौ.सं. रुड़की से इलेक्ट्रॉनिक्स
और संचार अभियांत्रिकी विभाग में
सहयोगी प्राध्यापक
वर्ष 2003 में डी मॉटफोर्ट विश्वविद्यालय,
लीसेस्टर यू.के. से इलेक्ट्रॉनिक्स और
विद्युतीय अभियांत्रिकी में पी.एच.डी.
दूरभाष: +91-1332-285174
ई-मेल: samanfec

डॉ. सत्यजित सिंह ठकुर

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: सम्पर्क सिद्धान्त, सूचना सिद्धान्त
नेटवर्क कोडिंग
वर्ष 2012 में दूर संचार अनुसन्धान संस्थान
दक्षिणी ऑस्ट्रेलिया से पी.एच.डी.
गृह नगर: आनन्द, गुजरात
दूरभाष: 01905-237999
ई-मेल: satyajit

डॉ. तिमोथी ए. गोन्सेल्वज

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: संगणक नेटवर्कस और वितरित
सॉफ्टवेयर प्रणाली
वर्ष 1986 में स्टैण्डफोर्ड विश्वविद्यालय से
पी.एच.डी.
गृह नगर: ऊटी, तमिलनाडु
दूरभाष: 01905-300001
ई-मेल: tag

डॉ. योवोनी डिट्टिच

संयुक्त प्राध्यापक
विशेषज्ञता:
वर्ष 1997 में हम्बर्ग विश्वविद्यालय से पी.एच.डी.
दूरभाष:
ई-मेल: ydi

प्रो. हेमा ए. मुर्थी

भा.प्रौ.सं. मद्रास से संगणक विज्ञान
और अभियांत्रिकी विभाग के प्राध्यापक
विशेषज्ञता: भाषण, सांकेतिक प्रक्रम,
संगणक नेटवर्क
वर्ष 1992 में भा.प्रौ.सं. मद्रास से पी.एच.डी.
ई-मेल: hema

अनुसन्धान परियोजनाएं

बाहरी प्रायोजित अनुसन्धान परियोजनाएं

क्रमांक	परियोजना का नाम	प्रायोजित संस्था	अन्वेषक	स्वीकृत धन (रूपये में)	योजना की अवधि
1	अक्षय ऊर्जा स्रोतों हेतु उन्नत/अनुकूलित ग्रिड युक्त नियंत्रण प्रौद्योगिकियों का विकास स्वीकृति की दिनांक: 20.05.13 समापन की दिनांक: 19.05.16	डी.एस.टी.	डॉ. भरत सिंह राजपुरोहित	20,70,000	3 वर्ष
2	आई.यू.-ए.टी.सी. योजना स्वीकृति की दिनांक: 11.09.12 समापन की दिनांक: 10.03.15	डी.एस.टी.	प्र.अ. डॉ. आरती कश्यप स.प्र.अ. प्रो. टी.ए.गोन्सेल्वज, डॉ. समर अग्निहोत्री, डॉ. नितु कुमारी, डॉ. सरिता आजाद, डॉ. मनोज ठाकुर, डॉ. सत्यजीत ठाकुर	81,48,000	2.5 वर्ष
3	आकाश शिक्षा प्रस्ताव	मा.सं.वि.मं.	प्र.अ. डॉ. आरती कश्यप स.प्र.अ. डॉ. ओम प्रकाश सिंह, परामर्शदाता: प्रो. टी.ए. गोन्सेल्वज	62,50,000	2.8 वर्ष
4	(एफ.आई.एस.टी.) कार्यक्रम -2013 विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षा संस्थानों में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी अवसंरचना की प्रगति हेतु निधि स्वीकृति की दिनांक: 07.07.14 समापन की दिनांक: 06.07.19	डी.एस.टी.	डॉ. भरत सिंह राजपुरोहित	245,00,000	5 वर्ष
5	स्मार्ट मल्टी टर्मिनल डी.सी.यू.-ग्रिडज फोर ऑटोनोमस जीरो नेट एनर्जी बिल्डिंगज स्वीकृति की दिनांक: 23.04.14 समापन की दिनांक: 22.04.16	डी.एस.टी.- यू.के.ई.आर.आई.	प्र.अ. डॉ. भरत सिंह राजपुरोहित स.प्र.अ.: प्रो. एस.एन. सिंह (भा.प्रौ.सं. कानपुर), डॉ. फ्रानसिस्को गोन्जालेज- लॉगट्ट (कोवेंटरी विश्वविद्यालय, यू.के.)	27,20,800	2 वर्ष
6	भारतीय स्थल के लिए एक बहुआयामी कार्यसक्षम ग्रिडज विश्लेषण स्वीकृति की दिनांक: 30.09.14 समापन की दिनांक: 29.09.17	डी.एस.टी.	प्र.अ.: डॉ. भरत सिंह राजपुरोहित, प्रो. एस.एन. सिंह	100,98,100	3 वर्ष
7	सुरक्षित और विश्वसनीय साईबर स्पेस का निर्माण: एक व्यावहारिक खेल-सैद्धान्तिक दृष्टिकोण स्वीकृति की दिनांक: 10.12.14 समापन की दिनांक: 10.12.17	डी.एस.टी.	डॉ. वरुण दत्त, डॉ. वी.एस. चन्द्रशेखर पम्मी (इलाहाबाद विश्वविद्यालय)	22,89,600	3 वर्ष
8	विद्युतीय और सूचना प्रौद्योगिकी हेतु विश्वेश्वराय पी.एच.डी. योजना स्वीकृति की दिनांक: 10.11.14 समापन की दिनांक: 19.11.19	डेटा-एम.एल.ए.	डॉ. अनिल के. साठ	309,90,000	5 वर्ष
9	चिकित्सा बिम्ब विश्लेषण हेतु प्रकाशीय और कैमरे की दूरी के लिए पुनः स्थल प्राप्ति की जांच स्वीकृति की दिनांक: 26.09.19 समापन की दिनांक: 25.09.19	डी.एस.टी.- आई.एन.एस. पी.आई.आर.ई	डॉ. अर्नव भवसर	35,00,000	5 वर्ष

10	गति नियंत्रण हेतु यंत्र आधारित उच्च निष्पादन तुल्यकालिक यंत्र का प्रारूप और विकास स्वीकृति की दिनांक: 10.02.15 समापन की दिनांक: 09.02.18	एन.आर.बी-डी.आर.डी.ओ	डॉ. भरत सिंह राजपुरोहित, स.प्र.अ.: डॉ. राजीव कुमार	24,94,973	3 वर्ष
----	--	---------------------	--	-----------	--------

मूल अनुदान परियोजनाएं

क्रमांक	परियोजना का नाम	नस्ति संख्या	अन्वेषक	स्वीकृत धन (रूपये में)	परियोजना की अवधि
1	दृश्य-श्रव्य जैवमीतिय का उपयोग करते हुए व्यक्ति प्रमाणीकरण स्वीकृति की दिनांक: 01.11.11 समापन की दिनांक: 30.10.14	आई.आई.टी.एम./एस.जी./ए.के.एस./014	डॉ. अनिल के. साठ	5,00,000	3 वर्ष
2	ग्रिड युक्त/स्टैण्ड एलोन विद्युतीय ऊर्जा परिवर्तक नियंत्रण स्वीकृति की दिनांक: 25.01.12 समापन की दिनांक: 24.01.15	आई.आई.टी.एम./एस.जी./बी.एस.आर./017	डॉ. भरत सिंह राजपुरोहित	5,50,000	3 वर्ष
3	स्थल अनुप्रयोगों के लिए सिक आधारित उपकरणों पर विकिरणों का प्रभाव स्वीकृति की दिनांक: 23.04.13 समापन की दिनांक: 22.04.16	आई.आई.टी.एम./एस.जी./एस.के.एस./27	डॉ. सतिन्द्र शर्मा	6,70,000	3 वर्ष
4	लोग धरती की जलवायु के सम्बन्ध में ज्ञान का अभाव क्यों दर्शाते हैं? पुनः प्रतिपुष्टि का प्रभाव स्वीकृति की दिनांक: 16.09.14 समापन की दिनांक: 15.09.17	आई.आई.टी.एम./एस.जी./वी.डी./32	डॉ. वरुण दत्त	5,00,000	3 वर्ष

प्रायोजित शोधकार्य परामर्श योजनाएं

क्रमांक	प्रस्तावित नाम	संकाय का नाम	समझौता हस्ताक्षरित	स्वीकृत धन (रूपये में)	अवधि
1	तत्काल चेहरे की पहचान हस्ताक्षर करने की दिनांक – 05.03.14 समापन की दिनांक– 04.03.15	डॉ. अनिल के.साठ	अइन्द्रा सिस्टम्ज, बंगलौर	1,34,832	1 वर्ष
2	बिकी और फार्मा में विश्लेषण सम्बन्धों हेतु यंत्र अधिगम और आंकड़ा खनन हस्ताक्षर करने की दिनांक–16.02.15 समापन की दिनांक–16.02.18	डॉ. वरुण दत्त	पुर्ड्यु फार्मा एल.पी., यू.एस.ए.	यू.एस.डी.\$ 96,062	3 वर्ष

राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित पत्र

11. विक्रम सिंह, वर्धीनीदि सरि वेंकट सत्यनारायण, निकोला बटिना, इसरेल मोरेलज रेज, सतिन्द्र के. शर्मा, फेलिप केसलर, फ्रांसीन आर. शेफर, डेनिअल ई. वेबल सुब्रता घोष, केनीथ ई. गोन्सेल्वज। ई-बीम और सूक्ष्म शिलामुद्रण/अति सूक्ष्म शिलामुद्रण की ईयूवी शिलामुद्रण पत्रिका हेतु अरासायनिक रूप से प्रवर्धित नकारात्मक टोन फोटोरेसिस्ट के निष्पादन का मूल्यांकन। एमईएमएस, और एमओईएस, खण्ड 113, पृष्ठ 043002, वर्ष 2014।
2. दत्त, वी. आरलो कोस्टा, एच. हेल्जनर, जे. और गोन्जाल्ज, सी. (2014)। जोखिम और साहसी कार्यों में अस्पष्ट अन्तराल का विवरण। व्यावहारिक निर्णय लेने की पत्रिका 27 (4), 316–327।
3. मेहलहॉर्न,के., बेन-एशर, एन. दत्त, वी. और गोन्जाल्ज, सी. (2014)। समीक्षित परिवर्तनशीलता और पदार्थ का महत्व: व्यावहारिक निर्णय लेने की पत्रिका 27 (4), 328–339।
4. चुम्बकीय और $M_{2}PtS_{2}$ की इलैक्ट्रॉन परिवहन विशेषताओं पर Co प्रत्यास्थापन का प्रभाव। वाई हु, पी खरेल, ए नेल्सन, वी.आर. शाह, जे पेरीरिओ, पी. मनचन्दा, ए. कश्यप, आर सकोमस्की और डी.जे. सेलीमायर जे. भौतिकी: संघनित पदार्थ 27076002, (2015)।
5. जिओली एक्स यू. सत्यजीत ठाकुर, यंग लिआंग गॉन, लघुकृत कार्यात्मक निर्भरता आरेख, आईईटी नेटवर्कस, खण्ड 4, मार्च 2015, पृष्ठ 102–110 डीओआई 10.1049/आईईटी-दनेट 2013.0133 मुद्रण आईएसएसएन 2047–4954, ऑनलाईन 2047–4962।

प्रकाशित पुस्तक / पुस्तक अध्याय

कुनरीयुथर एच., एस. गुप्ता, वी. बोसेटी, आर. कृकी, वी दत्त, एम. है-दुआंग, एच. हेल्ड, जे. लेनस-रीगुइरो, ए. पट्ट, ई शिट्टु और ई वेबर, 2014: समन्वित जोखिम और जलवायु परिवर्तन प्रतिक्रिया की नीतियों के निर्धारण की अनिश्चितता। जलवायु परिवर्तन 2014 : जलवायु परिवर्तन का शमन। जलवायु परिवर्तन के विषय पर अन्तःसरकारी पेनल का तीसरे दल द्वारा पाँचवा मूल्यांकन प्रतिवेदन पर कार्य का योगदान। [इडनहोफर, ओ., आर. पिछस-मदरुगा, वाई, सोकोना, ई. फरहानी, एस काडनर, के. सेबोथ, ए. एडलर, आई. बॉम, एस. बरनर, पी. ईकमियर, बी. करिमन, जे. सेवोलेनन, एस.सकलोमर, सी. ऑन स्टीचो, टी. जवीकल और जे.सी. मिंक्स (इडीएस)]। कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय प्रेस कैम्ब्रिज, यूनाईटेड किंगडम और न्यूयॉर्क, एनवाई, यूएसए।

सम्मेलनों में उपस्थिति और प्रस्तुत पत्र

1. जी.जी. ग्रेवाल, बी.एस. राजपुरोहित और जे.जी. सिंह "फौलाद को दबाने वाले संयन्त्र में विद्युतीय ऊर्जा प्रबन्धन", अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन और धारणीय विकास हेतु हरित ऊर्जा पर उपयोगी प्रदर्शनी (आईसीयूई 2014), मार्च 19–21, 2014, पट्टया शहर, थाईलैंड।
2. एन. वोगवांटेनी, जे.जी. सिंह और बी.एस. राजपुरोहित "इफैक्टस ऑफ आईलैंडिड ऑन वोल्टेज स्टेबिलिटी इन आईलैंडिड नेटवर्क सिस्टम्ज", अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन और धारणीय विकास हेतु हरित ऊर्जा पर उपयोगी प्रदर्शनी (आईसीयूई 2014), मार्च 19–21, 2014, पट्टया शहर, थाईलैंड।
3. एस.ए. लक्ष्मण बी.एस. राजपुरोहित और ए. जैन, "आईलैंडिड डिटैक्सन फोर ग्रिड कनेक्टिड सोलर पीवी सिस्टम्ज" नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन जेडईएन और टीएओ ऑफ इलेक्ट्रिकल एण्ड इलैक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग, जनवरी 07–09, 2014 बंगलौर, भारत। (सर्वोत्तम पत्र पुरस्कार)
4. लक्ष्मण. एस.ए., बी.एस. राजपुरोहित, अमित जैन। "एनालाईसिस एण्ड कंट्रोल ऑफ 3-फेज वीएसआई फोर ग्रिड कनेक्टिड सोलर पीवी सिस्टम्जअंडर डिफरेंट इरेडीएशन" मानक अनुनाद प्रणालियों पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, आईईईई मानक संघ मार्च 6–7, 2014, केन्द्रीय ऊर्जा अनुसन्धान संस्थान (सीपीआरआई), बंगलौर, भारत।
5. लक्ष्मण एस.ए., बी.एस. राजपुरोहित, अमित जैन "स्टैण्डर्डिज, रेगुलेशन एण्ड परफार्मेंस मैजर्ज ऑफ ग्रिड कनेक्टिड सोलर पीवी सिस्टम्ज फोर स्मार्ट पावर सिस्टम्ज" मानक अनुनाद प्रणालियों पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, आईईईई मानक संघ मार्च 6–7, 2014, केन्द्रीय ऊर्जा अनुसन्धान संस्थान (सीपीआरआई), बंगलौर, भारत।
6. जोशी, बी.एम., "इफैक्ट ऑफ स्टेटर इंटर-टर्न फाल्ट ऑन द ओपरेशन ऑफ सिंगल-इनवर्टर टू-मशीन वेक्टर-कंट्रोल्ड इंडक्शन मोटर ड्राइव", को पावर इलैक्ट्रॉनिक्स, ड्राइवज और एनर्जी सिस्टम्ज (पीईडीईएस 2014) पर आईईईई अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन भा.प्रौ.सं. बाम्बे मुम्बई, 16–19 दिसम्बर 2014 में प्रकाशन हेतु स्वीकृत किया गया।
7. भवसर, जी. डब्ल्यू यू और डी. शेन। "मोशन-गाइडिड रेजोल्युशन एन्हांसमेंट फोर लंग 4डी-सीटी "अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन नियंत्रण, स्वचालन, रोबोटिक्स और विजन, (आईसीएआरसीवी 2014), 2014।
8. एस. जैन, आर. रे, और ए. भवसर "ए कम्पैरेटिव स्टडी ऑफ इटीरेटिव सोलवरज फोर इमेज डीनॉयजिंग" इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस फ्रंटियरज ऑफ

इंटरैक्टिव कम्प्यूटिंग: सिद्धान्त एवं अनुप्रयोग (एफआईसीटीए 2014), 2014

9. एस. मंडल, ए. भवसर और ए.के. साओ। "हार्डरार्ककल एगजाम्पल बेसड रेंज इमेज सुपररीजोल्युशन विद एज प्रज्वेशन"। बिम्ब संसाधन पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीआईपी 2014), 2014
10. के. गुप्ता, वी. गुप्ता, ए.के. साओ, ए. भवसर और ए.डी. दिलीप। "कलास-स्पेसिफिक हार्डरार्ककल क्लासीफिकेशन ऑफ HE_v-2 सैल इमेजिज: द केस ऑफ टू क्लासिस" अदृश्य इम्युनोफ्लोरोसेंस इमेजिज हेतु पैटर्न अभिज्ञान प्रौद्योगिकियों पर कार्यशाला (आईसीपीआर 2014), 2014
11. शर्मा एम. और दत्त वी. 2014, "मॉडलिंग च्वाइसिस एट द इंडिविजुअल लेवल इन डिसिजनज फरॉम इनफॉरमेशन सर्च"। कॉगनिटिव विज्ञान पर प्रथम वार्षिक सम्मेलन में (एसीसीएस 2014) नई दिल्ली, भारत में प्रस्तुत किया गया।
12. शर्मा एम. और दत्त वी. 2014, "मॉडलिंग च्वाइसिस एट द इंडिविजुअल लेवल इन डिसिजनज फरॉम एक्सपीरियंस" को नवीन अभियांत्रिकी में इंटरडिसिप्लिनरी एमरजिंग एण्ड कनवर्जिंग रिसर्च और एकेडेमिया कोलोबोरेटिव पर कार्यशाला (आईसीआरएआईटीएस), भा.प्रौ.सं. मण्डी भारत में प्रस्तुत किया गया।
13. कुमार एम. और दत्त, वी (2014)। अंडरस्टैंडिंग कोऑपरेशन अगेंसट क्लार्इमेट थ्रो पब्लिक गेम को नवीन अभियांत्रिकी में इंटरडिसिप्लिनरी एमरजिंग एण्ड कनवर्जिंग रिसर्च और एकेडेमिया कोलोबोरेटिव पर कार्यशाला (आईसीआरएआईटीएस), भा.प्रौ.सं. मण्डी, भारत में प्रस्तुत किया गया।
14. चतुर्वेदी, पी. और दत्त, वी. (2014)। भूखलन जोखिम का मूल्यांकन और धारणा पर पोस्टर को नवीन अभियांत्रिकी, प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान क्षेत्रों (आईसीआरएआईटीएस) में इंटरडिसिप्लिनरी एमरजिंग एण्ड कनवर्जिंग रिसर्च और एकेडेमिया कोलोबोरेटिव पर कार्यशाला, भा.प्रौ.सं. मण्डी भारत में प्रस्तुत किया गया।
15. चौहान, आर, रंगनाथन, के. और दत्त, वी. (2014)। "एक निवेश उपकरण: एप्लीकेशन ऑफ डीसिजन फरॉम डीसकरीप्शन एण्ड एक्सपीरियंस टु पोर्टफोलियो एलोकेशनज" पर विज्ञापन को नवीन अभियांत्रिकी, प्रौद्योगिकी और विज्ञान क्षेत्र (आईसीआरएआईटीएस) इंटरडिसिप्लिनरी एमरजिंग एण्ड कनवर्जिंग रिसर्च एण्ड एकेडेमिया कोलोबोरेटिव पर कार्यशाला, भा.प्रौ.सं. मण्डी भारत में प्रस्तुत किया गया।
16. वी. सिंह; वी.एस.वी. सत्यनारायण; एस.के. शर्मा; एस. घोष; के.ई.गोन्सेल्वज। नोवल नॉन कैमिकली एम्पलीफाइड (एन-कारज) नेगेटिव रीसिस्टज फोर ईयूवएल। पीआरओसी. एसपीआईई 9051, एडवांसिस इन पैट्रनिंग मेटेरियल्ज एण्ड प्रोसेजिज XXXI905106 (मार्च 27, 2014); डीओआई: 10.1117 / 12.2041183
17. वी.एस.वी. सत्यनारायण; वी सिंह; एस घोष; एस.के. शर्मा; के.ई. गोन्सेल्वज। ईयूवएल के लिए डिजाईन और नयी प्रतिरोध सामग्रियों का विश्लेषण पीआरओसी. एसपीआईई 90481 डब्ल्यू (अप्रैल 17, 2014); डीओआई: 10.1117 / 12.2045736।
18. वी. सिंह; वी.एस.वी. सत्यनारायण; एफ. केसलर; एफ.आर. शेफर; डी.ई. वीबल; एस.के. शर्मा; एस. घोष, के.ई. गोन्सेल्वज। ऑप्टिमाईजेशन ऑफ प्रोसेसिंग पैरामीटरज एण्ड मीट्रोलाजी फॉर नोवल एनसीए नेगेटिव रीसिस्टज फॉर एनजीएल. पीआरओसी. एसपीआईई 9048, अत्यधिक अल्ट्रावायलट (ईयूवी) शिलामुद्रण वी, 90481 वाई (अप्रैल 17, 2014); 10.117 / 2045882।
19. एस. मण्डल, ए. भवसर और ए.के. साओ। "सुपर रीसोलविंग सिंगल इनटेनसिटी/रेंज इमेज वायो नॉन लोकल मीनज एण्ड स्पार्स रीपरीजेंटेशन" संगणक दृश्य, आरेख और बिम्ब संसाधन पर भारतीय सम्मेलन, (आईसीवीजीआईपी 2014), 2014।
20. एस. शेटी, ए. भवसर और ए.के. साओ। "एन्हांसिंग शेप फरॉम फोकस-मेजर-फ्युजन एण्ड स्पार्स रीपरीजेंटेशन"। संगणक दृश्य, आरेख और बिम्ब संसाधन पर भारतीय सम्मेलन, (आईसीवीजीआईपी 2014), 2014।
21. एम. यादव, आर. गर्ग, ए. भवसर। "बैटर गाइडिंग द गाइडिड रेंज इमेज फिल्टर फॉर रेंज-इमेज सुपर रीजोल्युशन" संगणक दृश्य, आरेख और बिम्ब संसाधन पर भारतीय सम्मेलन, (आईसीवीजीआईपी 2014), 2014।
22. आदित्य निगम और फाल्गुणी गुप्ता, "कान का उपयोग करते हुये निजी प्रमाणीकरण प्रणाली" संगणक दृश्य पर 12वां एशियन सम्मेलन एचआईएस। सिंगापुर, 1 नवम्बर- 5 नवम्बर, 2014।
23. राहुल अजमेरा, आदित्य निगम और फाल्गुणी गुप्ता, "3डी फेस रिकॉग्निशन यूजिंग काइनेक्ट" दृश्य, आरेख और बिम्ब संसाधन" (आईसीवीजीआईपी 2014) पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, भारतीय विज्ञान संस्थान बंगलौर, भारत, 14 दिसम्बर-17 दिसम्बर 2014।
24. अंकित टण्डन, आदित्य निगम और फाल्गुणी गुप्ता, "एन एफिसिंट एज-इनवेरीयंट फेस रिकॉग्निशन" सॉफ्टवेयर कुशल प्रौद्योगिकियां अनुप्रयोग, (एसआईटी 2014), हसिंचु, तैवान, 4 दिसम्बर-6 दिसम्बर 2014।
25. योगेश कुमार, आदित्य निगम, कमलेश तिवारी, फाल्गुणी गुप्ता, "एन ऑटोमेटिड मल्टीमॉडल बायोमेट्रिक सिस्टम एण्ड फयुजन" जैवमिति में संगणनात्मक बुद्धिमत्ता और प्रहचान प्रबन्धन पर आईईईई संगोष्ठी (सीआईबीआईएम-2014), फ्लोरिडा, यूएसए, दिसम्बर 9-12, 2014।

26. एटोमिक मैग्नेटिक प्रापर्टीज ऑफ Pt-Lean FePT और CoPt डेरिवेटिवज आर. चौधरी, पी. कुमार, पी. मनचन्दा, वाई. लियु, ए. कश्यप डी.जे. सैलमायर, आर. सकोमस्की आरईपीएम 14 । प्रोसीडिंगज धरती के दुर्लभ स्थायी चुम्बक और उनके अनुप्रयोग पर 23वीं अन्तर्राष्ट्रीय कार्यशाला में कार्यवाहियां, 289, 2014 ।
27. टी. अग्रवाल, एस. अग्निहोत्री, एन.वी. अभिषेक । एनालॉग नेटवर्क कोडिंग इन नॉनलाइनिअर चैनज । बेतार संचार और नेटवर्किंग सम्मेलन 2015, न्यु ऑरलेनज, एल.ए., मार्च 2015 में प्रकाशन हेतु स्वीकृत ।
28. टी. अग्रवाल, एस. अग्निहोत्री, एन.वी. अभिषेक । लो-कम्प्लैक्सीटि सकीमज टु करैक्टराईज द केपेसीटि ऑफ जनरल वायरलेस रिले नेटवर्कस । सीओएमएसएनईटीएस 2015 (पोस्टर पत्र), बंगलौर, भारत, जनवरी, 2015 ।

संगणक एवं विद्युत अभियांत्रिकी स्कूल, भा.प्रौ.सं. मण्डी द्वारा आयोजित कार्यशालाएं और सम्मेलन

1. स्मार्ट माइक्रो-ग्रिडज फॉर ऑटोनोमस जीरो-नेट एनर्जी बिल्डिंगज, दिसम्बर 14-15, 2014 (समन्वयक: डॉ. भरत सिंह राजपुरोहित, सहयोगी समन्वयक: प्रो. एस. एन. सिंह, भा.प्रौ.सं. कानपुर)।



प्रो. फ्रानसिस्को गोन्जालेज लौंगेट्ट, लफ बोरो विश्वविद्यालय, यू.के. में व्याख्यान देते हुये

आमन्त्रित प्राध्यापक/अनुवर्ती शिक्षा कार्यक्रम:

1. धीरूभाई अम्बानी सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी संस्थान (डीए-आईआईसीटी), गान्धीनगर से डॉ. आदित्य टटु ने व्याख्यान दिया।
2. डॉ. अर्नव भवसर को आईसीएआरसीवी 2014, सिंगापुर (दिसम्बर 2014) में सत्र के आचार्य पद के रूप आमन्त्रित किया गया था।

भा.प्रौ.सं. मण्डी के संगणक एवं विद्युत अभियांत्रिकी स्कूल द्वारा विकसित उत्पाद और प्रौद्योगिकियां

1. वरुण दत्त द्वारा कॉग्निटिव न्यूरो विज्ञान प्रयोगशाला में विकसित उत्पाद/प्रौद्योगिकी

अप्लाइड कॉग्निटिव न्यूरो विज्ञान प्रयोगशाला की योजना का भाग होने के कारण निम्नलिखित उत्पाद/प्रौद्योगिकियां निर्मित की गईं :

1. **गतिज जलवायु परिवर्तन अनुकारक:** यह भूमंडलीय कार्बन डायोक्साइड सघनता और तापमान परिवर्तनों को समझने के लिए है। यह उपकरण जलवायु परिवर्तन के बारे में जनमानस के बोध को सुधारने में मदद करता है।
2. **गतिज साईबर-सुरक्षा खेल:** यह साईबर सुरक्षा क्षेत्र में आक्रांता पर अभिप्रेरणणात्मक कारकों का प्रभाव और प्रतिरक्षक सम्बन्धों का बोध होने के लिए है।
3. **यथार्थवादी साईबर-सुरक्षा अनुकारक:** यह साईबर सुरक्षा क्षेत्र में आक्रमण और प्रतिरक्षक संसाधनों की प्रक्रिया को यथार्थता से समझने के लिए है। अनुकारक यह समझने में मदद करता है कि साईबर दुनिया में आक्रांता संगणक पर कैसे आक्रमण कर सकता है और सूचना प्रौद्योगिकी में प्रतिरक्षक कैसे रक्षा कर सकता है?
4. **रक्षा अनुप्रयोगों हेतु अप्रत्यक्ष-आभासी प्रदर्शन:** रक्षा अनुप्रयोगों जैसे कि चालकता, मानव रहित जमीन पर चलने वाले वाहन (यूजीवीज) हेतु अप्रत्यक्ष-आभास प्रदर्शन का उपयोग किया जाता है। यह आईवीडी आधारित प्रौद्योगिकियों हेतु रेलगाड़ी में व्यक्तियों की सहायता करता है।
5. **त्वरण और चार पहियों वाले वाहन के संचालन हेतु अलॉगरिथमज:** त्वरण और चार पहियों वाले वाहनों के संचालन हेतु संगणक अलॉगरिथमज का निर्माण किया गया है। ये अलॉगरिथमज मानव जैसी वाहन चालकता योग्य बनाती है और विभिन्न पर्यावरणीय स्थितियों में मानव चालकता सम्बन्ध का अध्ययन करने में सहायता करती हैं।
6. **संकेत आधारित सामाजिक नेटवर्किंग अनुप्रयोग:** ऐसा अनुप्रयोग जो मोबाईल आधारित सामाजिक नेटवर्किंग पर पसन्द और टिप्पणियों को भेजने के योग्य बनाने में मानवीय संकेतों जैसे पलक झपकने और मुस्कराने का प्रयोग करता है। संकेत आधारित अनुप्रयोग आरेखिक-उपभोक्ता इंटरफेस में मुद्रण की आवश्यकता और अधिक त्रुटियों को कम करने में मदद करता है।

विशेष उपलब्धि

पेशेवर उपलब्धियां, सम्मान एवं पुरस्कार:

सम्मान: डॉ. वरुण दत्त के अनुसन्धान दल ने जोखिम और अस्पष्टता में निर्णय हेतु एक वैकल्पिक पूर्व अनुमान प्रतियोगिता में 6वाँ/7वाँ स्थान प्राप्त

किया है।

सम्मान:

1. डॉ. वरुण दत्त को आईईईई/पीईएस पिटसबर्ग, यूएसए (2014) में "डीसिशन फॉर्म एक्सपीरीयंस रीडयूस मिसकनसैप्शनज ऑन क्लाइमेट चेंज" पर वार्ता हेतु आमन्त्रित किया गया था।

शैक्षिक संस्थानों की यात्रा और दिये गये व्याख्यान:

1. डॉ. सत्यजीत ठाकुर माह 2014 में भा.प्रौ.सं. मद्रास गये।

लोक सम्पर्क कार्यक्रम:

1. डॉ. अनिल कुमार सारु ने पीईसी, चण्डीगढ़, में औद्योगिक संस्थान परस्पर विचार-विमर्श सप्ताह के दौरान दिनांक 30.10.2014 को पूर्व स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों के साथ परस्पर विचार-विमर्श कार्यक्रम में "कम्पैरेण्ड सेंसिंग और बिम्ब/भाषण संसाधन हेतु इसके प्रयोग" पर वार्ता की।
2. राष्ट्रीय सेवा व्यवस्था (एनएसएस) और एससीईई भा.प्रौ.सं. मण्डी ने सरकारी उच्च वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला के छात्रों के लिए दिनांक 18 अक्टूबर, 2014 को अक्षय ऊर्जा स्रोतों से ऊर्जा की बचत और नवीकरण पर एक प्रयोगशाला यात्रा आयोजित की।

नवीन अनुसन्धान सुविधाएं/स्थापित उपकरण/विकसित प्रयोगशाला

1. भा.प्रौ.सं. मण्डी की अप्लाइड कोगनिटिव विज्ञान प्रयोगशाला (एसीएस) के लिए उपकरण

संसाधन: मानव: पोस्ट डॉक्टरेट सहयोगी, स्नातक और पूर्व स्नातक छात्र तथा प्रशिक्षु छात्र। बुनियादी सुविधाएं: वातानुकूलित (गर्म और ठण्डा) पर्यावरण अत्याधुनिक 7 एआईओ डेस्कटॉपस, 1 कार्यस्थल, चलने वाला नमूना, ऑक्सीमीटर, इमोटिव आर14-चैनल ईईजी हैडसेटस, टोबीआर आईट्रैकर और अन्य उपकरण।

हस्ताक्षरित सहमति ज्ञापन:

पी.जी.आई. चण्डीगढ़, फिलिप्स स्वास्थ्य केन्द्र, अइन्द्रा सिस्टम्ज, आईटीयू डेनमार्क

उद्योग/क्षेत्र यात्रा:

डॉ. भरत सिंह राजपुरोहित ने विद्युत अभियांत्रिकी छात्रों के लिए निम्नलिखित क्षेत्रीय यात्राएं आयोजित की-

1. दिल्ली में राष्ट्रीय भार प्रेषण केन्द्र
2. महिन्द्रगढ़ हरियाणा में 500 किलो वाट एचवीडीसी टर्मिनल और परिवर्तक स्टेशन।
3. एनआईटी हमीरपुर में दिनांक 8 नवम्बर, 2014 को उच्च वॉल्टेज प्रयोगशाला।

महत्वपूर्ण चित्र/एलबमज:



क्षेत्रीय यात्रा के दौरान विद्युतीय अभियांत्रिकी छात्र



प्रयोगशाला यात्रा के दौरान निदेशक के साथ स्कूली छात्र दल

अभियांत्रिकी स्कूल

अभियांत्रिकी स्कूल संस्थान की दूरदर्शिता की ओर प्रगति कर रहा है। स्कूल उत्कृष्ट अध्यापन, अभिनव पाठ्यक्रमों और अनुसन्धान वातावरण के माध्यम से उच्च स्तरीय अभियांत्रिकी शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह स्कूल बी.टैक. के लिए कई सामान्य विषयों जैसे डिजाईन प्रैक्टिकम, विपरीत अभियांत्रिकी, डिजाईन के लिए आरेखीय, सामग्री विज्ञान, वास्तविक उत्पाद प्रौद्योगिकी, मजबूत ढांचों की यांत्रिकी, निर्माण प्रक्रियाओं और ऊष्मा गतिकी अभियांत्रिकी के साथ यांत्रिकी विषय के मूल पाठ्यक्रमों को प्रदान करता है।

वर्तमान में अभियांत्रिकी स्कूल में 17 संकाय सदस्य हैं, जिनमें 15 सहायक प्राध्यापक, 1 विख्यात अभ्यागत प्राध्यापक और 1 अभ्यागत परामर्शदाता प्राध्यापक है। इस वर्ष अभियांत्रिकी स्कूल में 5 नये संकाय सदस्य नियुक्त हुए हैं। आजकल 18 पी.एच.डी. और 14 एम.एस. छात्र हैं। इस वर्ष ऊर्जा सामग्री में एम.टैक. आरम्भ की गई है। अनुसन्धान के मुख्य क्षेत्रों में विस्तृत रूप से वर्गीकृत विषयों में सामग्री और डिजाईन, तापीय-द्रव अभियांत्रिकी, ऊर्जा कार्य सक्षम भवन और अनारक्त संकेत हैं। सामग्री और योजना के क्षेत्र में संवेदक, उत्प्रेरक एवं ऊर्जा उत्सर्जन उपयोगों और तीव्र संरचनाओं और प्रणालियों हेतु सामग्री के विकास के लिए उन्मुख हैं। तापीय-द्रव अभियांत्रिकी में संकाय सदस्य विकिरण ऊष्मा स्थानान्तरण, सूक्ष्म-मापीय ऊष्मा स्थानान्तरण, प्रवाह विश्लेषण और आईसी इंजन के ऊष्मा स्थानान्तरण विश्लेषण में निवेश कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त हमारे स्कूल में तरल धातु/मिश्रणों का भी पता लगाया जा रहा है। भा.प्रौ.सं. मण्डी में ऊर्जा सक्षमता को बढ़ाने के लिए जलवायु परिवर्तन, ऊर्जा सक्षम भवनों हेतु प्रावस्था परिवर्तन सामग्री अनुप्रयोग और अपरम्परागत ऊर्जा स्रोतों के प्रयोग के अध्ययन को ऊर्जा सक्षम प्रणालियां समाहित करती हैं। स्कूल ने ठोस यांत्रिकी और सामग्री प्रयोगशालाओं में अनेक उपकरण सफलतापूर्वक स्थापित किए हैं।

संकाय

डॉ. राहुल वैश

अध्यक्ष सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: कांच और कांच-मिट्टी के बर्तन

वर्ष 2010 में भारतीय विज्ञान

संस्थान बंगलौर से पी.एच.डी.

गृह नगर: बदौन, उत्तर प्रदेश

दूरभाष: 01905-237921

ई-मेल: rahul

डॉ. अतुल धर

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: आई.सी. इंजन,

विकल्पी ईंधन, उत्सर्जन नियंत्रण

वर्ष 2010 में भा.प्रौ.सं. कानपुर से पी.एच.डी.

गृह नगर: सुल्तानपुर, उत्तर प्रदेश

दूरभाष: 01905-237993

ई-मेल: atul

डॉ. अर्पण गुप्ता

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: एकोस्टिक, कम्पन, जैव यांत्रिकी

संगणनात्मक विधियां-एफईएम,

सीएफडी, लेटिस बोल्टजमन विधि

वर्ष 2012 में राष्ट्रीय विश्वविद्यालय सिंगापुर

से पी.एच.डी.

गृह नगर: इन्दौर, म.प्र.

दूरभाष: 01905-237932

ई-मेल: agupta

डॉ. दीपक स्वामी

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: भूमिगत जल प्रवाह और

परिवहन मॉडलिंग, जल संसाधनों का

विकास और प्रबन्ध, डिसएसटर शमन

विशेषकर बाढ़ और आकस्मिक बाढ़

वर्ष 2014 में भा.प्रौ.सं. रुड़की से पी.एच.डी.

दूरभाष: 01905-237918

ई-मेल: deepak

डॉ. डीरिक्स प्रेज शुक्ला

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: नियन्त्रक संवेदना एवं
जीआईएस, हाईड्रो-जीओ-कैमेस्ट्री, वाटर
कन्टेमिनेशन मोस्टली एज एण्ड अदर हैवी
मैटलज, नेचुरल हैजार्डज असेसमेंट एण्ड मैपिंग
वर्ष 2012 में दिल्ली विश्वविद्यालय से पी.एच.डी.
दूरभाष: 01905-237923
ई-मेल: derricks

डॉ. मोहम्मद टल्हा

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: ठोस यांत्रिकी, मिश्रित संरचनाएं
कार्यात्मक क्रमिक सामग्रियां, संरचनात्मक
यांत्रिकी और मिश्रणों में अनिश्चितता
मात्रा की स्थिरता और दोष संवेदनशीलता
वर्ष 2012 में भा.प्रौ.सं. खड़गपुर से पी.एच.डी.
गृह नगर: पटना, बिहार
दूरभाष: 01905-237929
ई-मेल: talha

डॉ. पी. अनिल किशन

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: परिकल्पनात्मक द्रव गतिकी
वर्ष 2009 में भा.प्रौ.सं. खड़गपुर से पी.एच.डी.
गृह नगर: तिरुपति, आन्ध्र प्रदेश
दूरभाष: 01905-237922
ई-मेल: kishan

डॉ. राजेश घोष

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: ठोस यांत्रिकी, जैव यांत्रिकी,
परिमित तत्व विश्लेषण
वर्ष 2013 में भा.प्रौ.सं. खड़गपुर से पी.एच.डी.
दूरभाष: 01905-237930
ई-मेल: rajesh

डॉ. सतीश चन्द्र जैन

अभ्यागत प्राध्यापक
विशेषज्ञता: यांत्रिकी अभियांत्रिकी
यंत्र प्रारूप, ट्रिबोलॉजी, तरंग और रव
संगणक युक्त प्रारूप
वर्ष 1983 में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान
रुड़की से पी.एच.डी. (भूतपूर्व विश्वविद्यालय रुड़की)
गृह नगर: पतपारगंज नई दिल्ली
दूरभाष: 01905-237976
ई-मेल: satish

डॉ. जसप्रीत कौर रन्धावा

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: सूक्ष्म सामग्री
वर्ष 2000 में गोरखपुर विश्वविद्यालय से
पी.एच.डी.
गृह नगर: मोहाली, चण्डीगढ़
ई-मेल: jaspreet

डॉ. ओम प्रकाश सिंह

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: ताप और द्रव्यमान अन्तरण
दोहरा विसरणशील संवहन, आईसी इंजन
वर्ष 2006 में भारतीय विज्ञान संस्थान
बंगलौर से पी.एच.डी.
गृह नगर: अरह बिहार
दूरभाष: 01905-237992
ई-मेल: om

डॉ. प्रसून जन

शिक्षण सहयोगी
विशेषज्ञता: ठोस यांत्रिकी तरंग अवमंदन
परिमित अव्यव विधि विश्लेषण,
आधार व्याकुंचन
वर्ष 2013 में भा.प्रौ.सं. खड़गपुर से
पी.एच.डी. (प्रस्तुत शोध)
गृह नगर: दन्तान (ज़िला पश्चिमी मिदनापुर),
पश्चिमी बंगाल
दूरभाष: +91-9805432812
ई-मेल: pjana

डॉ. राजीव कुमार

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: ठोस यांत्रिकी, तरंग,
एफईएम, प्रकाशीय
वर्ष 2008 में भा.प्रौ.सं. रुड़की से पी.एच.डी.
गृह नगर: जसपुर, उत्तराखण्ड
दूरभाष: 01905-237920
ई-मेल: rajeev

डॉ. सुब्रता घोष

विख्यात अभ्यागत प्राध्यापक
विशेषज्ञता: भौतिकी चुम्बकत्व, मिश्रण
और ट्रिबोलॉजी
वर्ष 1976 में भा.प्रौ.सं. कानपुर
से पी.एच.डी.
दूरभाष: +91-1332-285606
ई-मेल: sray

डॉ. सुधीर कुमार पाण्डे

सहायक अभ्यागत प्राध्यापक
विशेषज्ञता: सघनित पदार्थ भौतिकी
और सामग्री विज्ञान
वर्ष 2007 में यूजीसी-डीएई, वैज्ञानिक
अनुसन्धान के लिए संघ, इन्दौर से पी.एच.डी.
गृह नगर: गढ़वा, झारखण्ड
दूरभाष: 01905-237992
ई-मेल: sudhir

डॉ. विश्वनाथ बालाकृष्णन

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: कार्यात्मक सामग्रियों / पतली
झिल्लियों, इलैक्ट्रॉन सूक्ष्मदर्शिका और
संरचना-गुण सम्बन्धों की यथास्थान खोज
वर्ष 2008 में भारतीय विज्ञान संस्थान
बंगलौर से सामग्री विज्ञान में पी.एच.डी.
गृह नगर: चिदम्बरम, तमिलनाडु
दूरभाष: 01905-237929
ई-मेल: viswa

डॉ. विशाल सिंह चौहान

सहयोगी डीन (संकाय)
सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: धातुओं और मिश्रणों
के विरूपण के दौरान विद्युत चुम्बकीय विकिरण,
ठोस यांत्रिकी, एफ.ई.एम.
वर्ष 2009 में बी.आई.टी. मिसरा, रांची से पी.एच.डी.
गृह नगर: सनवाद, एम.पी.
दूरभाष: 01905-237920
ई-मेल: vsc

परामर्शदाता प्राध्यापक

प्रो. बी.के. मिश्रा

भा.प्रौ.सं. रुड़की के यांत्रिकी
और अभियांत्रिकी
विभाग के प्राध्यापक
विशेषज्ञता: वर्ष 1989 में आई.टी.-बी.एच.यू. से
मिश्रित सामग्री, फ्रैक्चर यांत्रिकी,
लहर संचरण में पी.एच.डी.
दूरभाष: +91-1332-285679
ई-मेल: bkmishra

डॉ. सुनील आर. काले

भा.प्रौ.सं. दिल्ली में यांत्रिकी
अभियांत्रिकी विभाग के प्राध्यापक
विशेषज्ञता: ताप स्थानान्तरण,
प्रवाह यांत्रिकी, कण युक्त प्रवाह,
ज्वलन और शक्ति परिवर्तन
गृह नगर: पुना, महाराष्ट्र
दूरभाष: +91-11-2659 1127,1709
ई-मेल: srk

बाह्य प्रायोजित अनुसन्धान परियोजनाएं

क्रमांक	योजना	प्रायोजित संस्थान	अन्वेषक	परियोजना लागत	परियोजना की अवधि
1	दाब स्तरित मिश्रित संरचना का अरैखिक विश्लेषण स्वीकृति की दिनांक: 20.05.2013 समापन की दिनांक: 30.12.2015	डी.एस.टी.	डॉ. राजीव कुमार	3.60 लाख	2.7 वर्ष
2	विद्युत जालक की बाधाओं के कारण टीजी कूपक का विश्लेषण स्वीकृति की दिनांक: 16.10.2015 समापन की दिनांक: 05.05.2017	बी.एच.ई.एल. हरिद्वार	डॉ. राजीव कुमार और डॉ. भरत सिंह राजपुरोहित	20 लाख	1.7 वर्ष
3	गति नियंत्रण के लिए यंत्र आधारित उच्च निष्पादन तुल्यकालिक मशीन का प्रारूप और विकास स्वीकृति की दिनांक: 10.02.2015 समापन की दिनांक: 09.02.2018	एन.ए.वी.ए.एल. अनुसन्धान बोर्ड	डॉ. भरत सिंह राजपुरोहित और डॉ. राजीव कुमार	25 लाख	3 वर्ष
4	विद्युत ऊर्जा भण्डारण उपकरणों के लिए कांच और कांच-मृत्तिका शिल्प स्वीकृति की दिनांक: 01.04.2012 समापन की दिनांक: 31.03.2017	डी.एस.टी.	डॉ. राहुल वैश	35 लाख	5 वर्ष
5	कम तापीय परिस्थितियों में धातुओं और मिश्र धातुओं की विरूपण के समय विद्युत चुम्बकीय विकिरण अनुक्रिया स्वीकृति की दिनांक: 22.05.2013 समापन की दिनांक: 21.05.2016	डी.एस.टी.	डॉ. विशाल सिंह चौहान	18.4 लाख	3 वर्ष
6	सूक्ष्म संरचनात्मक धातु ऑक्साईड: जैव संवेदन हेतु अनुप्रयोग स्वीकृति की दिनांक: 01.01.2015 (द्वितीय वर्ष) समापन की दिनांक: 11.12.2015	आई.सी.एम.आर. दिल्ली	डॉ. जसप्रीत	27 लाख	1 वर्ष
7	ऊर्जावान यौगिकों के सूक्ष्म क्रिस्टलीकरण हेतु नवीन मार्ग स्वीकृति की दिनांक: 13.02.2013 समापन की दिनांक: 12.02.2016	ए.आर.एम.ईआरईबी, डीआरडीओ	डॉ. जसप्रीत	68 लाख	3 वर्ष
8	राणा प्रताप सागर झील, राजस्थान में प्रदूषित अवसाद की सीसीएफडी प्रणाली स्वीकृति की दिनांक: 05.07.2014 समापन की दिनांक: 31.08.2017	डी.ए.ई	डॉ. ओ.पी. सिंह, डॉ. राजेन्द्र रे	22 लाख	3 वर्ष
9	भारत के केन्द्र ऊर्जाचल (सिंगरौली) से आर्सेनिक और भारी धातु का जल, कोयले में मानचित्रण और फलाई ऐश नमूने स्वीकृति की दिनांक: 11.03.2015 समापन की दिनांक: 20.06.2017	डी.एस.टी.	डॉ. डीरिक्स प्रेज शुक्ला	22.08 लाख	2.3 वर्ष
10	लौह-चुम्बकीय मृत्तिका शिल्प और उनके सम्मिश्रों में प्रकाश उत्प्रेरक गतिविधि का अन्वेषण स्वीकृति की दिनांक: 17.10.2014 समापन की दिनांक: 16.10.2017	आई.एन.एस.ए.	डॉ. राहुल वैश	15 लाख	3 वर्ष

मूल अनुदान परियोजनाएं

क्रमांक	योजना का नाम	नस्ति संख्या	अन्वेषक	स्वीकृत धन	परियोजना की अवधि
1	विद्युतीय और संवेदक अनुप्रयोगों हेतु संरक्षित सीएनटीज की नियंत्रित वृद्धि स्वीकृति की दिनांक: 22.08.14 समापन की दिनांक: 21.08.17	आईआईटीएम/एसजी/वीबीके/33	डॉ. विश्वनाथ बालाकृष्णन	6,20,000	3 वर्ष

प्रायोजित अनुसन्धान परामर्शी सेवाएं

क्रमांक	योजना का नाम	प्रायोजित संस्था	अन्वेषक	परियोजना लागत	परियोजना की अवधि
1	प्रारूप और नव प्रवर्तन प्रयोगशाला स्वीकृति की दिनांक: 17.07.2014 समापन की दिनांक: 16.07.2017	मा.सं.वि.मं.	डॉ. ओ.पी. सिंह	1.3 करोड	3 वर्ष

अनुसन्धान परियोजनाओं की प्रगति

प्रधान अन्वेषक: डॉ. राजीव कुमार

विद्युतीय जालक की बाधाओं के कारण टी-जी कूपक का विश्लेषण

इस परियोजना का उद्देश्य 2 लघु ध्रुव पथ, 3 लघु ध्रुव पथ और डाक तुल्यकालिक के लिए टर्बाईन जनित्र कूपक प्रणाली के यांत्रिकी प्रभाव पर विद्युत जालक भारण के प्रभाव का अध्ययन करना है। इस परियोजना को अभी हाल ही में बी.एच.ई.एल. हार्डवेयर ने प्रस्तावित किया है।

गति नियंत्रण के लिए यंत्र आधारित उच्च निष्पादन तुल्यकालिक मशीन (पीएमएसएम) का प्रारूप और विकास

इस परियोजना में परिमित अव्यव विधि का प्रयोग करते हुये गति नियंत्रण के लिए पी.एम.एस.एम. आधारित कृत्रिम यंत्र को बनाया जाएगा। योजना की प्रथम प्रावस्था (ज्ञान समीक्षा) पूरी हो गई है।

प्रधान अन्वेषक: डॉ. जसप्रीत कौर

सूक्ष्म संरचनात्मक धातु ऑक्साईड: जैव संवेदन हेतु अनुप्रयोग

हमने CuO की कई सूक्ष्म संरचनाओं और द्विधातुक प्रणालियों को विश्लेषित कर उनको अच्छी तरह से चित्रित किया। विद्युत रासायनिक जैव संवेदना के अध्ययन से पता चला कि CuO की सूक्ष्म संरचना कैंडी जैसी है जिसका अत्युत्तम निष्पादन है जैसे कि उच्च संवेदनशीलता, चयनता और पता लगाने की सीमा तथा सामग्री का उपयोग करते हुये विकृतिजन्य प्रयोगशाला के आंकड़े की तरह सामग्री व्यापकता के साथ मानवीय रक्त, सीरम के नमूने और शर्करा को अत्युत्तम दर्शाया। इस सामग्री को मिलाकर एक उचित संवेदनशील उपकरण को विकसित करने हेतु अध्ययन प्रगति पर है।

ऊर्जावान यौगिकों के सूक्ष्म क्रिस्टलीकरण हेतु नवीन मार्ग

कार्बनिक यौगिकों के सूक्ष्म कणों और प्रत्यक्ष भरावन के लिए नवीन वाष्पीकरण विलायन और रोधी विलायन अन्योन्य क्रिया विधि का विकास किया गया है। इस विधि का प्रयोग करते हुये सम्पन्न विश्लेषण भी सम्भव है। उच्च ऊर्जावान सामग्री के सूक्ष्म क्रिस्टलीकरण हेतु माइक्रोफ्ल्युडिक का प्रयोग करते हुये एक और नई विधि अल्प विकसित है।

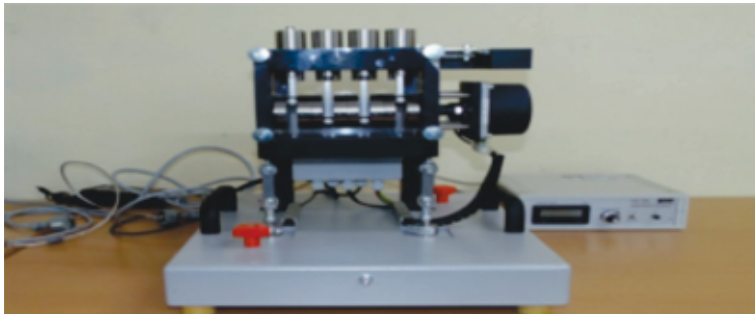
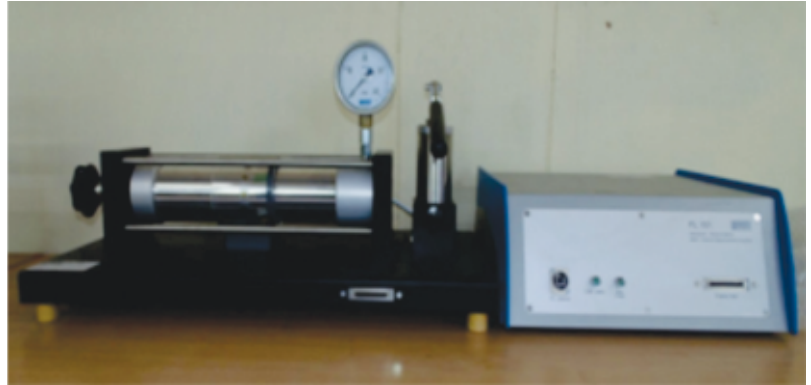
प्रारूप प्रयोगशाला में स्थापित कुछ महत्त्वपूर्ण उपकरण:

आईसीएमआर परियोजना का विद्युत रासायनिक निर्माण स्थल



भ्रामी कूपक उपकरण

पतले बेलन दाब पात्र पर प्रतिबल और विकृति विश्लेषण



प्रत्यागमनी ईंजन द्रव्यमान

जर्नल दिक्कोण उपकरण



1. एस. पटेल, ए. चौहान और आर. वैश, "लौह विद्युत मृत्तिका शिल्प में प्रत्यास्थ कैलोरिक प्रभाव" अनुप्रयुक्त भौतिकी पत्र, 106, 172901 (2015)।
2. ए. शर्मा, आर. कुमार, राहुल वैश और विशाल एस. चौहान "एक्टिव वाईब्रेशन कंट्रोल ऑफ स्पेस एन्टेना रीफ्लेक्टर ओवर वाईड टेम्परेचर रेंज" कम्पोजिट स्ट्रक्चरज 128, 291 (2015)
3. एम. शर्मा, ए. चौहान, आर. वैश, और वी.एस. चौहान, "फिनाईट एलिमेंट अनैलिसिस ऑन सोलर एनर्जी हारवेस्टिंग यूजिंग फेरोइलेक्ट्रिक पोलिमर" सोलर एनर्जी, 115, 722 (2015)
4. एस. पटेल, ए. चौहान और राहुल वैश, मकैनिकल कन्फाईन्मन्ट फॉर टयुनिंग फेरोइलेक्ट्रिक रीस्पान्स इन पीएमटी-पीटी सिंगल क्रिस्टल, जे. अनुप्रयुक्त भौतिकी 117, 084102 (2015)
5. ए. चौहान, एस. पटेल और राहुल वैश, "मल्टीकैलोरिक इफैक्ट इन $Pb(Mn_{1/3}Nb_{2/3})O_3-32PbTiO_3$ सिंगल क्रिस्टलज," एक्टा मटेरिल 89, 384-395 (2015)
6. ए. कुमार, ए. शर्मा, राजीव कुमार, राहुल वैश, विशाल एस. चौहान और सी.आर. बॉवन "पाइजोइलेक्ट्रिक मटीरियलज सिलैक्शन फॉर सेंसर एप्लीकेशनज यूजिंग फिनाईट एलिमेंट एण्ड मल्टीपल एट्रिब्युट डीसीजन मेकिंग अप्रोचिज" जे. एडीवी ड्राईइलेक्ट्रिक्स, 5,1550003 (2015)।
7. सी.के. सुशील, आर. कुमार, वी.एस. चौहान और राहुल वैश, "शेप कंट्रोल ऑफ स्पेसक्राफ्टएन्टीना रीफ्लेक्टर यूजिंग लीड-फ्री पाइजोइलेक्ट्रिक एक्युटेटरज" यूरोपीयन जर्नल ऑफ कम्प्युटेशनल मकेनिक, 23, 199 (2014)
8. एस. पटेल, ए. चौहान और राहुल वैश, "टेम्परेचर डीपेन्डेंस स्केलिंग बीहेवियर ऑफ द डायनेमिक हिस्टीरीसिस इन बीएनटी-बीटी-एसटी सीरामेक्स" मटीरियलज रीसर्च एक्सप्रेस 2 (3), 03501 (2015)
9. आदित्य चौहान, सत्यनारायण पटेल और राहुल वैश, "एन्हान्सड इलेक्ट्रो कैलोरिक इफैक्ट इन प्री स्ट्रैस्ड फेरोइलेक्ट्रिक मटीरियलज" एनर्जी टेक. 3 (2), 177-186 (2015)
10. सत्यनारायण पटेल, आदित्य चौहान और राहुल वैश, "इम्प्रुवड इलेक्ट्रिकल एनर्जी स्टोरेज डेनसिटी इन वेनाडियम डोपड $BaTiO_3$ बल्कसिरामिक्स बाई एडीशन ऑफ $3 BaO-3TiO_2-B_2O_3$ गलास" एनर्जी टेक. 3 (1), 70-76 (2015)
11. जी. वत्स, एस.एस. कुशवाह, राहुल वैश, नियाज ए. मधर, एम. शहाबुद्दीन, जे.एम. पाराक्वैडी और के.एम. बट्टू, "जाइअन्ट एनर्जी हारवेस्टिंग पोर्टेशियल इन (100)-ओरिअंटेड $0.68 PbMg_{1/3}Nb_{2/3}O_3-0.32PbTiO_3$ विद $Pb(Zr_{0.3}Ti_{0.7})O_3/PbO_x$ बफर लेयर एण्ड (001) ओरिअंटेड $0.76 PbMg_{1/3}Nb_{2/3}O_3-0.33PbTiO_3$ थिन फिल्मज" जे. एडव.डीआईई. 4,1450029 (2014)।
12. एच.एस. कुशवाह, जी परमेश, राहुल वैश और के.बी.आर. वर्मा, " TiO_2 माइक्रोक्रिस्टलाइज्ड गलास प्लेट मीडिएटेड फोटोकैटालाइटिक डीग्रेडेशन ऑफ एस्ट्रोजेनिक पोल्युटेंट इन वाटर" जे. नॉन. क्रिस्टल सोलिडज, 408,13 (2015)
13. मोनिशा रस्तोगी, आदित्य चौहान, राहुल वैश और अनिल किशन, "सलैक्शन एण्ड परफॉर्मैंस असैसमेंट ऑफ फेज चेंज मटीरियलज फॉर हीटींग, वेंटीलेशन एण्ड एयर-कंडीशनींग एप्लीकेशंज", एनर्जी कन्वर्शन और मैनेजमेंट 89, 260 (2015)
14. सत्यनारायण पटेल, आदित्य चौहान और राहुल वैश, "एन्हांसिंग इलेक्ट्रिकल एनर्जी स्टोरेज डेन्सिटी इन एंटी-फेरोइलेक्ट्रिक सीरामिक्स यूजिंग फेराइलास्टिक डुमेन स्वीचींग" मटीरियलज रीसर्च एक्सप्रेस 1 045502 (2014)।
15. गौरव वत्स और राहुल वैश, "फेज चेंज मटीरियलज सलैक्शन फॉर लेटेंट हीट थर्मल एनर्जी स्टोरेज सिस्टमज (एलएचटीईएसएस): ऐन इन्डस्ट्रीअल इंजीनियरिंग इनीशिएटिव टुवर्डज मटीरियलज साईंस" एडव. साईंस फोकस 2 140 (2014)।
16. जयेश गुप्ता, गुरबीर सिंह, ललिन दीवान, राहुल वैश और नीरज सिन्हा, "थर्मल बैरीअर कोटिंग मटीरियलज सलैक्शन यूजिंग अनालाइटिक नेटवर्क प्रोसेस. एडव. साईंस फोकस 2 159 (2014)।
17. आदित्य चौहान, सत्यनारायण पटेल और राहुल वैश, "मकैनिकल कन्फाईन्मन्ट फॉर इम्प्रुवड एनर्जी सटोरेज डेन्सिटी इन बीएनटी-बीटी-केएनएन लीड-फ्री सीरामिक कैपेसिटरज" एआईपी एडवांसिज, 4,087106(2014)।
18. सी.आर. बोविन, जे. टायलर, ई. लीबोलबार, डी. जबेक, ए. चौहान और आर. वैश, पायोइलेक्ट्रिक मटीरियलज एण्ड डीवाईसिज फॉर एनर्जी हारवेस्टिंग एप्लीकेशनज, एनर्जी एण्ड एनवायरनमेंटल साईंस, 7,3836 (2014)।
19. एच.एस. कुशवाह, रेशमा साओ और राहुल वैश, "लेबल फ्री सलैक्टिव डीटैक्शन ऑफ एस्ट्रीओल यूजिंग ग्राफेन ऑक्साइड-बेसड फ्ल्युरोसेंस सेंसर" जे. अप्लाईड फिजीक्स, 116,034701 (2014)।

20. अनुरुद्ध कुमार, अंशुल शर्मा, राजीव कुमार, राहुल वैश और विशाल एस. चौहान, "परफॉर्मैस ऑफ लीड-फ्री पाइजोइलेक्ट्रिक मटीरियल्स इन कैटीलीवर बेसड एनर्जी हारवेसटिंग डीवाइसिज" इन्ट.जे. कम्युटेशनल मैटर. साईंस एण्ड इंजीनियरिंग, 3 1450010 (2014)।
21. सत्यनारायण पटेल, आदित्य चौहान और राहुल वैश "एन्हांसड एनर्जी हारवेसटिंग इन कमेरिकल फेरोइलेक्ट्रिक मटीरियल्स" मटीरियल्स रीसर्च एक्सप्रेस 1 025504 (2014)।
22. सत्यनारायण पटेल और राहुल वैश "फिनाइट एलीमेंट अनालाईसिस ऑफ WC-Al₂O₃ कम्पोजिटज" इन्ट. जे. कम्युटेशनल मैटर, साईंस एण्ड इंजीनियरिंग 3 1450002 (2014)।
23. गौरव वत्स, हिम्मत एस. कुशवाहा और राहुल वैश, "इनौरमस एनर्जी हारवेसटिंग एण्ड स्टोरेज पोटेणशियल इन मल्टीफेरोइक एपीटेक्षियल थीन फिल्म हीटरोस्ट्रक्चरज: एन अनफोरसीन ईरा" मटीरियल्स रीसर्च एक्सप्रेस 1 015503 (2014)।
24. आदित्य चौहान और राहुल वैश, "ए कम्पैरेटिव स्टडी ऑन डीसीजन मेकिंग मैथडज विद इंटरवल डेटा," जे. कम्यु. इंजीनियरिंग (2014), आर्टिकल आईडी 793074।
25. सत्यनारायण पटेल, आदित्य चौहान और राहुल वैश, "ए टेक्नीक फॉर जाइअंट मकैनिकल एनर्जी हारवेसटिंग यूजिंग फेरोइलेक्ट्रिक/एन्टीफेरोइलेक्ट्रिक मटीरियल्स" जे. अप्लाईड फीजिक्स 115, 084908(2014)।
26. रेशमा साओ, गौरव वत्स और राहुल वैश, "ए प्राईम लीड-फ्री फेरोइलेक्ट्रिक सीरामिक फॉर थर्मल एनर्जी हारवेसटिंग: 0.88 Bi_{0.5}Na_{0.5}TiO₃-0.2SrTiO₃-0.1Bi_{0.5}TiO₃" फेरोइलेक्ट्रिकस 474,1 (2015)।
27. सत्यनारायण पटेल, राहुल वैश, नीरज सिन्हा और क्रिस आर. बोवन "फिनाइट एलीमेंट अनैलाईसिस ऑफ माइक्रोस्ट्रक्चर ऑफ एआईएन-टीआईएन कम्पोजिटस" स्ट्रेन 50250 (2014)।
28. अनुरुद्ध कुमार, अंशुल शर्मा, राजीव कुमार, राहुल वैश और विशाल एस. चौहान "फिनाइट एलीमेंट अनालाईसिस ऑन वाइब्रेशन एनर्जी हारवेसटिंग यूजिंगलीड-फ्री पाइजोइलेक्ट्रिक मटीरियल्स-ए कम्पैरेटिव स्टडी" जे. एशियन सीरम एसओसी, 2 138 (2014)।
29. अंशुल शर्मा, राजीव कुमार, राहुल वैश और विशाल एस. चौहान "परफॉर्मैस ऑफ K_{0.5}Na_{0.5}NbO₃ (KNN) आधारित लीड-फ्री पाइजोइलेक्ट्रिक मटीरियल्स इन एक्टिव वाइब्रेशन कंट्रोल" इन्ट. जे. अप्लाईड सीरम. टैक. 2 5 (2014)।
30. सत्यनारायण पटेल, आदित्य चौहान और राहुल वैश "अनैलाईसिस ऑफ हाई फील्ड एनर्जी हारवेसटिंग इन फेरोइलेक्ट्रिक मटीरियल्स" एनर्जी टैक. 2 480 (2014)।
31. रेशमा साओ, राहुल वैश और नीरज सिन्हा "मल्टीफंक्शनल ड्रग डीलिवरी सिस्टम यूजिंग इनऑरगेनिक नैनोमटीरियल्स: ए रीव्यू" जे. नैनो साईंस, नैनोटैक. 15, 1960 (2015)।
32. आदित्य चौहान, सत्यनारायण पटेल, गौरव वत्स और राहुल वैश "एनहांसड थर्मल एनर्जी हारवेसटिंग यूजिंग Li, K डोपड Bi_{0.5}Na_{0.5}TiO₃ लीड-फ्री फेरोइलेक्ट्रिक सीरामिकस" एनर्जी टैक. 2 205 (2014)।
33. अंशुल शर्मा, राजीव कुमार, राहुल वैश और विशाल एस. चौहान "लीड-फ्री पाइजोइलेक्ट्रिक मटीरियल्स परफॉर्मैस इन स्ट्रक्चरल एक्टिव वाइब्रेशन कंट्रोल" जे. इन्ट. मैट. सिस्टमज स्ट्रक्चरज 25 1596 (2014)।
34. गौरव वत्स, राहुल वैश और क्रिस आर बोवन "रेफरीजेशन एण्ड कोलोसल लो ग्रेड थर्मल एनर्जी हारवेसटिंग इन (Bi_{0.5}Na_{0.5})_{0.915}-(Bi_{0.5}K_{0.5})_{0.085}Ba_{0.02}Sr_{0.015}TiO₃ सीरामिकस" जे. अप्लाईड फीजिक्स 115, 013505 (2014)।
35. सौरभ वत्स, गौरव वत्स, राहुल वैश और वरुण कुमार "सलैक्शन ऑफ ऑप्टिमल इलेक्ट्रॉनिक टॉल कोलैक्शन सिस्टमज फॉर इंडिया: ए सबजैक्टिव-फुजी डीसिजन मेकिंग एप्रोच" अप्लाईड. सॉफ्ट कम्प. 21444 (2014)।
36. गौरव वत्स और राहुल वैश "सलैक्शन ऑफ ऑप्टिमल सिंटीरींग टेम्परेचर ऑफ K_{0.5}Na_{0.5}NbO₃ सीरामिकस फॉर इलेक्ट्रोमकैनिकल एप्लीकेशनज" जे. एसिअन सीरम. एसओसी 2, 5(2014)।
37. सत्यनारायण पटेल और राहुल वैश "डीजाईन ऑफ PZT-Pt फंक्शनली ग्रेडीड पाइजोइलेक्ट्रिक मटीरियल फॉर लो फ्रीक्वेंसी एक्युएशनज एप्लीकेशनज" जे. इंटेलीजेंट मैटर सिस्टमज एण्ड स्ट्रक्चरज 26, 321 (2015)।
38. गौरव वत्स और राहुल वैश "सलैक्शन ऑफ लीड-फ्री पाइजोइलेक्ट्रिक सीरामिकस" इन्ट. जे. अप्लाईड सीरम. टैक, 11883 (2014)।
39. एस. शर्मा और एस.के. पाण्डे, इन्वेस्टिगेशन ऑफ द इलेक्ट्रॉनिक एण्ड थर्मो इलेक्ट्रिक प्रॉपर्टीज ऑफ Fe₂ScX(X=P, As and Sb) फुल हीयुसलर अलॉयज बाई यूजिंग फर्स्ट प्रिंसीपलज कैलकुलेशनज। जे. फिजिक्सडी: अप्लाईड फिजिक्स 47, 445303 (2014)।
40. एस. लाल और एस.के. पाण्डे, डेन्सिटी मैट्रिक्स एप्रोच टू द ओरबिटल ऑर्डरिंग इन द स्पाईनल वैनाडेटस: ए केस स्टडी, इयूआर, फिजिक्स जे.

बी 87, 187 (2014)।

41. एस. पटेल और एस.के. पाण्डे, प्रेसर इन्डयूसड स्पिन स्टेट ट्रांजीशन इन BiFeO_3 : एन एबइनीशियो इलेक्ट्रॉनिक स्ट्रक्चर कैलकुलेशनज, ईयूआर फिजिक्स जे. अप्लाइड फिजिक्स. 67, 20602 (2014)।
42. एमडी मैटिन, एल.एस. शरथ चन्द्र, एस.के. पाण्डे, एम.के. चट्टोपाध्याय और एस.बी. रॉय, द इन्फ्ल्युंस ऑफ इलेक्ट्रॉन-फोनोन कपलिंग एण्ड स्पिन फ्लक्चुरेशनज ऑन द सुपरकंडक्टिविटी ऑफ द Ti-V अलॉयज, ईयूआर. फिजिक्स जे. बी. 87, 131 (2014)।
43. एस. शर्मा और एस.के. पाण्डे, इन्वेस्टीगेशन ऑफ थर्मोइलेक्ट्रिक प्रॉपर्टीज ऑफ हाफ-मेटालिक Co_2MnGe बाई यूजिंग फस्ट प्रिंसीपलज कैलकुलेशनज, जे.: कन्डेंस मैटर 26, 215501 (2014)
44. एस. शर्मा और एस.के. पाण्डे ए फस्ट प्रिंसीपल स्टडी ऑफ इलेक्ट्रॉनिक बैंड स्ट्रक्चरज एण्ड इफैक्टिव मास टेंसर्स ऑफ थर्मोइलेक्ट्रिक मटीरिअलज: PbTe , Mg_2Si , FeGa_3 और CoSb_3 , कम्प्यूटर. मैटर. साईंस 85, 340 (2014)।
45. ओ.पी. सिंह शैक एम.डी. अहमद, एम. अभिलाश, मॉडर्न 3 डी प्रिंटिंग टेक्नोलॉजीज: फ्युचर ट्रेंडज एण्ड डीवेलपमेंटस, रीसेंट पेटेंटस इंजीनियरिंग 9(2), 1(2015)।
46. ओ.पी. सिंह, जे सरिनिवासन, इफैक्ट ऑफ रेलेफ नम्बरज ऑन द इवॉल्यूशन ऑफ डबल डीफयुजिव साल्ट फिंगरज, फिजिक्स फलडज 26(6), 1 (2014)
47. ईरिक एस. पोल्सन, डेनिअल क्यु. एमसीनरनी, बी. विश्वनाथ, सीबैस्टीअन डबल्यु. पैटिसन और ए. जॉन हार्ट, हाई स्पीड रोल टू रोल मैनु फैक्चरींग ऑफ ग्राफीन यूजिंग ए कन्सेंट्रिक ट्यूब सीवीडी रीएक्टर, साईंटिफिक रीपोर्टज, 5, आर्टिकल नम्बर: 10257 (2015) डीओआई: 10.1038/एसआरई पी 10257
48. एस. पैटिसन, बी. विश्वनाथ, डी. जखरोव. जे. Li, E.A स्टैच. ए.जे. हार्ट। मकैनिज्म एण्ड एनाहांसड यील्ड ऑफ कार्बन नैनोट्यूब ग्रोथ ऑन स्टेनलैस स्टील बाई ऑक्सीजन-इन्डयूसड सरफेस रीकन्सट्रक्शन। कैंमीस्ट्री ऑफ मटीरियल्ज 27(3), 933, (2015)।
49. विजय चौहान, पी. अनिल किशन और सतीश गीडुपुडी, कम्बाईड साईकल फॉर पावर जनरेशन एण्ड रीफरीजेशन यूजिंग लो टैम्परेचर हीट सोर्सिज, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एनर्जी ऑप्टिमाइजेशन एण्ड इंजीनियरिंग, 3,34, (2014)
50. अर्पण गुप्ता, के.एम. लिम, सी.एच. चियु, "डिजाईन ऑफ रेडिअल सोनिक क्रिस्टल फॉर साउंड अटेन्यूएशन फरॉम डार्डवर्जेंट साउंड सोर्स," वेव मोशन, 55 1 (2015)
51. ए.के. अग्रवाल, टी. गुप्ता, पी.सी. शुक्ला, अतुल धर पर्टीकुलेट इमिशनज फरॉम बायोडीजल फयूल्ड सीआई ईजनज, एनर्जी कन्वर्शन एण्ड मैनेजमेंट, 94, 311 (2015)
52. अंशुल शर्मा, राजीव कुमार, विशाल सिंह चौहान, "एक्टिव कंट्रोल ऑफ थर्मली इन्डयूसड वाइब्रेशनज इन स्मार्ट स्ट्रक्चर इन्सट्रुमन्टड विद पाइजोइलेक्ट्रिक मटीरियल्ज"। अप्लाइड मकैनिक्स एण्ड मटीरियल्ज 612, 169, (2014)।
53. सचिन कुमार और जसप्रीत के. रन्धावा, "पालीपेरीडोन लोडिड सफैरिक्ल नैनोपार्टिकलज" आरएससी एडवांसज 430186 (2014)।
54. टल्हा, मोहम्मद, अशोक कुमार, चिम्पाल्थरैडी आर. स्ट्रक्चरल काइनामैटिक्स बेसड डेमेज जोन प्रीडिक्शन इन ग्रेडिएंट स्ट्रक्चरज यूजिंग वाइब्रेशन डेटाबेस, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कम्प्यूटेशनल मटीरियल्ज साईंस एण्ड इंजीनियरिंग 3, 1450007 (2014)।
55. अर्पण गुप्ता, के.एम. लिम, सी.एच. चियु, "डिजाईन ऑफ रेडीअल सोनिक क्रिस्टल फॉर साउंड अटेन्यूएशन फरॉम डार्डवर्जेंट साउंड सोर्स," वेव मोशन, (इम्पैक्ट फैक्टर: 1.3)। 01 / 2015; 55. डीओआई 10.1016 / जे.वेवमोशन. 2015.01.002।
56. मोहम्मद टल्हा और बी.एन. सिंह, स्टोकेस्टिक वाइब्रेशन करैक्ट्रीस्टिक्स ऑफ फिनाईट एलीमेंट मॉडलड फंक्शनली ग्रेडिएंट प्लेटस, कम्पोजिट स्ट्रक्चरज, वोल्यूम 130, पी.पी. 95-106, 2015।

आधारभूत विज्ञान स्कूल

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी में आधारभूत विज्ञान स्कूल गणित, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान तथा जीव विज्ञान के विषयों का समूह है। इस स्कूल में 35 संकाय हैं जिन्हें समकालीन अनुसन्धान के क्षेत्रों की विशेषज्ञता प्राप्त है। स्कूल ने वर्ष 2010 में पीएचडी कार्यक्रम प्रारम्भ किया। वर्तमान में 66 शोधकर्ता विभिन्न विषयों के शोध कार्य में सदस्यता प्राप्त हैं। स्कूल का उद्देश्य शोध एवम् शिक्षा के क्षेत्र में उन्नत कार्य के लिये निर्विघ्न व्यवस्था करना है जिसकी विश्वस्तरीय पहचान हो। स्कूल ने पोस्टडॉक्टरल कार्यक्रम का सूत्रपात भी किया है तथा वर्तमान में इस स्कूल में 5 पोस्ट डॉक्टरल सदस्य कार्य कर रहे हैं। आधारभूत विज्ञान स्कूल ने अगस्त, 2014 से रसायन विज्ञान में स्नातक कार्यक्रम प्रारम्भ किया है जिसमें विभिन्न विषयों जैसे कि कार्बनिक रसायन, अकार्बनिक रसायन, भौतिक रसायन तथा लघु विज्ञानों में विशेषज्ञता प्राप्त हो। स्कूल के संकाय विभिन्न शोध परियोजनाओं पर अपने अभियांत्रिक साथियों के साथ कार्य कर रहे हैं।

संकाय

डॉ. सुब्रता घोष

अध्यक्ष

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: कार्बनिक रसायन शास्त्र में

वर्ष 2006 में भा.प्रौ.सं. गुवाहाटी से पी.एच.डी.

गृह नगर: बोलपुर—शान्तिनिकेतन, पश्चिमी बंगाल

दूरभाष: 01905—300065

ई-मेल: subrata

डॉ. ए. चक्रवर्ती

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: सैद्धान्तिक रसायन विज्ञान

वर्ष 2005 में भा.प्रौ.सं. बंगलौर

से पी.एच.डी.

गृह नगर: कलकत्ता, पश्चिमी बंगाल

दूरभाष: 01905—237930

ई-मेल: achakraborty

डॉ. अभिमन्यु धीर

सहायक प्राध्यापक (डीएसटी—इन्सपायर)

विशेषज्ञता: सुपरामोलिक्यूलर रसायन विज्ञान

में गुरुनानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर,

पंजाब से पी.एच.डी.

गृह नगर: जालन्धर, पंजाब

दूरभाष: 01905—237912

ई-मेल: abhimanew

डॉ. अदिति हल्दर

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: नवीकरण ऊर्जा के उपयोग

के लिए नये व्यावहारिक नैनोमैट्रियल

का डिजाइन तथा विकास, नैनो इलेक्ट्रॉनिक्स

तथा सैन्सर

वर्ष 2009 में भा.प्रौ.सं. बंगलौर

से पी.एच.डी. (सामग्री विज्ञान)

गृह नगर: कलकत्ता, पश्चिमी बंगाल

दूरभाष: 01905—237933

ई-मेल: aditi

डॉ. अमित जसवाल

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: सूक्ष्म जैव प्रौद्योगिकी

वर्ष 2013 में भा.प्रौ.सं. गुवाहाटी से पी.एच.डी.

गृह नगर: कलकत्ता, पश्चिमी बंगाल

दूरभाष: 01905—237993

ई-मेल: j.amit

डॉ. अमित प्रसाद

सहायक प्राध्यापक (रामालिंगास्वामी

सहपाठी, डीबीटी)

विशेषज्ञता: प्रतिरक्षाविज्ञान / सूक्ष्म जैविकी

वर्ष 2008 में संजय गांधी स्नातकोत्तर

चिकित्सा विज्ञान संस्थान, लखनऊ

से पी.एच.डी.

गृह नगर: रांची, झारखण्ड

दूरभाष: 01905—237917

ई-मेल: amitprasad

डॉ. आरती कश्यप

सहायक प्राध्यापक (संयुक्त नियुक्ति)

विशेषज्ञता: चुम्बकत्व और चुम्बकीय सामग्री

भा.प्रौ.सं. रुड़की से पी.एच.डी.

गृह नगर: मण्डी, हिमाचल प्रदेश

दूरभाष: 01905—300042

ई-मेल: arti

डॉ. अजय सोनी

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: सामग्री तथा प्रयोगात्मक

सघन पदार्थ भौतिक विज्ञान

वैज्ञानिक विधि से शोध के लिए

यूजीसी—डी.ए.ई. इन्दौर से वर्ष 2009 में

पी.एच.डी.

दूरभाष: 01905—237926

ई-मेल: ajay

डॉ. बिन्दु राघामणि

सहायक डीन (अनुसन्धान)

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: एक्स-रे स्पेक्ट्रोमीके

वैज्ञानिक विधि से शोध के

लिए यूजीसी-डीए.ई. इन्दौर से वर्ष 2005

में पी.एच.डी.

गृह नगर: कोल्लम, केरल

दूरभाष: 01905-300060

ई-मेल: bindu

डॉ. सी.एस.यादव

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: निम्न तापीय भौतिक विज्ञान

वर्ष 2008 में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय,

नई दिल्ली से पी.एच.डी.

दूरभाष: 01905-237999

ई-मेल: Shekhar

प्रो. केन्नथ गोन्सेल्वज

विशिष्ट अभ्यागत प्राध्यापक

विशेषज्ञता: सामग्री संश्लेषण

मैस्साचुसेट्स विश्वविद्यालय,

एम्पहैस्टर से पी.एच.डी.

गृहनगर: चारलाट्ट, एनसी, यूएसए

दूरभाष: 01905-237976

ई-मेल: Kenneth

प्रो. ललित मल्होत्रा

डीन सरिक, वित्त एवम् लेखा

अभ्यागत प्राध्यापक

विशेषज्ञता: पतली परत भौतिक विज्ञान

तथा तकनीक

वर्ष 1971 में भा.प्रौ.सं. दिल्ली से पी.एच.डी.

गृह नगर: मण्डी, हिमाचल प्रदेश

दूरभाष: 01905-237916

ई-मेल: lalitmhltr

डॉ. मुस्लिम मलिक

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: विभेदक समीकरण

वर्ष 2006 में भा.प्रौ.सं. कानपुर से पी.एच.डी.

गृह नगर: बलरामपुर, उ.प्र.

ई-मेल: muslim

डॉ. चयन कान्ति नन्दी

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: भौतिकी रसायन विज्ञान

वर्ष 2008 में भा.प्रौ.सं. कानपुर

से पी.एच.डी.

गृह नगर: सारंगपुर, बंकुरा, पश्चिम बंगाल

दूरभाष: 01905-237917

ई-मेल: Chayan

डॉ. हरि वर्मा

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: परमाणु और आण्विक भौतिक

विज्ञान

गृह नगर: कोची, केरल

दूरभाष: 01905-30006

ई-मेल: hari

डॉ. कॉस्तव मुखर्जी

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: प्रयोगात्मक संघनित पदार्थ

भौतिक विज्ञान

वर्ष 2008 में वैज्ञानिक ढंग से शोध

के लिए यू.जी.सी.-डी.ए.ई. इन्दौर से

पी.एच.डी.

गृह नगर: कलकत्ता, पश्चिमी बंगाल

दूरभाष: 01905-237923

ई-मेल: kaustav

डॉ. मनोज ठाकुर

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: अनुकूलन, कोमल अभिकलन,

मशीन अधिगम और अभिकलनात्मक

वित्त हेतु इसका प्रयोग

वर्ष 2007 में भा.प्रौ.सं. रुड़की से पी.एच.डी.

गृह नगर: रुड़की उत्तराखण्ड

दूरभाष: 01905-237927

ई-मेल: manoj

डॉ. नीतु कुमारी

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: विभेदक समीकरण, गतिशील

व्यवस्थाएं, अरैखिक गतिशीलता

वर्ष 2009 में आई.एस.एम. धनबाद

से पी.एच.डी.

गृह नगर: धनबाद, झारखण्ड

दूरभाष: 01905-237926

ई-मेल: nitu

डॉ. प्रद्युमन कुमार पाठक

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: प्रमात्रा प्रकाशिकी, प्रमात्रा
सूचना और सूक्ष्म फोटोनिक्स
भौतिकी अनुसन्धान प्रयोगशाला, अहमदाबाद,
भारत से पी.एच.डी.
गृहनगर: मथुरा, उत्तर प्रदेश
दूरभाष: 01905-300033
ई-मेल: ppathak

डॉ. प्रदीप कुमार

विशिष्ट अभ्यागत प्राध्यापक
विशेषज्ञता: रमण और अनारक्त स्पेक्ट्रोमिकी
वर्ष 2014 से भा.वि.सं. बंगलौर से पी.एच.डी.
गृह नगर: रोहतक, हरियाणा
दूरभाष: 01905-237931
ई-मेल: pkumar

डॉ. प्रदीप परमेश्वरन

सहयोगी डीन (पाठ्यक्रम)
विशेषज्ञता: अकार्बनिक / सामग्री /
नैनो रसायन विज्ञान
वर्ष 2006 में हैदराबाद विश्वविद्यालय से
पी.एच.डी.
गृह नगर: वरावूर, ज़िला थरिसुर, केरल
दूरभाष: 01905-237931 / 300045
ई-मेल: Pradeep

डॉ. प्रेम फेलिक्स सिरिल

सहयोगी डीन (सरिक)
सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: सूक्ष्म सामग्री रसायन विज्ञान
वर्ष 2003 में डी.डी.यू. गोरखपुर विश्वविद्यालय
से पी.एच.डी.
गृह नगर: थिरुवनन्तपुरम, केरल
दूरभाष: 01905-300040
ई-मेल: Prem

डॉ. आर.सी. साहनी

संयुक्त प्राध्यापक
विशेषज्ञता: अन्तःस्त्राव विज्ञान एवं उपापचय,
उच्चशारीरिक क्रिया विज्ञान, शाकीय दवाएं
वर्ष 1977 में स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा तथा
अनुसन्धान संस्थान, चण्डीगढ़ से पी.एच.डी.
गृह नगर: शिमला
दूरभाष: 01905-237943
ई-मेल: sawhneyrc

डॉ. पी.सी. रविकुमार

सहयोगी डीन (योजना)
विशेषज्ञता: कार्बनिक रसायन
वर्ष 2006 में भा.वि.सं. बंगलौर
से पी.एच.डी.
गृह नगर: चेन्नई
दूरभाष: 01905-300044
ई-मेल: ravi

डॉ. प्रसान्थ पी. जोस

विशेषज्ञता: कोमल संघनित पदार्थ
भौतिक विज्ञान
वर्ष 2005 में भारतीय विज्ञान संस्थान से
पी.एच.डी.
गृह नगर: पालाक्कड, केरल
दूरभाष: 01905-300064
ई-मेल: prasanth

डॉ. प्रतिभा गर्ग

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: संस्थिति, अन्तरिक्ष कार्य,
माप सिद्धान्त
वर्ष 2007 में भा.प्रौ.सं. दिल्ली
से पी.एच.डी.
गृह नगर: शामली, उ.प्र.
ई-मेल: Pratibha

डॉ. प्रोसेनजीत मंडल

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: आण्विक अन्तःस्त्राव विज्ञान
और उपापचय
वर्ष 2008 में भुवनेश्वर जीवन विज्ञान
संस्थान से पी.एच.डी.
गृह नगर: बाबूनपुर, बरदवान
दूरभाष: 01905-237919
ई-मेल: Prosenjit

डॉ. रजनीश गिरि

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: जैव भौतिकी और मुड़वां
प्रोटीन, स्वतः अव्यवस्थित प्रोटीन,
किमरिक प्रतिजन ग्राही आधारित कैंसर
रोग प्रतिरक्षा चिकित्सा, प्रोटीन अभियांत्रिकी
वर्ष 2013 में सपेआइजा विश्वविद्यालय
रोम, रोम ईटली से पी.एच.डी.
गृह नगर: इलाहाबाद
दूरभाष: 01905-237927
ई-मेल: rajanishgiri

डॉ. राजेन्द्र के.रे

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: अभिकलनात्मक द्रव गतिशीलता,
पी.डी.ई. हेतु सांख्यिक विधियां
वर्ष 2009 में भा.प्रौ.सं. गुवाहाटी से पी.एच.डी.
गृह नगर: सैंथिया, पश्चिमी बंगाल
दूरभाष: 01905-237932
ई-मेल: rajendra

डॉ. सरिता आज़ाद

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: सांख्यिकीय काल श्रेणी विश्लेषण
वर्ष 2008 में अनुप्रयुक्त गणित में दिल्ली
विश्वविद्यालय और भारतीय विज्ञान संस्थान
बंगलौर से पी.एच.डी.
गृह नगर: नई दिल्ली
दूरभाष: 01905-237928
ई-मेल: sarita

डॉ. सुमन कल्याण पाल

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: तीव्र और अति तीव्र लेसर स्पेक्ट्रोमिकी
वर्ष 2006 में आईएसीएस, जादवपुर से पी.एच.डी.
गृह नगर: कटवा, पश्चिमी बंगाल
दूरभाष: 01905-237933
ई-मेल: suman

डॉ. वेंकट कृष्णन

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: सामग्री रसायन, एक्स-रे विज्ञान
वर्ष 2006 में स्टुटगार्ट, विश्वविद्यालय जर्मनी
से पी.एच.डी.
गृह नगर: कोयम्बटोर, तमिलनाडु
दूरभाष: 01905-237930
ई-मेल: vkn

डॉ. सैयद अब्बास

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: विभेदक समीकरण और
पारिस्थितिक प्रतिरूपण
वर्ष 2009 में भा.प्रौ.सं. कानपुर से पी.एच.डी.
गृह नगर: गोंडा, उत्तर प्रदेश
दूरभाष: 01905-237933
ई-मेल: abbas

डॉ. श्याम कुमार मसाकापालि

सहायक प्राध्यापक
विशेषज्ञता: जीव विज्ञान उपापचय प्रणाली
(फलुक्सोमिक्स और मेटाबोलिक्स),
वनस्पति और सूक्ष्मजीवी उपापचय,
एनएमआर और जीसी-एमएस,
वर्ष 2012 में ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय
यू.के. से पी.एच.डी.
गृह नगर: रायगडा, उड़ीसा
दूरभाष: 01905-237907
ई-मेल: shyam

डॉ. तुलिका प्रकाश सरिवास्तवा

सहायक प्राध्यापक (रामालिंगास्वामी सहयोगी
डी.बी.टी.)
विशेषज्ञता: जैव सूचना विज्ञान, जैव प्रणाली,
मेटाजीनोमिक्स, तुलनात्मक जीनोमिक्स,
प्रोटीन फलन और संरचनात्मक विश्लेषण
वर्ष 2005 में आई.जी.आई.बी., सी.एस.आई.आर, दिल्ली, भारत से पी.एच.डी.
गृह नगर: दिल्ली
दूरभाष: 01905-237922
ई-मेल: tulika

पोस्ट डॉक्टरेट सहयोगी

<p>डॉ. चारु द्विवेदी आधारभूत विज्ञान स्कूल में पोस्ट डॉक्टरेट सहयोगी (पीडीएफ) विशेषज्ञता: पृथक्करण विज्ञान और विकिरण रसायन विज्ञान भाबा अटोमिक अनुसन्धान केन्द्र, मुम्बई, भारत ई-मेल: charu</p>	<p>डॉ. गणेश अधिकारी आधारभूत विज्ञान स्कूल में पोस्ट डॉक्टरेट सहयोगी (पीडीएफ) विशेषज्ञता: फोटाइलैक्ट्रॉन स्पेक्ट्रोमीकि टाटा मूलभूत अनुसन्धान संस्थान, भारत से पी.एच.डी. ई-मेल: ganesh</p>
<p>डॉ. राजेश छेबोलु आधारभूत विज्ञान स्कूल में पोस्ट डॉक्टरेट सहयोगी (पीडीएफ) विशेषज्ञता: कार्बनिक विश्लेषण एनआईपीईआर, एसएस नगर मोहाली से औषधीय रसायन विज्ञान में पी.एच.डी., ई-मेल: rajeshchebolu</p>	<p>डॉ. रिक रानी कोनर आधारभूत विज्ञान स्कूल में पोस्ट डॉक्टरेट सहयोगी (पीडीएफ) विशेषज्ञता: जैव अकार्बनिक रसायन विज्ञान भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गुवाहाटी से पी.एच.डी. गृह नगर: बोलपुर दूरभाष: 01905 237994 ई-मेल: rik</p>

बाह्य प्रायोजित अनुसन्धान परियोजनाएं

क्रमांक	भा.प्रौ.सं. मण्डी, सन्दर्भ संख्या/परियोजना क्रमांक	परियोजना का नाम	प्रायोजित संस्थान	प्रधान अन्वेषक और सहयोगी समन्वयक	स्वीकृत धन (रुपये में)	परियोजना की अवधि
1	भा.प्रौ.सं. मण्डी – सीपीएएम/एचपीडी/08 स्वीकृति की दिनांक 04.09.12 समापन की दिनांक: 03.09.15	परमाणु और आण्विक भौतिकी में संघट्ट प्रक्रियाएं	डी.एस.टी.	प्र.अ. डॉ. हरि आर. वर्मा सह प्र.अ. डॉ. पी.सी. देशमुख (भा.प्रौ.सं. मद्रास)	10,62,000	3 वर्ष
2	भा.प्रौ.सं. मण्डी – एनबीएम/एसयूजी/10 स्वीकृति की दिनांक 01.08.12 समापन की दिनांक: 31.07.15	मैट्रिक्स मैटलो प्रोटिनेज (एमएमपी) इन्हिबिटर्स के रूप में नवीन बायोट्यूरेटज: रूपरेखा संश्लेषण, चरित्र-चित्रण तथा जीव विज्ञान मूल्यांकन	डी.एस.टी.	डॉ. सुब्रत घोष	22,85,000	3 वर्ष
3	भा.प्रौ.सं. मण्डी –डीएनए/सीकेएन/13 स्वीकृति की दिनांक 08.01.12 समापन की दिनांक: 31.07.15	कैंसर कोशिकाओं के लक्ष्य हेतु डी.एन.ए. अप्टामर संयुग्मित स्वर्ण सूक्ष्म कण	डी.एस.टी.	डॉ. चयन कान्ति नन्दी	22,80,000	3 वर्ष
4	भा.प्रौ.सं. मण्डी– एफडीई/एसवाईए/14 स्वीकृति की दिनांक 01.10.13 समापन की दिनांक: 30.11.16	विभेदक समीकरणों सहित अनुप्रयोगों का सावयव अध्ययन	डी.एस.टी.	डॉ. सैयद अब्बास	6,41,000	3 वर्ष
5	भा.प्रौ.सं. मण्डी– डीएसटी/पीकेपी/17 स्वीकृति की दिनांक 27.06.12 समापन की दिनांक: 20.06.15	परिमाण सूचना संसाधन तथा संगत नियंत्रण के लिए सूक्ष्म फोटोनी प्रणालियां	डी.एस.टी.	डॉ. पी.के. पाठक	13,44,000	3 वर्ष
6	भा.प्रौ.सं. मण्डी– डीबीटी/सीकेएन/19 स्वीकृति की दिनांक: 30.12.13 समापन की दिनांक: 29.12.16	समय समाधित एकल अणु फॉरस्टर प्रतिध्वनि ऊर्जा स्थानान्तरण के प्रयोग से आण्विक चैपरोन मध्यस्थता परतें	डी.बी.टी.	प्र.अ. डॉ. चयन कान्ति नन्दी	69,58,200	3 वर्ष
7	भा.प्रौ.सं. मण्डी– डीआरडीओ/एसबीजी/20 स्वीकृति की दिनांक: 27.07.12 समापन की दिनांक: 26.07.16	अधि आण्विक उच्च ऊर्जा यौगिक: संश्लेषण, चरित्र-चित्रण और सैद्धान्तिक अध्ययन	डी.आर.डी.ओ.	प्र.अ.: डॉ. सुब्रता घोष, स.प्र.अ.: डॉ. प्रेम फेलिक्स सिरिल, डॉ. अनिरुद्ध चक्रवर्ती	41,48,500	4 वर्ष

क्रमांक	भा.प्रौ.सं. मण्डी, सन्दर्भ संख्या/परियोजना क्रमांक	परियोजना का नाम	प्रायोजित संस्थान	प्रधान अन्वेषक और सहयोगी समन्वयक	स्वीकृत धन	परियोजना की अवधि
8	भा.प्रौ.सं. मण्डी- एमआरएन/पीएफएस/21 स्वीकृति की दिनांक: 16.01.13 समापन की दिनांक: 15.01.16	ऊर्जावान यौगिकों के क्रिस्टलीकरण हेतु नवीन मार्ग	ए.आर.एम. आर.ई.बी. डी.आर.डी.ओ.	प्र.अ.: डॉ. प्रेम फेलिक्स सिरिल स.प्र.अ.: डॉ. जसप्रीत कौर रन्धावा, डॉ. प्रसान्थ पी.जोस	68,48,250	3 वर्ष
9	भा.प्रौ.सं. मण्डी- आईएनटीईएल/केएनजी/26 स्वीकृति की दिनांक: 01.07.12 समापन की दिनांक: 30.06.15	16 एनएम नोड तथा इसके ऊपर के ईयूवीएल के लिए प्रतिरोध धारणा	आई.एन.टी. ई.एल	प्र.अ.: प्रो. केन्नथ गोन्सेल्वज, स.प्र.अ. प्रो. प्रदीप परमेश्वरन, प्रो. सुब्रता घोष, सतिन्द्र कुमार शर्मा	217,62,000	3 वर्ष
10	भा.प्रौ.सं. मण्डी/ डीएसटी/वीकेएस/29 स्वीकृति की दिनांक: 11.04.12 समापन की दिनांक: 10.04.17	रॉबस्ट कृत्रिम पेप्टाईड का उपयोग करते हुये वास्तविक सूक्ष्म परिपथों का नियंत्रित निर्माण	डी.एस.टी.	डॉ. वेंकटा कृष्णन	35,00,000	5 वर्ष
11	भा.प्रौ.सं. मण्डी/ डीएसटी/वीकेएस/29 स्वीकृति की दिनांक: 19.03.12 समापन की दिनांक: 18.03.17	अभियांत्रिकी आण्विक कार्बनिक ढांचों क्रिस्टल संरचना और प्रकाश भौतिक गुण	डी.एस.टी.	डॉ. अभिमन्यु धीर	35,00,000	5 वर्ष
12	भा.प्रौ.सं. मण्डी/ एचएसएए/पीसीआर/32 स्वीकृति की दिनांक: 15.06.12 समापन की दिनांक: 14.06.15	हुपरजीन -ए हेतु एक लघु आकारिक असममित कृत्रिम उपागम	डी.एस.टी.	डॉ. पी.सी. रविकुमार	27,00,000	3 वर्ष
13	भा.प्रौ.सं. मण्डी/ एचओसीएफडी/डीएसटी/33 स्वीकृति की दिनांक: 14.02.14 समापन की दिनांक: 13.02.17	उच्च श्रेणी के डिब्बे (एचओसी) का निर्माण सीमित विभेदक योजना और रैखिक अपरूपण प्रवाह हेतु इसके अनुप्रयोग	डी.एस.टी.	डॉ. राजेन्द्र कुमार रे	13,32,000	3 वर्ष
14	भा.प्रौ.सं. मण्डी/ डीबीटी/टीपीएस/36 स्वीकृति की दिनांक: 18.07.12 समापन की दिनांक: 17.07.17	सूक्ष्म मानवीय जीवम की खोज: जीवीय प्रि-प्रो हेतु उम्मीदवारों की तलाश	रामालिंगास्वामी दोबारा प्रवेश सहभागिता डीबीटी	डॉ. तुलिका पी. सरिवास्वा	82,00,000	5 वर्ष
15	भा.प्रौ.सं. मण्डी/ एनबीएचएम/एसवाईए/45 स्वीकृति की दिनांक: 15.11.12 समापन की दिनांक: 14.11.15	पारिस्थितिकीय एनएचबीएम मॉडलिंग में आवधिकता और सम्पूर्ण आवधिकता	डी.ए.ई.	डॉ. सयद अब्बास	8,57,500	3 वर्ष
16	भा.प्रौ.सं. मण्डी/ डीएसटी/पीएडी/46 स्वीकृति की दिनांक: 06.05.13 समापन की दिनांक: 05.05.16	नये कार्बनिक-अकार्बनिक संकरों के प्रारूप और विश्लेषण: कैसर, सूक्ष्म जीवीय और उत्तेजक उपचारात्मक पदार्थों के रूप में दोनों का विकास	डी.एस.टी.	डॉ. पूजा स.प्र.अ.: डॉ. प्रदीप सी. परमेश्वरन	27,72,000	3 वर्ष

क्रमांक	भा.प्रौ.सं. मण्डी, सन्दर्भ संख्या/परियोजना क्रमांक	परियोजना का नाम	प्रायोजित संस्थान	प्रधान अन्वेषक और सहयोगी समन्वयक	स्वीकृत धन (रुपये में)	परियोजना की अवधि
17	भा.प्रौ.सं. मण्डी / एनबीएचएम/आरआरवाई/47 स्वीकृति की दिनांक: 27.01.15 समापन की दिनांक: 26.01.18	विभिन्न रूकावटों सहित दीर्घवृत्तीय समीकरण हेतु उच्च क्रमिक अंकीययोजनाओं का विकास और निमज्जित अंतरापृष्ठ समस्याओं के लिए इसके अनुप्रयोग	एन.बी.एच.एम. (डी.ए.ई.)	डॉ. राजेन्द्र कुमार रे	2,99,500	3 वर्ष
18	भा.प्रौ.सं. मण्डी / बीआरएनएस/आरकेआर/51 स्वीकृति की दिनांक: 15.07.14 समापन की दिनांक: 14.07.17	झील/नदियों में दूषित तलछट परिवहन की मॉडलिंग	बी.आर.एन.एस. (डी.ए.ई.)	प्र.अ.: डॉ. राजेन्द्र कुमार रे, स.प्र.अ.: डॉ. ओ.पी सिंह	21,07,100	3 वर्ष
19	भा.प्रौ.सं.मण्डी / सीएसआईआर/एसकेपी/70 स्वीकृति की दिनांक: 29.01.15 समापन की दिनांक: 28.01.18	विद्युतीय संयुग्मित सूक्ष्म क्रिस्टलों में वाहक गुणन और संलवन	सी.एस.आई.आर.	डॉ. सुमन के. पाल	12,58,000	3 वर्ष
20	भा.प्रौ.सं. मण्डी- डीएसटी-वीआर/एसकेपी/76 स्वीकृति की दिनांक: 15.01.15 समापन की दिनांक: 14.01.18	नये सौर समाधानों हेतु प्रमात्रा बिन्दु	डी.एस.टी.-वी.आर.	डॉ. सुमन के. पाल, प्रो. टोनु पुलरीटस (लंड विश्वविद्यालय, स्वीडन)	40,27,000	3 वर्ष
21	भा.प्रौ.सं. मण्डी / डीआरडीओ-एसएसई/एमटी/79 स्वीकृति की दिनांक: 05.03.15 समापन की दिनांक: 04.09.15	मशीन अधिगम और आंकड़े माइनिंग का उपयोग करते हुये बर्फ हिमस्खलन की पूर्व सूचना	डी.आर.डी.ओ-एस.ए.एस.ई	डॉ. मनोज ठाकुर	5,04,000	6 माह
22	भा.प्रौ.सं. मण्डी- एसईआरबी/एसकेपी/81 स्वीकृति की दिनांक: 16.04.15 समापन की दिनांक: 15.04.18	उपकरण क्षमता को सुधारने के लिए अभियांत्रिकी रासायनिक संरचना: प्रकाश वोल्टता अनुप्रयोगों हेतु नवीन कार्बनिक बहुलक/सूक्ष्म अणुओं और उनके सूक्ष्म यौगिक	एस.ई.आर.बी.	डॉ. सुमन कल्याण पाल, स.प्र.अ.: डॉ. सुब्रता घोष, डॉ. सी.के. नन्दी, डॉ. सुरेश चन्द (एन.पी.एल.), डॉ. राजीव कुमार सिंह (एन.पी.एल.),	43,64,000	3 वर्ष
23	क्रमांक एसआर/ एफटी/सीएस-58/2011 स्वीकृति की दिनांक: 10.05.12 समापन की दिनांक: 09.05.15	सामग्री और उत्प्रेरक अनुप्रयोगों हेतु बंध के माध्यम से गुच्छ और कार्बनिक यूनितों के मध्य विद्युतीय अन्योन्य क्रिया द्वारा पोलिओक्सोमेटालेट कार्बनिक संकरों का विकास	डी.एस.टी.	डॉ. प्रदीप सी. परमेश्वरन	26,90,000 लाख	3 वर्ष

मूल अनुदान परियोजनाएं

क्रमांक	परियोजना का नाम	नस्ति संख्या	अन्वेषक	स्वीकृत धन (रुपये में)	परियोजना की अवधि
1	आगामी संधारणीय समय हेतु विषमजनिक विद्युत उत्प्रेरक के माध्यम से मानवजनित कार्बनडायोक्साईड का उपयोग स्वीकृति की दिनांक: 27.09.14 समापन की दिनांक: 26.09.17	भा.प्रौ.सं. मण्डी/ एसजी/एच/34	डॉ. अदिति हल्दर	7,20,000	3 वर्ष

अनुसन्धान परियोजनाओं की प्रगति

डॉ. चयन कान्ति नन्दी

वर्तमान समय में हमारे अनुसन्धान दल का ध्यान विशेष दवा वितरण हेतु प्रोटीन कोरोना की गतिकी सूचना जैसे अनेक अत्याधुनिक जैव चिकित्सा अनुप्रयोगों के लिए सामग्री की सूक्ष्म संरचनाओं पर केन्द्रित है। हम सबसे उन्नत एकल अणु फॉरस्टर अनुनाद स्थानान्तरण तकनीक का उपयोग करते हुये प्रोटीन बलन गतिकी पर भी कार्य कर रहे हैं। हमने नैनोमीटर स्तर से नीचे कोशिकीय घटक की गतिकी सूचना हेतु निर्देश-निर्मित उच्च वियोजन स्टोकैस्टिक प्रकाशीय पुनर्निर्माण आधारित नैनोस्कोपी (एसटीओआरएम) की स्थापना की है। हम जैव चिकित्सा अनुप्रयोगों के अतिरिक्त लघु प्रदूषक एवम् जैव अणुओं के अनुसन्धान हेतु सूक्ष्म संवेदक और विशेषकर सौर कोशिका के लिए तथा हल्के संलवन हेतु सूक्ष्म सामग्री का भी निर्माण कर रहे हैं।

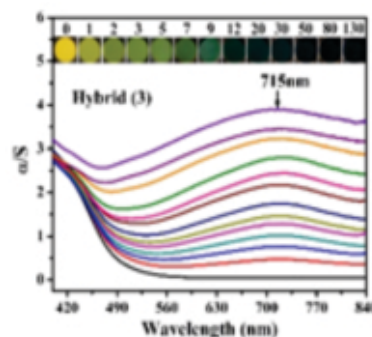
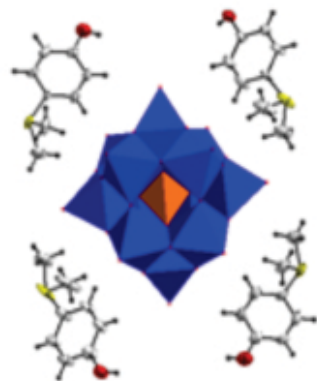


चित्र: निर्देश निर्मित एसएमएफआरईटी और उच्च वियोजन उपकरण

डॉ. प्रदीप परमेश्वरन

सामग्री और उत्प्रेरक अनुप्रयोगों हेतु बंध के माध्यम से गुच्छ और कार्बनिक यूनिटों के मध्य विद्युतीय अन्योन्य क्रिया द्वारा पोलिओक्सोमैटालेट कार्बनिक संकरों का विकास

इस योजना का भाग होने के कारण पोलिओक्सोमैटालेट (पीओएम) विभव युक्त समूह हेतु उचित संरचनात्मक और इलेक्ट्रॉनिक कार्य के लिए एक नये सुगन्धित सल्फोनियम आयन पटल नमूना निर्मित किया गया है। परिवेशी परिस्थितियों में आयोनी तरल व्यवहार दर्शाने वाले इसके दो साधित, (4-हाइड्रोक्सी) फीनाईल-डाईमीथाईल सल्फोनियमट्राईफलेट (एचपीडीएसटी) और (4-अलॉक्सीफीनाईल)- डाईमीथाईल सल्फोनियमट्राईफलेट (एपीडीएसटी) को विकसित किया गया है। इनका प्रयोग करते हुये सुगन्धित सल्फोनियम पीओएम संकरों की एक श्रृंखला (HPDS)_n/(APDS)_n[XMO₁₂O₄₀] (HPDS & AP DS= HPDST और APDST क्रमशः एक्स = पी और एसआई और एन =3 और 4) को फोटोकॉमिक व्यवहार के लिए विकसित और परीक्षित किया गया है। यूवी प्रकाश के उद्भासन से ये पीओएम-संकर पीले रंग से हरे/नीले में परिवर्तित होते हैं। एपीडीएस आधारित संकर एचपीडीएस आधारित संकरों की तुलना में रंगाई गतिक बल अर्ध जीवन (t12) कम थे। इससे संकेत मिलता है कि फीनोलिक समूह पर अल्काईल प्रतिस्थापन सल्फोनियम अर्द्धांश पर इलेक्ट्रॉन सुलभता ठीक करने में मदद करता है और इसीलिए पीओएम संकरों के फोटोकॉमिक व्यवहार को नियंत्रित करते हैं। इन संकरों के t12 मान उन प्रतिवेदित एलीफेटिक सल्फोनियमपीओएम संकरों से बहुत ही कम थे। यह देखा गया कि पीओएम समूह में विषम अणुओं की प्रकृति प्रति समूह पर कुछ आयन पटल नियत करती हैं जो फोटो रंगाई की दर का निर्णय करने में महत्वपूर्ण भूमिका भी निभाती है। हमने 4-नाईट्रोफीनोल से 4-एमिनोफीनोल परावर्तन हेतु समानयन उत्प्रेरकों के रूप में फोटो-लघुकृत पीओएम संकरों के अनुप्रयोग को भी प्रदर्शित किया है।



चित्र: एक निरूपक संकर (बाएं) की क्रिस्टल संरचनाएं। कुबेलका-मंक (के-एम) विभिन्न मध्यांतरों (दायें) पर 350 एनएम के किरणन के बाद संकरों की स्थानान्तरित परावर्तकता; संकर का रंग किरणन काल मिन्टों के अनुसार प्रदर्शित करते हुये उपकरण

डॉ. सुब्रता घोष

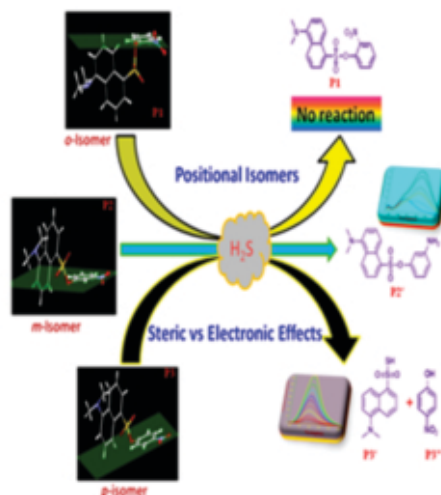
वर्तमान में हमारा ध्यान विभिन्न अनुप्रयोगों हेतु कार्बनिक सामग्री के विकास पर केन्द्रित है। जबकि जैव बिम्ब विधान अनुप्रयोगों हेतु कुछ जीव विज्ञान घटनाओं को समझने के लिए कुछ फोटो स्थायी सामग्री विकसित की जा रही है तथा इलेक्ट्रॉनिक अनुप्रयोगों हेतु अन्य सामग्री का प्रयोग हो रहा है। हमारी सफलतापूर्वक पूर्ण कुछ परियोजनाएं इस प्रकार से हैं:

ओएलईडीज अनुप्रयोगों हेतु सामग्री: आण्विक स्तर पर जानकारी

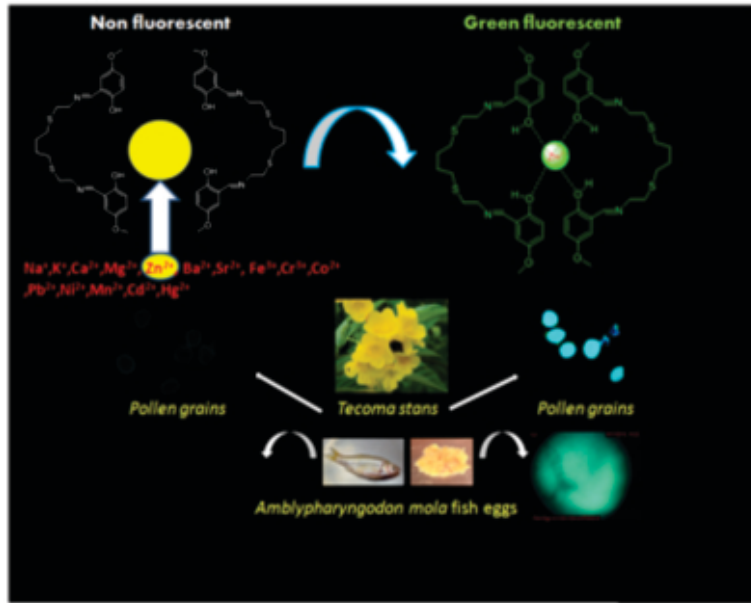
समतली सुवासित संरचनाएं π - π कमबद्ध अणुओं की अनुमति देती हैं और इसीलिए फल्यूरॉफोरज अनुभव संवृत समुच्चयन घटना अणुओं को संग्रहीत अवस्था से बाहर होने से रोकती है। यह केवल घुलनशील अवस्था के अनुसार फल्यूरॉफोरज अनुप्रयोग क्षेत्र को सीमित करती है। 3-डी स्थान पर नोदक जैसे अणुओं का विस्तार π - π कमबद्ध अणुओं की प्रक्रियाओं को होने नहीं देता। यह व्यतिरेकी प्रभाव समुच्चयन उत्प्रेरित उत्सर्जन (एआईई) या समुच्चयन उत्प्रेरित आयनिक उत्सर्जन (एआईईई) कहलाता है। हमने एसीक्यू और एआईई संवृति पर गहन अनुसन्धान आयोजित करके एआईईई/एआईई गुण धर्म को समतली उत्सर्जनहीन संदीप्त के साथ जोड़ने के लिए सम्भाव्यताओं को खोजना आरम्भ किया ताकि ऐसे अणुओं का अनुप्रयोग क्षेत्र परिष्कृत हो सके। हमने दर्शाया कि विमीतिय प्रवेश से 3-विमीतिय एलीफेटिक भुजाओं जैसे कि लम्बी कार्बन श्रृंखलाएं, साईक्लोहेक्सेन, एडामन्टेन और नॉरबोरीन सहित समतलीय संरचनाएं सरल हैं। ये छोटे लेकिन उपयोगी आण्विक प्रारूप बदलते हैं। ये स्थूल अवस्था उत्सर्जन और उपकरण की कार्य क्षमताओं को सुधारने में मदद करते हैं। इस प्रकार विशालकाय 3-डी अणुओं की प्रवृति समुच्चयन रोकने के लिए कुंजी है और हमने समतलीय कोमेरिन नमूनों के लिए परिष्कृत समुच्चयन उत्सर्जन को प्राप्त किया है।

छोटे अणुओं के विषय में आण्विक स्तर पर गैस ट्रांसमीटर अपकांतिकता की जानकारी

हम प्रयोगात्मक और सैद्धान्तिक उपागम संयोजन से आण्विक स्तर पर आण्विक प्रणाली में विद्यमान स्थानीय और रासायनिक कार्यात्मकता के



इलेक्ट्रॉनिक प्रभाव की प्रमुखता को समझने में समर्थ हैं जो कि एक प्रकाशीय सांकेतिक पदार्थ के रूप में कार्य करता है। वर्तमान अध्ययन मानवीय मानसिक गतिविधियों और रोगों में एक उभरते हुये ज्ञात मध्यस्थ, हाईड्रोजन सल्फाइड (H_2S) के प्रकाशीय संकेत पर दोहरा स्थल अभिक्रियाशील समावयवी के (नाइट्रो और सल्फोनेट एस्टर समूह) आण्विक अनुसन्धान (पी1, पी2 और पी3) के संरचनात्मक प्रभाव को दर्शाते हैं। इन अनुसन्धानों में H_2S की प्रतिक्रिया को संदीप्त सांकेतिक अध्ययनों का उपयोग करते हुये किया गया। H_2S के साथ पी2 नाइट्रो कार्यात्मकता न्यूनीकरण अन्योन्य क्रिया से संतरी संदीप्त एमाईन साधित पी2 बना जबकि पी3 सल्फोनेट एस्टर समूह केविपाटन से नाभिक प्रिय एस-ओ बॉडसे साधित पी3 हरे उत्सर्जन संदीप्त जाति के रूप में सल्फोनोथिओनिक अम्ल उत्पन्न हुआ। क्रिस्टल संरचना निर्धारण और संरचना-अभिक्रियात्मकता सम्बन्धी अध्ययन इन अनुसन्धानों में नाइट्रोकार्यात्मकता के इलेक्ट्रॉनिक प्रभाव प्रदर्शित करते हैं। सल्फोनेट कार्यात्मकता की प्रतिक्रिया बढ़ाने के लिए इलेक्ट्रॉनिक प्रभाव जिम्मेवार हैं, अभिक्रियाशील स्थल पर त्रिविम कारक द्वारा H_2S की सुलभता का पता चला। यद्यपि नाइट्रो कार्यात्मकता के दोनों-एम (मध्यावयवी) और -आई (आगमनात्मक) प्रभाव पी1 और पी3 में प्रमुखता से होने चाहिए, क्रिस्टल संरचना विश्लेषण से पता चलता है कि पी1 जो नाइट्रो समूह द्वारा रचित है त्रिविम से गिचपिच है और ऐसे ही नाइट्रो समूह के सम क्षेत्र प्रबन्धन के बाहर इसके परिणामस्वरूप पी3 से पी1 कम अभिक्रियाशील बनता है। पी2 के मामले में अनुसन्धान त्रिविम प्रभाव से मुक्त है, परन्तु दुर्बल-आई प्रभाव और-एम प्रभाव की अनुपस्थिति H_2S में सल्फोनेट कार्यात्मकता को अभिक्रियाहीन बनाती है।



जैव कोशिका के अन्दर जिंक बिम्ब विधान के लिए फोटोस्थायी आण्विक सामग्री

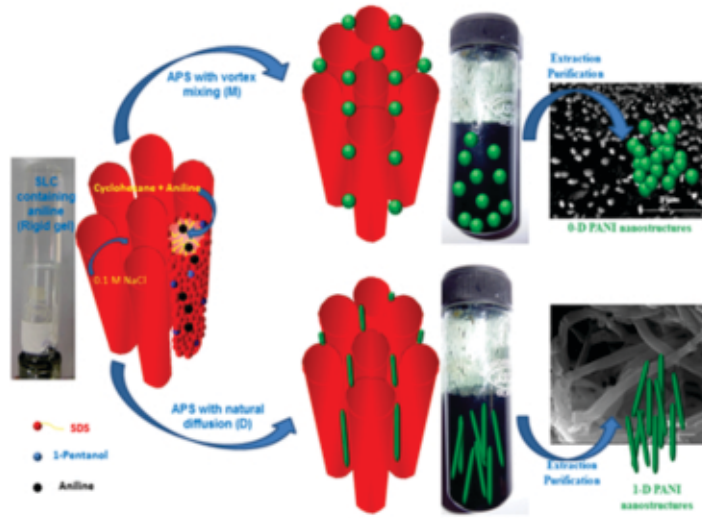
जैव विज्ञान प्रणालियों में नवीन आण्विक अनुसन्धान जिंक बिम्ब विधान में रुचि ले रहे हैं क्योंकि वे विभिन्न जैव घटनाओं के नियमीकरण में जिंक की भूमिका समझने में मदद करते हैं। इस सम्बन्ध में एक नया C2 सममित आण्विक प्रणाली विकसित की गई है और सांकेतिक हरे रंग के उत्सर्जन सहित द्विसंयोजक जिंक हेतु सफलतापूर्वक सामग्री को प्रकाशित करने के लिए अनुप्रयुक्त की गई है। संदीप्त अधिकता विशेषकर जिंक की थी और यह नया विकसित अनुसन्धान एल1 उप सूक्ष्मग्राम अणुक जांच क्षमता वाला था। जबकि अनुसन्धानएल1 और $L1-Zn^{2+}$ का सामूहिक प्रभाव आश्चर्यचकित ढंग से उच्च फोटो स्थिरता वाला था तथा $L1-Zn^{2+}$ के मामले में तीन गुणा प्रकाशित संदीप्त वृद्धि दर्शायी। सम्मिश्र $L1-Zn^{2+}$ की प्रवृत्ति और सह सपेक्ट्री विस्थापन को आगे सैद्धान्तिक आकलनों से समर्थित किया गया। जिस तरह वर्तमान अनुसन्धान को प्रत्यक्ष क्षेत्र में अपनाते हैं और हरे रंग में प्रसारित करते हैं, इसके लिए जीव विज्ञान प्रणालियों में जिंक बिम्ब विधान जिसमें जानवर और पौधों की कोशिकाओं जैसे अनाज पराग और मछली के अण्डों की कोशिकाओं हेतु एक विभव सामग्री को प्राथमिकता दी गई थी। ऐसे संदीप्त जिंक बिम्ब विधान से अनुसन्धान गुण और अनेक जैव प्रणालियों में जिंक के स्थान का पता चला।

डॉ. प्रेम फिलिक्स सिरिल

संरचित सूक्ष्म सामग्री संश्लेषण के लिए सूजित तरल कोमल पारदर्शी सांचों की खोज

डी.एस.टी., भारत सरकार द्वारा प्रायोजित

इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य कोमल सांचों के रूप में सूजित तरल पारदर्शियों (एसएलसीज) के प्रयोग से युक्तियुक्त प्रारूप और संरचित सूक्ष्म सामग्री संश्लेषण हेतु क्षमता पैदा करना था। परियोजना साढ़े तीन वर्ष में सफलतापूर्वक पूर्ण हुई और नवीन धातु सूक्ष्म संरचनाओं के नियंत्रित संश्लेषण आकृति विज्ञान, पोलिएनीलिन सूक्ष्म संरचनाओं तथा उनके सूक्ष्म यौगिकों हेतु एक अद्वितीय व बहुमुखी ढंग की बनी। जैसा कि चित्र में दर्शाया गया है:-



चित्र : एसएलसीज में 0-डी और 1-डी पीएनआई सूक्ष्म संरचनाओं का संश्लेषण

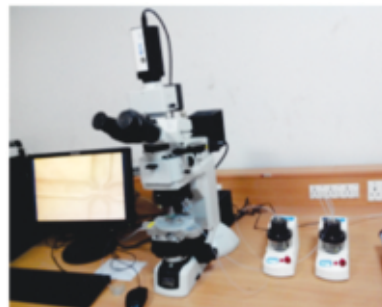
हमें विश्वास है कि विकसित विधि अधिकतर अन्य धातुओं की समान सूक्ष्म संरचनाओं, बहुलक और उनके सूक्ष्म यौगिकों को बनाने के लिए प्रयुक्त हो सकती है। हम धातु सूक्ष्म कणों सहित सूक्ष्म यौगिकों के आरम्भिक संश्लेषण और बहुलक सूक्ष्म संरचनाओं के लिए एकल विधि भी विकसित कर सकते हैं। रोचक आकृति विज्ञान के लिए एसएलसीज के प्रयोग से प्राप्त सूक्ष्म सामग्री संश्लेषित थी। छड़ी के आकार की पीएनआई सूक्ष्म संरचनाओं ने एम्पीरोमीतिक शर्करा जैव संवेदना के लिए गोलीय पीएनआई सूक्ष्म संरचनाओं और बल्क-पीएनआई से बहुत अच्छी संवेदनशीलता और कम समय में प्रतिक्रिया प्रदर्शित की। Pd सूक्ष्म तारों ने 4-नाइट्रोफीनोल से 4-नाइट्रोएमीन जिसकी प्रतिक्रिया का स्थिर मान $=0-1s^{-1}$ है के समानयन हेतु अच्छी उत्प्रेरकता गतिविधि दर्शायी। इन सूक्ष्म तारों ने सुजुकी-मियूरा युग्मक प्रतिक्रिया से होकर बाईफीनाइल के संश्लेषण हेतु परिष्कृत उत्प्रेरक गतिविधि दर्शायी। प्रतिक्रिया का परिणाम 80 प्रतिशत अधिक था। सोना कोर और पोलिएनीलिन शैल सूक्ष्म यौगिक जिनकी सूक्ष्म तार मोरफोलॉजी थी उन्हें पोलिएनीलिन शैल की छोटे अणुओं को अवशोषित करने की योग्यता के साथ सूक्ष्म संगम की उपस्थिति के कारण बहुत अच्छी सरफेस एन्हांसड रमण स्कैटरिंग गतिविधि के लिए पाया गया। तैयार सूक्ष्म यौगिकों को कार्बनिक रंगाई के न्यूनीकरण के लिए एक प्रभावी उत्प्रेरक बनने के लिए प्राप्त किया गया। सूक्ष्म यौगिकों की उच्च उत्प्रेरक गतिविधि के कारण कुशल उपचार में व्यावहारिक अनुप्रयोग हो सकते हैं। पीएनआई-एनएस को बनाने के लिए एसएलसीज कोमल ढांचों के रूप में प्रयोग हो सकते हैं। एकलक युक्त मध्यप्रावस्था से ऑक्सीडेंट के मिश्रण से सूक्ष्म संरचनाओं के रूप विज्ञान नियंत्रित किए जा सकते हैं। धातु सूक्ष्म संरचनाओं, बहुलक और सूक्ष्म यौगिकों के संश्लेषण के लिए कार्य विस्तार के पर्याप्त अवसर हैं। विशेष रूप से आरम्भिक आरेखी सहित धातुओं के सूक्ष्म यौगिकों और संचालित बहुलक के ऊर्जा भण्डारण, उत्प्रेरक और संवेदन में रोचक अनुप्रयोग हो सकते हैं। इस दिशा में आगामी कार्य करना होगा।

ऊर्जावान यौगिकों के सूक्ष्म किस्टलीकरण के लिए नवीन मार्ग डीआरडीओ, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित

सूक्ष्म प्रौद्योगिकी के आगमन से यह अनुभव किया गया कि उच्च ऊर्जा घनत्व और उच्च ऊर्जावान सामग्री की बढ़ रही संवेदनशीलता को सूक्ष्म आकारीय ऊर्जावान यौगिकों द्वारा प्राप्त किया जा सकता है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य उच्च ऊर्जावान यौगिकों जैसे कार्बनिक यौगिकों के सूक्ष्म कणों हेतु नयी विधियां विकसित करना है। एक नये वाष्पीकरण सह घुलनशील अघुलनशील अन्त्योन्य क्रिया (ईएएसआई) विधि और एचएमएक्स को विकसित किया गया है। रोचक है कि आरडीएक्स और एचएमएक्स के अगोलीय सूक्ष्म किस्टलों को घोल में परिवर्तन द्वारा संश्लेषित किया जा सकता

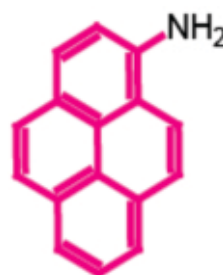
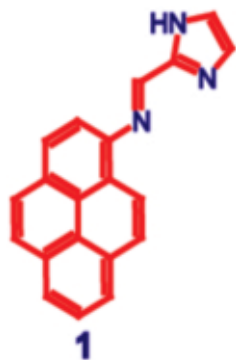
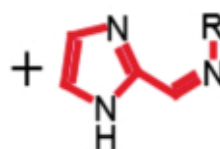
है। प्रक्रिया की उच्च मापकता औसत आकारीय कण के मेल-जोल के बिना स्थापित की गई। इस प्रक्रिया में एक पदार्थ को फाईल किया जा रहा है। ईएएसएआई विधि को अवक्षेपण पराश्रव्यता के प्रयोग से रूपांतरित किया गया।

भा.प्रौ.सं. मण्डी में सूक्ष्म द्रवीय सुविधायें स्थापित की गई हैं और सूक्ष्म क्रिस्टलीकरण के लिए कुछ रोचक विधियां सूक्ष्म द्रवीय सारणी के प्रयोग से भी विकसित की गई हैं।

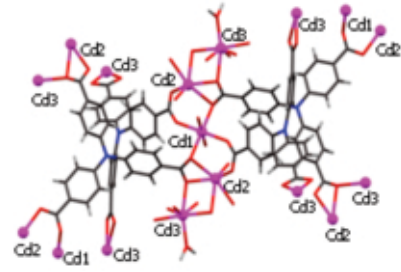
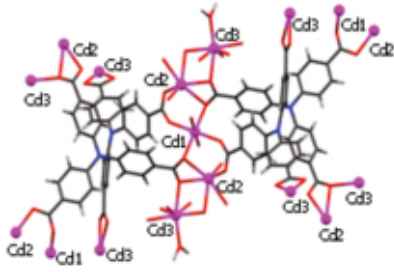


डॉ. रिक रानी कोनर

मुख्य एमाईन वाष्पों के सांकेतिकरण के लिए संवेदनशील आण्विक प्रकाशीय सामग्री



इनके मानवीय स्वास्थ्य और पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव के कारण संवेदनशील एमाईन वाष्पों का ज्ञान अत्यावश्यक है। इस प्रयास के लिए एक नयी विधि विकसित की गई है जो स्थूल अवस्था में अनुगमन स्तर (पीपीएम) पर चयनित मुख्य एमाईन वाष्पों के लिए संदीप्त उत्तेजित अनुसन्धान आधारित प्रतिक्रिया से एक अनुरूप उपागम समाहित करती है। उच्च संवेदनशीलता और चयनता वाले मुख्य एमाईन का पता लगाने के लिए वर्तमान रसायन सममितीक अनुसंधान सफलतापूर्वक किया गया। संदीप्त स्पेक्ट्रोकेमी जोकि बहुत प्रभावी और संवेदनशील प्रकाशीय प्रौद्योगिकी है के प्रयोग से अनुसन्धान 1 की उपयोगिता सहायक एमाईन, तृतीय श्रेणी के एमाईन, थिओलज और एल्कोहल जैसे अन्य सम्बन्धित अभिक्रियाशील नाभिकारागी से चयनित मुख्य एमाईन का अन्तर स्थापित किया गया है। इसके अतिरिक्त अनुसन्धान 1 के अवशोषण स्पेक्ट्रा में परिवर्तन और मुख्य एमाईन सहित डिप-कोसटिंग विधि के परिणाम इसकी उच्च विशेषता और चयनता का समर्थन करते हैं। अनेक उन्नत स्पेक्ट्रामिकी प्रौद्योगिकियों जैसे एनएमआर और द्रव्यमान स्पेक्ट्रोमिकी के प्रयोग से स्थूल अवस्था में तेज रासायनिक अभिक्रिया के कारण अनुसन्धान प्रकाशीय संकेत प्रतिपादन की पुष्टि हुई। हमारे अधिकतर ज्ञान के अनुसार कैमोडोसीमीटर को चालू करने का यह पहला उदाहरण है जो मूल स्थान आण्विक संरचना अभियांत्रिकी के माध्यम से मुख्य एमाईन चयनता का पता एक नये प्रकाशीय संकेत उत्पन्न होने के लिए करता है।



उपयुक्त संदीप्त गुण सहित नवीन धातु-ऑर्गेनिक संरचना:

पोलिनाइट्रोफीनोलिक के लिए उच्च आप्ठिक सांकेतिक प्लेटफॉर्म

नये धातु कार्बनिक संरचनाओं (एमओएफज) के साथ अभियांत्रिकी वास्तुकला एक उभरता हुआ क्षेत्र है क्योंकि उनके अनेक क्षेत्रों जिनमें ऊर्जा, उत्प्रेरकता, संवेदना, जैव बिम्ब विधान आदि में क्षमता अनुप्रयोगों के कारण उच्च संरघ्नात और विस्तृत आंतरिक अंतरापृष्ठ वाली ठोस क्रिस्टलीय सामग्री की महत्त्वपूर्ण श्रेणी का विकास निकट भविष्य में किया जा रहा है। संलग्नी आधारित घूर्णनात्मक C3 सममित ट्राईकार्बाओक्सीलिक अम्ल, एक नया एमओएफ, ट्राईकार्बाओक्सीट्राईफीनाईलएमीन (TCA)-Cd²⁺ (Cd-MOF)] का रूपांकन और उपयुक्त संदीप्त गुण सहित एक नयी उच्च आप्ठिक सामग्री के रूप में संश्लेषण किया गया है। संक्षेप में, हमने सामान्य अष्टफलकीय और पंचभुजीय द्विपैरामिडों ज्यामितिक सहित Cd(II) आयन के तीन स्वतंत्र समरूप समन्वय परिवेश को प्रेक्षित किया है। इसके अतिरिक्त विमात्मक सम्मिश्र Cd-MOF के तीन विमात्मक दृश्य 6.405 “ÅX 6.405 Å सहित एक छोटे विवर का पता चलता है। विस्फोटक सामग्री आधारित चुनिंदा पोलिनाइट्रोफीनोल का पता करने के लिए उपयुक्त संदीप्त गुण की खोज की गई है। इसके अतिरिक्त अन्य नाइट्रो विस्फोटकों जैसे आरडीएक्स (1,3,5-ट्राईनाइट्रो-1,3,5-ट्राईसाईक्लोहेक्सेन), एचएमएक्स ऑक्टोहाईड्रो-1,3,5,7-टेट्रानाइट्रो -1,3,5,7 टेट्राजोसीन), टीएनटी (2,4,6-ट्राईनाइट्रोटोल्यून) आदि से खास नाइट्रोफीनोलज में इसकी क्षमता का हमने पहली बार विवरण दिया और मौजूद एमओएफ को पोलिनाइट्रो एल्कोहल से पोलिनाइट्रोफीनोल को विभेदित कर सकते हैं।

डॉ. वेंकटा कृष्णन

मजबूत कृत्रिम पेप्टाइड का उपयोग करते हुये वास्तविक सूक्ष्म-परिपथों का नियंत्रित निर्माण

अनुसन्धान योजना भौतिक-रासायनिक ज्ञान, जैव प्रेरित सामग्री की योजना और निर्माण से सम्बन्धित है। इस अनुसन्धान कार्य का लक्ष्य योजना और नये कार्यों सहित नयी सामग्री का निर्माण और गुणों के लिए अणुओं, विधियों और जैव विज्ञान धारणाओं को खोजना होगा। विशेष रूप से इस योजना का लक्ष्य प्रकृति द्वारा स्वीकृत उपागम के आधार पर वांछित संरचनाओं में सूक्ष्म अणुओं के जमघट को नियंत्रित करके सूक्ष्म सामग्री का निर्माण करना है। विशेषकर जैव अणु-निदेशित जमघट, जिसमें सूक्ष्म पैमाने का संरचनात्मक नियंत्रण व्यवस्थित श्रेणीबद्ध सूक्ष्म संरचनाओं को एक, दो और तीन विमीतिय में तैयार करने के योग्य होगा जिसका प्रयोग आप्ठिक इलैक्ट्रॉनिक प्रयोगों के लिए होगा।

डॉ. आर.सी. साहनी

मानवजाति वनस्पति उद्यान

इस अन्वेषण का लक्ष्य संस्थान के कमान्द परिसर में पौधों की सभी जातियों का पता लगाना और संरक्षण, शिक्षा तथा अनुसन्धान के लिए वनस्पति संग्रहालय और औषधीय उद्यान की स्थापना करना है। इसके अतिरिक्त अनेक रोगों के लिए आप्ठिक दवाओं का विकास, पोषण और कार्यात्मक भोजन हेतु अनुसन्धान गतिविधियों को आरम्भ करने के लिए क्षेत्र में मानवजाति वनस्पति सर्वेक्षण करने की योजना है क्योंकि स्थानीय जन समुदाय द्वारा विभिन्न रोगों के लिए औषधीय उपचार किया जा रहा है। कमान्द परिसर विभिन्न पौधों की जातियों की उपस्थिति हेतु सर्वेक्षण करने के लिए प्रत्येक 200 मीटर क्षेत्र 15 गिटस में विभाजित था। एक सौ बीस पौधों के चित्र उनके प्राकृतिक आवास पर खींचे, नामावली की पुष्टि के लिए वाउचर प्रतिदर्श संग्रहित किये और 40 वनस्पति संग्रहालय परतें चिपकाई गईं। परिसर निवासियों के प्रयोग के लिए और एक्स-सीटू संरक्षण, शिक्षा और जागरूकता हेतु भी प्राथमिक उपचार वनस्पति उद्यान की स्थापना की गई। परिसर के चारों ओर 10 गाँवों का सर्वेक्षण किया और औषधीय पौधों के प्रयोग पर स्थानीय चिकित्सकों के साथ एक कार्यशाला का आयोजन मानवजाति वनस्पति उद्यान में निहित सामर्थ्य को प्राप्त करने के लिए किया गया। उद्यान में कार्बन खेती के लिए सत्ताईस उपचारात्मक और स्वास्थ्य वर्धक गतिविधि वाले पौधों की पहचान की गई। पहले चरण में जांच के लिए 15 औषधीय पौधों की खेती आरम्भ की गई। जिनके नाम इस प्रकार हैं-ओसीमम सेंकटम, मेंथा पाइपरेटा, मेंथा स्पाइकेटा, एसपेरेगस रेसेमोसस, वियोला सरपेंस, सेंटैला एशियेटिका, बेकोपा मोनेरी, करकुमा लोंगा, रावल्फिया सरपेंटिना ओसिमम किलिमेंडस्केरियम, एलोय वीरा, विथेनिया सीमनिफेरा, सिनेमोमम तेमला, रोज़ा डेमेसीना और सीम्बोपोगोन सिट्रेटस। इनमें 12 औषधीय पौधे स्थापित किए जा चुके हैं जो विभिन्न विकास की अवस्था में हैं। विथेनिया

सोमनिफेरा, सीम्बोपोगोन सीट्रेटस और राउलफिया सरपेंटिना की खेती सफल नहीं हुई और अगले मौसम में ताजा पौधारोपण की शुरुआत की जाएगी।

जैविक रूप से बढ़े हुये इन औषधीय पौधों से एक स्वास्थ्य वर्धक पेय बनाया गया। भारतीय चिकित्सा प्रणाली के आधार पर विभिन्न प्रकार के चार मिश्रण बनाये गये और उन्हें मानक प्रदर्शन के प्रयोग से स्वादानुसार अध्ययन हेतु यादृच्छिकता से ए,बी,सी और डी के रूप में कूटबद्ध किया। यह अध्ययन संस्थान के संकाय, छात्रों और कर्मचारी वर्ग में से लिये गये 15 स्वैच्छिक सेवकों द्वारा पूरा किया। बनाये गए ए और डी को सबसे अधिक उपयोगी पाया और उन्हें स्वास्थ्यवर्धक स्थितियों में बंद किया। उनके एम्ब्रोसिया-दी-उहल और एम्ब्रोसिया-दी-उहल एम नाम रखे गये और 67वें गणतन्त्र दिवस को स्थानीय सेवन हेतु विमोचन किया गया। इनका प्रयोग ऐसे ही या परम्परागत चाय और काली चाय के साथ मिलाकर भी कर सकते हैं। मानक प्रदर्शन के प्रयोग से इनके लाभदायी प्रभाव की प्रतिपुष्टि भी प्राप्त की थी। अत्युत्तम होने के कारण आवासीय उपभोक्ता ने दोनों के भाव अधिक लगाये। ताजे, तनाव मुक्त, प्रतिकारक होने से खांसी, जुकाम और बुखार हेतु इनकी मांग अधिक थी। पोषण विकास के लिए रुबस एलिप्टिकस (आखे) जो कमन्द क्षेत्र में अधिकतर उगते हैं, का घर में सीमित साध्यता अध्ययन भी पूरा किया गया। इस जंगली फल के रस और जैम को एकल स्वाद और जैव प्रभावी अर्क/अणुओं और दवाओं की व्यवस्था करने के लिए एक पोषक के रूप में पाया गया। इसमें स्थानीय लोगों की अर्थव्यवस्था में परिवर्तन करने की क्षमता है। संस्थान के शोधकर्ताओं द्वारा अनुसन्धान अविष्कार हेतु वर्तमान कार्य पौधों की और अधिक जातियों और क्षेत्रीय औषधीय पौधों की पहचान और उनका देशीय औषधीय उद्यान बनाना है। दिनांक 28 जुलाई, 2014 को क्षेत्रीय पौधों के प्रयोग पर वानस्पतिक सूचना प्राप्त करने के लिए स्थानीय मानवजाति औषधीय वानस्पतिक पर कार्यशाला आयोजित की गई।

डॉ. रजनीश गिरि

अनुसन्धान क्षेत्र: जैव भौतिकी, संरचनात्मक प्रोटीन वलन और असंरचनात्मक प्रोटीन, तात्विक रूप से अव्यवस्थित प्रोटीन, पी53 के अव्यवस्थित क्षेत्र का वलन और बाध्यकारी प्रक्रियाएं

वर्तमान उपलब्धि यह है कि क्रियात्मक प्रतिरोधी परिस्थितियों में मानवीय प्रोटीओम का लगभग एक तिहाई और 75 प्रतिशत नियामक प्रोटीन अव्यवस्थित है जो प्रोटीन विज्ञान अनुसन्धान के एक नये आवर्त में परिणत होते हैं, जिसे तात्विक रूप से अव्यवस्थित प्रोटीन (आईडीपीज) के नाम से जाना जाता है। आईडीपीज बिना संरचनाओं के कार्यपरक हैं जो अव्यवस्थित-कार्यपरक-रूपावली नामक एक अप्रचलित दृष्टिकोण में परिणत हो रहे हैं। परियोजना प्रस्ताव में ईआईए अव्यवस्थित प्रोटीन वलन प्रक्रियाओं पर एक है जो डी.एस.टी.-एस.ई.आर.बी. द्वारा निधियन हेतु प्रस्तावित है। आजकल डॉ. गिरि ने एमीलॉयड बीटा पेप्टाइड अनुक्रम का प्रतिरूपण किया है और उनकी प्रयोगशाला में इस प्रोटीन की अभिव्यक्ति और शुद्धिकरण का कार्य प्रगति पर है। यह प्रोटीन एक कठिन प्रणाली है क्योंकि इसकी दुर्बल घुलनशीलता और संग्रह क्षमता है।

डॉ. बिन्दु राधामणि

हमारी प्रयोगशाला का ध्यान आधारभूत भौतिक विज्ञान के समर्थन में प्रभावशाली ढंग से सह सम्बन्ध इलेक्ट्रॉन प्रणालियों को समझना है जो उभरती हुई घटना प्रदर्शित करती है जैसे संरचनात्मक और स्पेक्ट्रोमिकी प्रौद्योगिकियों के प्रयोग से बहु फ़ैरोसिटी, सांस्थिक विद्युत रोधी, आदेशित आवेश, विद्युत रोधी परिवर्तन के अनुसार धातु आदि।

प्रावस्था पृथक्कृत La_{0.2}Sr_{0.8}MnO₃ पर प्रतिकूल फोटोमीशन स्पेक्ट्रोमिकी अध्ययन

300 और 100K पर प्रतिकूल फोटोमीशन स्पेक्ट्रा को La_{0.2}Sr_{0.8}MnO₃ पर संग्रहित किया गया। फर्मी स्तर के पास यौगिक विद्युत रोधी बनने से तीव्रता में वृद्धि पायी गयी। विस्तृत विश्लेषण के उपरान्त हमने पाया कि यह असामान्य व्यवहार चालन बैंड के अनुसार अव्यवस्थित प्रेरित परिस्थितियों के कारण है। (नवनीत ईटीएएल सोलिड स्टेट सीओएमएम. 217 (2015) 70)

MnTiO₃ में प्रचरण जालक युग्मन का प्रमाण: एक्स-रे विवर्तन अध्ययन

हमने एक्स-रे विवर्तन तकनीक के प्रयोग से MnTiO₃ के संरचनात्मक पैरामीटर के तापीय विकास का अध्ययन किया। हमारे परिणामों ने दर्शाया कि तापमानों पर अंतरा श्रृंखला और चुम्बकीय अंतरा श्रृंखला परिवर्तन, अधिकांश मापन द्वारा दर्शाये गये तापमान परिवर्तन से बहुत अधिक है। (मौर्या ईटी. एएल.ईपीएल, 110 (2015) 27007)

BaBiO₃ का अनियमित तापमान व्यवहार

हमने एक्स-रे विवर्तन तकनीक के प्रयोग से कम तापमान पर BaBiO₃ की क्रिस्टलीय संरचना का अन्वेषण किया है। प्रतिरोधकता आंकड़ों से प्राप्त सक्रियण ऊर्जा को BiO₆ अष्टफलक के आधार पर विवरण दिया गया। (गणेश अधिकारी ईटी एएल. मैटर. आरईएस)

डॉ. प्रसान्थ जोस

सम्मिश्र द्रवों, बहुलक, कांच सम्बन्धी अनियमित गतिकी और प्रावस्था पृथक्कृत प्रणालियां

हमारे दल ने साधारण लेनार्ड जोनस प्रणाली और बाइनेरी लेनार्ड जोनस (एलजे) प्रणाली (कॉब-एंडर्सन मॉडल) में विस्तृत तुल्यभारता आण्विक गतिक सिमुलेशन पर काम किया। हम तापमान गिड और सघनता गिड पर स्थिर द्रव अवस्था से अस्थिर द्रव-गैस मिश्रण की अवस्था में परिवर्तन कर इन सजातीय द्रव के संरचनात्मक और गतिक गुणों के परिवर्तन पर अध्ययन करते हैं। बाइनेरी एलजे द्रव के मामले में हमने देखा कि तापमान कम होते ही गैस-द्रव मिश्रण, एक पारदर्शी व गैस मिश्रण बनता है जो जैल के समान होता है। हम मौजूद सहायक संरचनाओं को पहचानने के लिए स्थूल-कण युक्त घनत्व का परिकलन और क्षेत्र रचना को समझने के लिए कॉर्ड लम्बाई वितरण का पता करते हैं। हम स्थानीय बंध ऑर्डर पैरामीटर से इन प्रणालियों में छिपी बहु मध्यवर्ती संरचनाओं की जांच करते हैं।

पारदर्शी अवस्था की प्रकृति सर्वव्यापक है और अनेक अनुसन्धानों के बावजूद पारदर्शक परिवर्तन की गतिकी में संरचना तथा गतिकी के बीच सम्बन्ध एक अनसुलझी समस्या है। हमने केमर-क्रेस्ट रैखिक बहुलक गलित मॉडल के तुल्यभार आण्विक गतिक अनुकर के प्रयोग से उच्च घनत्व पर उच्च तापमान से निम्न तापमान पर संरचना और गतिकी प्रणाली का अध्ययन किया। त्रिज्य वितरण कार्य मुख्य शिखर का विपाटन पर्याप्त कम तापमानों पर करते हैं जो कि सहायक संरचना और सूक्ष्म श्रेणी निवेश है। इसके अतिरिक्त हमने इस बहुलक प्रणाली में कम तापमान पर विभिन्न सह सम्बन्ध कार्य जैसे मुख्य समान विस्थापन, नॉन गौसियन पैरामीटर (एनजीपी), वैन होव सह-सम्बन्ध कार्य और असंगत विस्तरित कार्य के आकलन से विजातीय गतिकी का चित्रण किया है। हमारे अध्ययन एनजीपी शिखरों में ढांचों का निर्माण दर्शाते हैं जो प्रणाली में गतिकीय विविधता का कारण बनते हैं। हमारे अध्ययन रैखिक बहुलक मॉडल गलित प्रणालियों में सूक्ष्मीय सह-सम्बन्ध गति और सक्रिय विविधता पर प्रकाश डालेंगे।

राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित पत्र

1. पाल, एस.के./वर्सेटाईल फोटोल्युमीनेसेंस फॉर्म ग्राफीन एण्ड इट्स डेरिवेटिवज/कार्बन '2015',/88/, 86. (समीक्षा लेख) (सुमन के. पाल)।
2. एक हाईब्रिड पोलिमरिक मटीरियल बीयरिंग ए फेरोसेंस-बेसड पेन्डेन्ट ऑरगेनोमेटालिक फंक्शनल्टी: सिंथसीज एण्ड एप्लीकेशनज इन नैनोपैटर्निंग यूजिंग ईयूवी लिथोग्राफी. वी.एस.वी. सत्यनारायण, वी. सिंह, वी. कल्याणी, सी.पी. प्रदीप, एस. शर्मा, एस. घोष, के.ई. गोन्साल्वेज, आरएससी एडव, भाग 4, पृष्ठ 59817-59820, 2014।
3. इमातिनिब इंटरमीडिएटज एज ए टू-इन-वन डुअल चैनल सेंसर फॉर द रीकॉग्निशन Cu^{2+} और I^- आयनज इन एक्यूस मीडिया एण्ड इट्स प्रेक्टीकल एप्लीकेशनज। एस.आर. पाटिल, जे.पी. नान्दे, डी. जादव, एस. बोथरा, एस. बोथरा, एस.के. साहू, एम. देवी, सी.पी. प्रदीप, पी.पी. मॉलेकर, यू.डी. पाटिल. डाल्टन ट्रान्स, भाग 43, पृष्ठ 13299-13306, 2014।
4. ए यूरेसिल नाइट्रेसो एमार्इन बेसड कैलोरीमीट्रिक सेंसर फॉर द डीटेक्शन ऑफ Cu^{2+} आयनज फॉर्म एक्यूस एन्वायरनमेंट एण्ड इट्स प्रेक्टीकल एप्लीकेशनज। एस.आर. पाटिल, जे.पी. नान्दे, पी.ए.पाटिल, एस.के. साहू, एम. देवी, सी.पी. प्रदीप, वाई फेबिओ, एल. चैन, सी. रेडशाव, यू.डी. पाटिल आरएससी एडव., भाग 5, पृष्ठ 21464-21470, 2015।
5. डेनसिल-कार्बेजोल एआईईईई फॉर सलैक्टिव रीकॉग्निशन ऑफ थिओरिआ डेरिवेटिवज। एस. शर्मा, सी.पी. प्रदीप, ए. धीर। न्यू जे, कैमिस्ट्री, भाग 39, पृष्ठ 1822-1826, 2015।
6. न्यू पोल्योक्सोमेटालेस कन्टेनिंग हाईब्रिड पोलिमरज एण्ड देयर पोटांशियल फॉर नैनो-पैटर्निंग। वी. कल्याणी, वी.एस.वी. सत्यनारायण, वी. सिंह, सी.पी. प्रदीप, एस. घोष, एस.के. शर्मा, के.ई. गोन्सेल्वज, कैमिस्ट्री, यूरो. जे. भाग 21, पृष्ठ 2250-2258, 2015
7. रेशोमीट्रिक डीटेक्शन ऑफ एटीपी एण्ड सीटीपी विद ए फल्यूरॉसेंट सपाइंडर लाईक रीसेप्टरज इन वाटर। ए.के. गुप्ता, ए. धीर, सी.पी. प्रदीप यूरो.जे. ऑरगेनिक कैमिस्ट्री, पृष्ठ 122-129, 2015।
8. क्वांटम कैमिक्ल एण्ड स्पेक्ट्रोस्कोपिक इन्वेस्टिगेशनज ऑफ (इथाईल 4 हाईड्रोक्सी-3-(ई)-(पाईरीन-1-लिमिनो) मीथाईल बेन्जोएट) बाई डीएफटी मैथड। दिवाकर और ए.के. गुप्ता, इन्ट जे. क्वांटम कैमिस्ट्री, 2014 लेख आईडी 841593।
9. स्पेक्ट्रोस्कोपिक (एफटी-आईआर, आईएच, 13सी एनएमआर, यूवी) डीओएस एण्ड ऑरबिटल ओवरलैप पॉपुलेशन एनालाईसिस ऑफ कॉपर कम्प्लेक्स ऑफ -(ई)-4-(2-(4 नाइट्रोफीनाईल) डाइजेनिल)-एन.एन बिस (पिराडिन-2 वाईएल) मीथाईल) बेन्जामीन बाई डेन्सिटी फंक्शनल थीओरी। दिवाकर, स्पेक्ट्रोकिम. एक्टा पार्ट ए: मोल. एण्ड बाईमोल, स्पेक्ट., 136, 2015, 1932-1940।
10. क्वांटम मकैनिकल एण्ड स्पेक्ट्रोस्कोपिक (एफटी-आईआर, 1एच, 13सी एनएमआर, यूवी) इन्वेस्टिगेशनज ऑफ 2-(5-(4-कलोरोफीनाईल)-3(पिराडिन-2-वाईएल)-4, 5- डाईहाईड्रोपाइराजोल-1-वाईएल) बेन्जो [d] थिआजोल बाई डीएफटी मैथड दिवाकर, स्पेक्ट्रोकिम, एक्टा पार्ट ए: मोल. एण्ड बाईमोल. स्पेक्ट., 128,2014,819-829।

11. सिन्थेसिज, स्पेक्ट्रोस्कोपिक करैक्ट्राईजेशन एण्ड कम्प्युटेशनल स्टडीज ऑफ 2-(4-ब्रोमोफीनाईल)-2- ओक्सोइथाईल 3-मीथाईल बेन्जोएट बाई डेन्सिटी फंक्शनल थीओरी। दिवाकर, सी.एस.सी. कुमार, ए. कुमार,एस.डी. राजु, सी.के. क्वह, एच.के. फन, जे. मोल. स्ट्र., 1092, 2015, 192-2015।
12. अब्बास, एस., डायनेमिकल एनालायसिस ऑफ अ मॉडल ऑफ हार्मफुल एल्गा इन फलोइंग हैबिटेस विद वेरीएबल रेटस, नॉन लाईनर एनालायसिस, आरडब्ल्यूए, 22,16-33, 2015।
13. त्रिपाठी, जे.पी., अब्बास, एस. ठाकुर एम. डेन्सिटी डीपेन्डेंट डीलेड प्रीडेटर -प्रे मॉडल विद बेडिंगटन—डी एन्जलिस टाईप फंक्शनरीसपॉन्स इनकॉरपोरेटिंग अ प्रे रीफयूज, कॉ. नान. साईस. नुम. सिम., 22 (1), 427-450, 2015।
14. त्रिपाठी, जे.पी., अब्बास, एस. ठाकुर एम. डायनेमिकल एनालायसिस ऑफ अ प्रे-प्रीडेटर मॉडल विद बेडिंगटन—डी एन्जलिस टाईप फंक्शन रीसपॉन्स इनकॉरपोरेटिंग अ प्रे रीफयूज नॉन लाईनर डायनेमिक्स, भाग 80, अंक 1-2, पीपी 177-196, 2015।
15. बनर्जी एम., अब्बास, एस, एग्जिसटेंस एण्ड नॉन-एग्जिसटेंट ऑफ स्पेशल पैटर्नज इन अ रेसो-डीपेन्डेंट प्रीडेटर-प्रे मॉडल, इकॉलॉजीकल कम्प्लैक्सिटी, भाग 21, 199-214, 2015।
16. अभिषेक चौधरी चारु द्विवेदी, मोहित चावला, अभिषेक गुप्ता और चयन कान्ति नन्दी। लायसिन एण्ड डिथिओथ्रेटोल प्रोमोटिड अल्ट्रासंसेटिव ऑप्टिकल एण्ड कैलोरोमीट्रिक डीटैक्शन ऑफ मरकरी यूजिंग एनीसोट्रॉपिक गोल्ड नैनोपार्टिकलज, जे. मैटर. कैमिस्ट्री सी, 3, 6962, 2015।
17. चारु द्विवेदी, अभिषेक गुप्ता, अभिषेक चौधरी और चयन कान्ति नन्दी। "गोल्ड नैनोपार्टिकल किटोसिन कम्पोजिट हाईड्रोजल बीडज शोज एफिसिएंट रीमूवल ऑफ मीथाईल पैराथीओन फरॉम वेस्ट वाटर" आरएससी एडवान्स 4 (75), 39830-39838, 2014।
18. सयामंतक खान, अभिषेक गुप्ता, अभिषेक चौधरी और चयन कान्ति नन्दी। "ओरिएंटेशनल स्वीचिंग ऑफ प्रोटीन कनफर्मेशन एज अ फक्शन ऑफ नैनोपार्टिकल कर्वेचर एण्ड देयर जीओमीट्रिकल फिटिंग" जर्नल ऑफ कैमिकल फिजिक्स, 141, 048707-1, 2014।
19. अभिषेक चौधरी, अभिषेक गुप्ता, सयामंतक खान और चयन कान्ति नन्दी। "मोरफोलॉजीकल इफैक्ट ऑफ गोल्ड नैनोपार्टिकलज ऑन द एडजार्पशन ऑफ बोविन सीरम एलबुमिन" फिजिक्स, कैमिस्ट्री, फिजिक्स 16 (38), 20471-20482, 2014।
20. गौरव डे, अभिषेक गुप्ता, त्रिनेत्र मुखर्जी, पंकज गौर, अभिषेक चौधरी, शुभ्र कान्ति मुखोपाध्याय, चयन के. नन्दी और सुब्रता घोष। "फंक्शनल मोलिक्यूलरलुमिनोमटीरियल्ज टु प्रोब सीरम एलबुमिनस: सोलिड फेस सलैक्टिव स्टेनिंग थो नॉनकोवेलेंट फल्यूरासेंट लेबलिंग" एसीएस अप्लाईड. मैटर इंटरफेसिज 6 (13),10231-7, 2014।
21. सयामंतक खान और चयन कान्ति नन्दी, "ऑप्टिमाईजिंग द अंडरलाईंग पौरामीटरज फॉर प्रोटीन-नैनो पार्टिकल इंटरैक्शन: एडवांसमेंट इन थिओरीटिकल सिमुलेशन" नैनोटैक्नोलॉजी रीव्यूज, 3 (4), 347-359, 2014।
22. चयन के. नन्दी, हंस डितर-बर्थ और बर्नहार्ड ब्रुटस्ची, "अ न्यू लिक्वूड ड्रॉपलेट लेसर डीजॉरपशन सोर्स कम्बाईड विद सुपरसोनिक जेट एक्सपैन्शन: एप्लीकेशन टू फीनोल एण्ड इटस वाटर कल्सटरज" जैड. फिजिक्स, कैमिस्ट्री, 228 (4-5), 449-457, 2014।
23. अभिषेक गुप्ता, अभिषेक चौधरी, पूजा मेहता, चारु द्विवेदी, सयामंतक खान, नवनीत चन्द्र वर्मा, चयन कान्ति नन्दी। "नाइट्रोजन डोपड थिओल फंक्शनेलाइज्ड कार्बन डॉटस फॉर अल्ट्रासंसेटिव Hg(II) डीटैक्शन" कैमिस्ट्री, कॉम. 51,10750, 2015।
24. सयामंतक खान, नवनीत चन्द्र वर्मा, अभिषेक गुप्ता और चयन कान्ति नन्दी। "रीवर्सिबल फाटोस्वीचिंग इन कार्बन डॉटस" नेचर साईस रीप. 5, 11423, 2015।
25. चारु द्विवेदी, अभिषेक चौधरी, अभिषेक गुप्ता और चयन कान्ति नन्दी। "डायरेक्ट विजुएलाईजेशन ऑफ लीड कोरोना एण्ड इटस नैनोमालर कैलोरीमीट्रिक डीटैक्शन यूजिंग एनीसोट्रॉपिक गोल्ड नैनोपार्टिकलज"। *एसीएस अप्लाईड मैटर. इंटरफेसिज/**7/**,/5039-5054, 2015/*
26. अभिषेक चौधरी, अभिषेक गुप्ता और चयन कान्ति नन्दी "एनीसोट्रॉपिक गोल्ड नैनोपार्टिकल फॉर द हाईली सेंसीटिव कैलोरीमीट्रिक डीटैक्शन ऑफ ग्लूकोज इन हयुमन यूरीन"। *आरएससी एडवांस/**10.1039/सी4आरए16690 एफ (2015*)।
27. आर.डी. प्रसाद, नितु कुमारी, सैयद कॉची (2015) अ रीमार्क ऑन "स्टडी ऑफ ए लेसली गोवर टाईप ट्राइट्रोफिक पॉपुलेशन मॉडल [चेओस सोलिशनज एण्ड फ्रेक्टलज 14 (2002) 1275-1293,], चेओस सोलिशनज एण्ड फ्रेक्टलज (एलसीवर), भाग 71, पीपी 22-28।
28. एम. वेंकटेश्वरलु, पंकज गौर, सौगाटा सिन्हा, अविजीत प्रमाणिक, सुब्रता घोष। एट द मोलिक्यूलर लेवल थो फोटोफजिकल स्टडीज: स्ट्रक्चरल इम्प्लीकेशनज ऑन द रीएक्टिविटी ऑफ डुअल-साईट सेन्सिटिव पोजीशनल आइसोमरज टुवर्ड अ गैसोट्रांसमीटर (H₂S)। जे. फिजिक्स कैमिस्ट्री सी 2015, 119, 19367-19375। (आईएफ: 4.8)।
29. सुनील कुमार, पुनिता सिंह, ऋतु सरिवास्तवा, सुब्रता घोष। पैकिंग डाइरैक्टिड बेनीफिसिअल रोल ऑफ 3-डी रिजिड अलीसाईक्लिक आर्मज ऑन टेम्पलेटिड मोलिक्यूलर एग्रीगेशन प्रॉब्लम। आरएससी एडव, 2015, 5, 61249-61257 (आईएफ: 3.84)।

30. सौगत सिन्हा, पंकज गौर, सागरिका देव, शुभ्रकान्ति मुखोपाध्याय, त्रिनेत्र मुखर्जी, सुब्रत घोष । हाइड्राजीन रीस्पॉन्सिव मोलिक्यूलर मटीरियल: ऑप्टिकल सिगनेलिंग एण्ड मशरूम सैल स्टेनिंग । सेन्स. एक्युटेटरज बी: कैमिस्ट्री 2015, 221, 418–426 (आईएफ: 4.1) ।
31. सौगत सिन्हा, पंकज गौर, त्रिनेत्र मुखर्जी, शुभ्रकान्ति मुखोपाध्याय, सुब्रत घोष' एक्सप्लोरिंग 1,4-डाईहाईड्रोक्सीएन्थाक्वीनोन ऐज ए लॉग रेंज इमीशीव रेशोमीट्रिक फल्यूरॉसेंट प्रोब फॉर सिगनेलिंग Zn²⁺/PO4³⁻: एन्सैम्बल यूटीलाईजेशन फॉर लिव सैल इमेजिंग । जे. फोटोकैमिस्ट्री फोटोबायोलॉजी, 2015, 148, 181–187 (आईएफ: 2.96) ।
32. सौगत सिन्हा, पंकज गौर, सागरिका देव, त्रिनेत्र मुखर्जी, जॉन्स मैथ्यु, शुभ्रकान्ति मुखोपाध्याय, सुब्रत घोष* । हाईली फोटोस्टेबल जिंक सलैक्टिव मोलिक्यूलर मार्केट बीअरिंग फलैक्सीबल पीवोटल यूनिट: ऑप्टो फल्यूरॉसेंस एन्हांसमेंट इफैक्ट एण्ड इमेजिंग एप्लीकेशज इन लिविंग सिस्टम । डाल्टन ट्रान्स 2015,44,9506–95015 (आईएफ: 4.2) ।
33. विश्वनाथ कल्याणी, वी.एस.वी. सत्यनारायण, अब्दुस सलाम सरकार, अश्वनी कुमार, सुमन के.पाल, सुब्रत घोष, केन्थ ई. गोन्सेल्वज, छल्लीकाटिल पी. प्रदीप. अ रेडीएशन सेंसिटिव हाईब्रिड पोलिमर बेसड ऑन ऐन एमएन-एंडरसन पोलियोक्सोमेटालेट कल्सटर एण्ड अ यूवी एक्टिव ऑरगेनिक मोनोमर: सिनरजेस्टिक इफैक्टस लीड टू इम्पुवड फोटोकॉरंट इन ए फोटोरीसपॉन्स डीवाईस । आरएससी एडव. 2015,5, 36727–36731 (आईएफ: 3.84) ।
34. विश्वनाथ कल्याणी, वी.एस.वी. सत्यनारायण, विक्रम सिंह, छल्लीकाटिल पी. प्रदीप, सुब्रत घोष, सतिन्द्र के. शर्मा, केन्थ ई. गोन्सेल्वज । न्यू पोलिओक्सोमेटालेटज कंटेंगि हाईब्रिड पोलिमरज एण्ड देयर पोटाशियल फॉर नैनो-पैटर्निंग. कैमिस्ट्री. यूरो जे. 2015,21,2250–2258 . (आईएफ: 5.73) ।
35. वी. कृष्णन, वाई कॉसुया, क्यू. जि, एम. सथिस, एल.के. श्रेष्ठा, एस. ईशीहारा, के. मिनामी, एच. मोरिटा, टी. यामाजाकि, एन. हनागैटा, के. मियाजावा, एस. आचार्या, डब्ल्यू. नाकानिशी, जे.पी. हिल, के. अरिगा, वोरटैक्स- अलाईड फुलीरीन नैनोव्हीसकरज ऐज अ स्कैफोल्ड फॉर ओरिअंटींग सैल ग्रोथ, एसीएस अप्लाईड, मैटर. इंटरफेसिज, 7, 28, 15667–15673, 2015 ।
36. इनवर्स फोटोमिशन स्पेक्ट्रोस्कोपिक स्टडीज ऑन फेज सेपेरेटिड La_{0.2}Sr_{0.8}MnO₃ सोलिड स्टेट कम्पुनिकेशसनज 217 (2015) 70–73 नवनीत सिंह, एम मणिराज, जे. नायक, एस.के. पाण्डे आर. बिन्दु ।
37. एवीडेंस ऑफ स्पिन लैटिस कपलिंग इन MnTiO₃ : ऐन एक्स-रे डिफरेंशियल स्टडी ईपीएल, 110 (2015) 27007 आर.के. मौर्य, नवनीत सिंह, एस.के. पाण्डे और आर. बिन्दु ।
38. ग्रीन सिंथेसिज ऑफ अ पैलाडियम-पोलिनालिन नैनोकम्पोजिट फॉर सुजुकी-मियारा कपलिंग रिएक्शनज इन वाटर, एस. दत्त, आर. कुमार और पी.एफ. सिरिल, आरएससी एडवांसिज 2015, 5, 33786–33791 डीओआई : 10.1039 / सी5आरए05007सी ।
39. कन्ट्रोलिंग द साईज एण्ड मोरफोलॉजी ऑफ ग्रिसीओकुलविन नैनोपार्टिकलज यूजिंग पोलिमरिक स्टेबिलाईजर टू एन्हांस सोल्युबिलिटी एण्ड बायोअवेलेबिलिटी, आर. कुमार और पी.एफ. सिरिल, जर्नल ऑफ नैनोपार्टिकल रीसर्च, 2014, 17 (6), 1–11 ।
40. अल्ट्राफाईन कार्बोमेजीपाईन नैनोपार्टिकलज विद एन्हांसड वाटर सोल्युबिलिटी एण्ड रेट ऑफ डिसोल्यूशन, आर. कुमार एण्ड पी.एफ. सिरिल, आरएससी एडवांसिज, 2014,4 (89), 48101–48108 डीओआई: 10.1039 / सी4आरए08495के
41. गोल्डकोर –पोलिऐनीलाईनशैल कम्पोजिट नैनोवायरज फॉर एसईआरएस एण्ड कैटालिटिक एप्लीकेशनज, एस. दत्त, पी.एफ. सिरिल, विपुल शर्मा और सेलवाकानन पेरीअसैमी न्यू जर्नल ऑफ कैमिस्ट्री, 2015,39,902–908 डीओआई:10.1039 / सी4एनजे01521ई ।
42. मँगनीज ऑक्सलेट नैनोरॉडज ऐज बैलीस्टिक मॉडिफाइर फॉर कम्पोजिट सोलिड प्रोपेलेंटज, एस. सिंह, एम. चावला, पी.एफ. सिरिल और जी. सिंह, थर्मोकिम. एक्टा, 2014,597,85–92 डीओआई: 10.1016 / जे.टीसीए.2014.10.016 ।
43. ए नोवल एप्रोच फॉर द सिंथेसिज ऑफ पोलिनालिन नैनोस्ट्रक्चरज यूजिंग सॉल्वल लिक्यूड क्रिस्टल टेम्पलेटस, एस. दत्त और पी.एफ. सिरिल, मटीरिअल लैटर्ज, 124, 2014, 50–53 । डीओआई: 10.1016 / जे. मैटलट.2014.03.068 ।
44. मोरफोलॉजी कन्ट्रोल सिंथेसिज ऑफ पोलिनालिन नैनो स्ट्रक्चरज यूजिंग सॉल्वल लिक्यूड क्रिस्टल टेम्पलेटस, एस. दत्त और पी.एफ. सिरिल जर्नल ऑफ अप्लाईड पोलिमर साईंस, 131 (18), 2014,15.डीओआई: 10.1002 / एपीपी.40800 ।
45. ऑप्टिमाईज्ड सिंथेसिज ऑफ एचएमएक्स नैनो पार्टिकलज यूजिंग अ सिम्पल री-प्रेसीपिटेशन मैथड, आर. कुमार, पी.एफ. सिरिल और पी. सोनी, जे. एनर्ज. मैटर 33 (4),277–287 ।
46. अ रीमार्क ऑन "स्टडी ऑफ अ लेसली गोवर टाईप ट्राईट्रोफिक पॉपुलेशन मॉडल [चेओस सोलिशनज एण्ड फ्रेक्टलज 14(2002) 1275–1293] " । आर.डी. प्रसाद, नितु कुमारी, एस. कॉआची चेओस सोलिशनज एण्ड फ्रेक्टलज (एलसीवर), भाग 71, पीपी, 22–28, वर्ष (2015) ।
47. टयूरिंग पैटर्नज एण्ड लॉग टाईम बीहेवियर इन अ थ्री सपीसीज फूड चेन मॉडल । आर.डी. प्रसाद, नितु कुमारी, ए. कासिमोव और एच. ए. अब्दरहमानी, मैथेमेटिकली बायोसाईंसिज(एलसीवर), भाग 254, पीपी, 83–102, वर्ष (2014) ।
48. सरिता आज़ाद एस. देबनाथ और एम. राजीवन (2015) अनालाईजिंग प्रीडिक्टिविलिटी इन इंडियन मॉनसून: अ डेटा एनालायटिक एप्रोच.

एन्वायरमेंटल प्रोसेस (सप्रींगर) डीओआई: 10.1007 / एस 40710-015-0108-0 ।

49. पंकज नारुला, सरिता आज़ाद और पाइट्रो लिओ (2015) ए बेसीअन फ़ेमवर्क फॉर एस्टेमेटिंग रीप्रोडक्शन नम्बर इन ट्यूबरकुलोसिस ट्रांसमिशन मॉडल । एशिया पैसिफिक जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ (सेज) डीओआई: 10.1177 / 1010539515595068
50. पंकज नारुला, पी. सिहोता, सरिता आज़ाद और पाइट्रो लिओ (2015) एनालाईजिंग सीजनेबिलिटी एण्ड प्रीडिक्टरज ऑफ ट्यूबरकलॉसिस अक्रोस इंडियन स्टेट्स । जर्नल ऑफ एपिडिमीओलॉजी एण्ड ग्लोबल हेल्थ (एलसीवर), डीओआई: 10.1016 / जे.जेईजीएच. 2015.02.004
51. दीपक शर्मा और सरिता आज़ाद (2015) सलैक्शन ऑफ इंडियाज एनर्जी रीसॉर्सिज: फजी डीसीजन मेकिंग अप्रोच. एनर्जी सिस्टम्ज (सप्रींगर) 6 (3): 439-453
52. एम. वेकेस्वरलु, पी. गौर, आर.आर. कोनर. सेंसर्ज एण्ड एक्युटेटरजबी 2015,210,114 ।
53. पिनाकी मुखर्जी, प्रियंका मनचन्दा, पंकज कुमार, लिन झोउ, मैथ्यु जे. कामर, आरती कश्यप, राल्फ स्कोमस्की, डेविड सैलमायर और जेफरी ई. शील्ल, "साईज इन्डयूस्ड कैमिक्ल एण्ड मैगनेटिक ऑर्डरिंग इन इंडिविजुअल FeAu नैनोपार्टिकल्ज", एसीएस नैनो, 2014, 8(8), पीपी 8113-8120 ।
54. पी. कुमार, ए. कश्यप भा.प्रौ.सं. मण्डी), बी, बालामुरुगन, जे. ई. शील्ल, और डी.जे. सैलमायर और आर. सकोमस्की (यूएनएल) "परमानेंट मैगनेटिज्म ऑफ इंटरमेटालिक कम्पाउंड्स बीटवीन लाईट एण्ड हैवी ट्रांजीशन-मैटल एलीमेंट्स", जर्नल ऑफ फिजिक्स: कन्डेस्ड मैटर 26, 064209 (2014) ।
55. एल.एच. लीविस, ए. मुबारक, ई. पोईररि, एन. बोरडीओक्स (एनडब्ल्यू यूनि.) और पी. मनचन्दा, ए. कश्यप (भा.प्रौ.सं. मण्डी), और आर. सकोमस्की (यूएनएल) और जे. गोल्डस्टीन, एफ.ई. पिंकर्टन, आर.के. मिश्रा, आर.सी. कुबिक जनरल, के. बारमैक (इओवा स्टेट यूनि. एमज) "इन्सपायरड बाई नेचर: इन्वेस्टिगेटिंग टेट्राटेनाईट फॉर परमानेंट मैगनेट एप्लीकेशनज", जर्नल ऑफ फिजिक्स: कन्डेस्ड मैटर 26 (6), 064213 (2014) ।
56. पी. मनचन्दा, आर. सकोमस्की, ए. प्रभाकर, ए. कश्यप मैगनेटोइलैक्ट्रिक इफैक्ट इन Fe लाईनर चेन्ज ऑन Pt (001)" जर्नल ऑफ अप्लाइड फिजिक्स 115(17),17सी 733 (2014) ।
57. पी. मनचन्दा, ए. कश्यप जे.ई. शील्ल, एल.एच.लीविस, आर. सकोमस्की "मैगनेटिक प्रॉपर्टीज ऑफ Fe डोपड MnAl", जर्नल ऑफ मैगनेटिज्म एण्ड मैगनेटिक मटीरियल्ज 365, 88 (2014) ।
58. पी. मनचन्दा, आर. सकोमस्की, एन बोरडीओक्स, एल.एच. लीविस,ए. कश्यप "ट्रांजीशन-मैटल एण्ड मेटालॉयड सबस्टीच्युशनज इन एल10-आर्डड FeNi", जर्नल ऑफ अप्लाइड फिजिक्स 115 (17), 17ए 710 (2014) ।
59. पंकज कुमार, राल्फ सकोमस्की, पी. मनचन्दा, ए. कश्यप और पी.ए. डोबन "इफैक्टिव मास एण्ड बैण्ड गैप इन स्ट्रेंड ग्राफीन" करंट अप्लाइड फिजिक्स, 14,एस136 (2014) ।
60. मैगनीटिज्म एण्ड मैगनेटोफिस्टेलीन एनीसोट्रोपी इन लो-डाइमेशनल Rh और Ir पी. कुमार, आर. सकोमस्की,ए. कश्यप आईईईई ट्रांजीक्शनज ऑन मैगनेटिकस, 50,1100204 (2014) ।
61. मैगनेटोइलैक्ट्रिक कन्ट्रोल ऑफ सरफेस एनीसोट्रोपी एण्ड न्युकलीएशन मोडज इन L10-Copt थिन फिल्मज पी. मनचन्दा, पी. कुमार, एच. फंगोर, डी.जे. सैलमायर,ए. कश्यप और आर. सकोमस्की आईईईई मैगनेटिकस लैटर्ज 5, 2500104 (2014) ।
62. स्ट्रेन एण्ड स्ट्रेस इन मैगनेटोइलैस्टिक Co-Pt मल्टीलेयरज पी. मनचन्दा, यू. सिंह, एस. एडेनवाला, ए. कश्यप और आर. सकोमस्की आईईईई ट्रांजीक्शनज ऑन मैगनेटिकस, 50, 2504804(2014) ।

सम्मेलनों में उपस्थिति और प्रकाशित पत्र

1. चयन कान्ति नन्दी, "अनरीवेलिंग द ओरिजन ऑफ मल्टीकलर फलयूरासेंस ऑफ कार्बन डॉटस: फरॉम सेल्फ असेम्बली टू सिंगल मोलिक्यूल लेवल" एडवांस इन स्पेक्ट्रोस्कोपी एण्ड अल्ट्राफास्ट डायनेमिक्स (एएसयूडी 2014), 12–14 दिसम्बर 2014 ।
2. स्यामंतक खान, नवनीत चन्द्र वर्मा, अभिषेक गुप्ता और चयन कान्ति नन्दी "फोटोडाइनामिक्स ऑफ कार्बन नैनोपार्टिकलज" एडवांस इन स्पेक्ट्रोस्कोपी एण्ड अल्ट्राफास्ट डायनेमिक्स (एएसयूडी 2014), 12–14 दिसम्बर 2014 ।
3. नवनीत चन्द्र वर्मा, स्यामंतक खान, अभिषेक गुप्ता और चयन कान्ति नन्दी नैनोपार्टिकल ऐट द एयर वाटर इंटरफेस । एडवांस इन स्पेक्ट्रोस्कोपी एण्ड अल्ट्राफास्ट डायनेमिक्स (एएसयूडी 2014), 12–14 दिसम्बर 2014 ।
4. सुनील दत्त और प्रेम फेलिक्स सिरिल* "पोलिनालिन नैनोस्ट्रक्चरज यूजिंग स्वॉलन लिक्वूड क्रिस्टल ऐज 'सॉफ्ट' टैम्पलेट फॉर गलूकोज बायोसेंसिंग एप्लीकेशनज" । सूक्ष्म संरचना सामग्री और सूक्ष्म यौगिकों (आईसीएनएम-2014), 19–21 पर द्वितीय अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन दिसम्बर 2014, महात्मा गान्धी विश्वविद्यालय, कोट्टयम ।
5. राज कुमार और प्रेम फेलिक्स सिरिल* "पोलिविनाइल एल्कोहल स्टेबिलाइज्ड ग्रिसिओफलविन नैनोपार्टिकलज प्रेपरेशन एण्ड करैक्टराईजेशन" आधुनिक उन्नत सूक्ष्म विज्ञान और सूक्ष्म प्रौद्योगिकी पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन 2014 (आईसीआरएनएन-2014), 15–16 दिसम्बर, जेएनयू, नई दिल्ली, भारत ।
6. राजकुमार और प्रेम फेलिक्स सिरिल*, "इवैपोरेशन असिसटिड सोलवेंट-एन्टीसोलवेंट इंटरैक्शन मैथड फॉर प्रेपरेशन अल्ट्राफाइन नैनोपार्टिकलज ऑफ पूअरली वाटर सोल्यूबल ड्रग्स" 7वां बंगलौर भारत नैनो, 5–6 दिसम्बर, 2014, होटल ललित अशोक, बंगलौर, भारत ।
7. त्रिपति वत्स, सुनील दत्त और प्रेम फेलिक्स सिरिल*, "ए नोवल अप्रोच टुवर्डज द सिंथेसिज ऑफ ग्राफेन/पैलाडीयम नैनोपार्टिकल कम्पोजिट विद एन्हांसड कैटालिटिक प्रोपर्टीज यूजिंग स्वॉलन लिक्वूड क्रिस्टल 'सॉफ्ट टैम्पलेटस' 7वां बंगलौर भारत नैनो, 5–6 दिसम्बर 2014, होटल ललित अशोक, बंगलौर, भारत ।
8. मोहित चावला और प्रेम फेलिक्स सिरिल*, "मोरफोलॉजी कन्ट्रोल्ड सिंथेसिज ऑफ नोबल मेटल नैनोस्ट्रक्चरज एण्ड नैनोकम्पोजिटस यूजिंग स्वॉलन लिक्वूड क्रिस्टल टेम्पलेटस" इलैक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 9–11 जुलाई, 2014, दिल्ली विश्वविद्यालय, भारत ।
9. डॉ. मुस्लिम मलिक, अलजेब्रा, जीओमेट्री, एनालायसिस और उनके अनुप्रयोगों (आईसीएजीएजीए –14) पर दिनांक 27 नवम्बर, 2014 को जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन ।
10. डॉ. मुस्लिम मलिक, एप्लीकेशनज ऑफ फंक्शनल एनालायसिस टू अ डिफरेंशियल इक्वेशन विद डेविएटिड आरगुमेंट नामक शीर्षक पर जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में वार्ता की ।
11. डॉ. मुस्लिम मलिक, एडवांसड वर्कशॉप ऑन हाईपरबोलिक पीडीइज: सिद्धान्त, सांख्यिक और अनुप्रयोग पर और पार्शियल डिफरेंशियल इक्वेशनज पर सम्मेलन, सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान, जयपुर, दिसम्बर 01–11, 2014 ।
12. डॉ. रजनीश गिरि ने जैव भौतिक विज्ञान और भारतीय जैव भौतिकी समाज की स्वर्ण जयंति बैठक में दिनांक 14–17 फरवरी, 2015 को नई दिल्ली, भारत में एक आमंत्रित व्याख्यान में भाग लिया। (एबसट्रैक्ट शीर्षक: सट्रक्चर-फंक्शन-पैराडीगम से संरचना रहित प्रोटीन और डेविएशनज)
13. डॉ. रजनीश गिरि ने भा.प्रौ.सं. कानुपर में दिनांक 13–15 मार्च, 2015 को आयोजित जैव प्रौद्योगिकी में प्रगति पर 5वें अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में एक आमंत्रित व्याख्यान में भाग लिया। (एबसट्रैक्ट शीर्षक: मध्यावर्ती अव्यवस्थित प्रोटीन: ए केस ऑफ डिसऑर्डर्ड पैटर्नज ऑफ KIX)

लोक सम्पर्क कार्यक्रम

1. डॉ. प्रदीप सी. परमेश्वरन ने दिनांक 29 दिसम्बर, 2014 को रसायन स्कूल, विश्वविद्यालय हैदराबाद में पोलिओक्सोमेटालेटस/पोलिमर हाईब्रिडज फॉर नैनो-पैटर्निंग एप्लीकेशनज पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया ।
2. डॉ. प्रदीप सी. परमेश्वरन ने दिनांक 27–28 मई, 2014 के दौरान भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी में पोलिओक्सोमेटालेटस बेसड हाईब्रिड कोपोलिमरस फॉर नैनो-पैटर्निंग एप्लीकेशनज पर उन्नत सामग्री पर राष्ट्रीय सम्मेलन में व्याख्यान दिया ।
3. डॉ. वेंकट कृष्णन ने डॉ. अनिरुद्ध चक्रवर्ती द्वारा जुलाई 2014 में शूलिनी विश्वविद्यालय, सोलन, हिमाचल प्रदेश, भारत में आयोजित डीएसटी-आईएनएसपीआईआरई कार्यक्रम में द स्ट्रेंज एण्ड बियुटिफुल वर्ल्ड ऑफ क्वांटम मकेनिक्स पर व्याख्यान दिया । एक संरक्षक के रूप में छात्रों को अभिप्रेरित किया और दिनांक 24 सितम्बर, 2014 को पालमपुर स्कूल के छात्रों के लिए डीएसटी आईएनएसपीआईआरई प्रशिक्षु कैम्प में व्याख्यान दिया ।
4. डॉ. वेंकट कृष्णन ने दिनांक 24 नवम्बर से 25, 2014 तक जवाहर नवोदय विद्यालय पण्डोह में आयोजित राष्ट्रीय बाल विज्ञान सम्मेलन हेतु स्कूली

छात्रों द्वारा बनाई गई योजनाओं के आकलन के लिए निर्णायक पेनल में भाग लिया।

5. डॉ. वेंकट कृष्णन ने दिनांक 9 अप्रैल, 2014 को ग्रामीण विकास विभाग, शिमला, भारत में "सोलिड और लिक्विड वेस्ट मैनेजमेंट" पर आयोजित कार्यशाला में एक रिसोर्स व्यक्ति के रूप में भाग लिया और "वेस्ट मैनेजमेंट" नामक शीर्षक पर व्याख्यान दिया।
6. डॉ. वेंकट कृष्णन ने दिनांक 20 नवम्बर से 22, 2014 तक नोएडा, भारत में आयोजित नोलेज एक्सपो 2014 में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी का प्रतिनिधित्व किया और एक स्टॉल का प्रबन्ध किया।
7. डॉ. वेंकट कृष्णन ने सभी भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान की यूबीए भा.प्रौ.सं. दिल्ली, भारत में आयोजित बैठक में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी का प्रतिनिधित्व किया और "उन्नत भारत अभियान हेतु दृष्टिकोण" नामक शीर्षक पर व्याख्यान दिया।
8. डॉ. वेंकट कृष्णन ने वोरसेस्टर पोलिटेक्नीक संस्थान, यू.एस.ए. में 8 दिन (5 फरवरी से 13, 2015 तक) बिताये और संकाय के साथ सामाजिक-तकनीकी सम्बन्ध की परियोजनाओं पर चर्चा की। उन्होंने दिनांक 11 फरवरी, 2015 को "भा.प्रौ.सं. मण्डी: प्रोजेक्ट एण्ड लाईफ इन हिमालयन रीजन" नामक शीर्षक पर वार्ता की।

अन्य उपलब्धि

1. डॉ. प्रदीप सी. परमेश्वरन को "बीएमबीएफ वित्त पोषित भा.प्रौ.सं. मण्डी-टीयू9 जर्मनी संकाय आदान-प्रदान कार्यक्रम 2015" में आरडब्ल्यूटीएच एकन विश्वविद्यालय में जाने के लिए चयनित किया गया है। "डीवेलपमेंट ऑफ जीलेटर सिस्टम्ज फरॉम बायो-कम्पैटिबल मटीरियल्ज फॉर माइक्रोबबल्ज बेसड ड्रग डिलिवरी एण्ड अल्ट्रासाउंड इमेजिंग एप्लीकेशनज" पर डॉ० परमेश्वरन और एक्सपरीमेंटल मोलिक्यूलर इमेजिंग (ईएक्स एमआई), आरडब्ल्यूटीएच विश्वविद्यालय के प्राध्यापक फेबिअन किस्सलिंग का दल एक संयुक्त अनुसन्धान कार्यक्रम में काम कर रहे हैं।
2. डॉ. रिक रानी कोनर को भा.प्रौ.सं. मण्डी टीयू9 योजना के अन्तर्गत प्रोफेसर ऐनी पॉवेल के साथ अनुसन्धान सहयोग हेतु बीएमबीएफ अधिछात्रवृत्ति से सम्मानित किया गया।

मानविकी और सामाजिक विज्ञान स्कूल

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों के पूर्व स्नातक अभियांत्रिकी पाठ्यक्रम में मानवतावादी विषयों की भूमिका और कार्य एक अपरिहार्य भाग के रूप में सर्वत्र सम्मानित है। शिल्प विज्ञानी को व्यक्तिगत उत्कृष्टता और समाज में सुखद सामंजस्य के युग्मित लक्ष्य को प्राप्त करने के सहायतार्थ मानवीय विषयों को अविलम्ब, व्यावहारिक, व्यावसायिक अपेक्षाओं को सामान्य उदारवादी शिक्षा के अधिभावी दावों को अनदेखा किये बिना संयोजित करने की आवश्यकता है। मानविकी और सामाजिक विज्ञान की पाँच धाराओं में परिव्याप्त तेरह क्रेडिटस सम्मिलित हैं। जैसे कि क) एक क्रियात्मक धारा, ख) अन्तर्राष्ट्रीय भाषा योग्यता, ग) प्रसारण योग्यता, घ) सामाजिक योग्यता तथा ङ) प्रबन्धक योग्यता है। गत वर्ष ने संकाय के राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय पत्रिका में कुछ प्रकाशन, विशिष्ट अधिष्ठात्रवृत्ति के अतिरिक्त कुल 50 लाख रू० का अनुदान देखा है। मानविकी और सामाजिक विज्ञान के संकाय ने अपने को बहु विषयक सामाजिक-तकनीकी व्यवहार्य, एक तृतीय वर्ष का पाठ्यक्रम जो वोरसेस्टर बहु शिल्प संस्थान (यूएसए) के संयोग से चल रहा है, अभियांत्रिक को सामाजिक तकनीकी सम्बन्धी समस्याओं के समाधान के लिए योग्य बनाता है।

संकाय

डॉ. अशोक कुमार एम

अध्यक्ष,

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: भारत में सामाजिक विज्ञान धर्म,

जाति तथा ईसाई धर्म

भा.प्रौ.सं. बाम्बे से पी.एच.डी.

गृहनगर: तेनाली, आन्ध्र प्रदेश

दूरभाष: 01905-237928

ई-मेल: ashok

प्रो. बालासुन्दरम सुब्रमण्यन

अभ्यागत प्राध्यापक

विशेषज्ञता : जर्मन अध्ययन व राजनीतिक

दर्शनशास्त्र

वर्ष 1981 में जर्मन अध्ययन में पी.एच.डी.

गृह नगर: बेलाचारी, चिन्नई

दूरभाष: 01905-237996

ई-मेल: bs

डॉ. भवेन्द्र पाल

अनुबन्ध प्राध्यापक

विशेषज्ञता: प्रबन्धन कार्यनीति, प्रबन्ध

सम्बन्धी वित्त, जीव विज्ञान एवम् औषधियों

से सम्बन्धित तकनीक

पीएचडी: जीव रसायन,

ई. रट्जरज यू. न्यू ब्रन्सविक, एनजे 77, एम.बी.ए.

सायराक्यूज यू. सायराक्यूज एन वाई' 85

गृह नगर: सैन माट्यो, सी.ए. यूएसए

(मूलतः पटियाला, पंजाब)

दूरभाष : 01905-237998

ई-मेल: bp

डॉ. मनु वी. देवादेवन

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता : दक्षिण एशिया में साहित्यिक

अनुशीलन, और राजनीतिक पूर्व-आधुनिक

दक्षिण एशिया में तथा दक्षिण एशियन

एपिग्राफी में राजनीतिक तथा आर्थिक

प्रणालियां

मंगलौर विश्वविद्यालय से पी.एच.डी.

मंगलागंगोथरी, मैंगलौर

दूरभाष : 01905-237908

ई-मेल: manu

डॉ. रमना देवी ठाकुर

अभ्यागत सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता : प्रगतिशील अर्थशास्त्र

हि.प्र.वि. शिमला से पी.एच.डी.

गृह नगर: मण्डी

दूरभाष: 01905-237918

ई-मेल: ramna

डॉ. राजेश्वरी दत्त

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: उन्नीसवीं शताब्दी युकाटान,

मैक्सिको में देशज संस्कृति तथा राजनीति

वर्ष 2012 में कार्नेगाई मैलोन विश्वविद्यालय (यूएसए) से पी.एच.डी.

गृह नगर: कलकत्ता, पश्चिमी बंगाल

दूरभाष: 01905-237919

ई-मेल: rdutt

डॉ. शैल शंकर

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: पहचान तथा समूह गतिविज्ञान,
स्वास्थ्य व तन्दरूस्ती

इलाहाबाद विश्वविद्यालय से पी.एच.डी.

गृह नगर: दियोरिया

दूरभाष: 01905-237912

ई-मेल: shail

श्रीमती सारा लैडैस

अभ्यागत जर्मन अनुदेशक

विशेषज्ञता: जर्मन और रोमन दर्शन

गृह नगर: वेल डैर स्टैडट/स्टुटगार्ट

दूरभाष: 01905-237918

ई-मेल: sara

श्रीमती वन्दना चौहान

अभ्यागत जर्मन अनुदेशक

विशेषज्ञता: जर्मन भाषा

गृह नगर: दिल्ली

डॉ. सुमन

सहायक प्राध्यापक

विशेषज्ञता: उपनिवेशवाद पश्च
—उपनिवेशवाद, साम्राज्यवाद

तथा प्रेम-प्रसंग साहित्य

भा.प्रौ.सं. दिल्ली से पी.एच.डी.

गृह नगर: फरीदाबाद

दूरभाष: 01905-237994

ई-मेल: suman.sigroha

डॉ. त्रिपति सिंह

शिक्षण सहयोगी

विशेषज्ञता: भारतीय अंकीय कलाएं,

मानस दर्शन, नयी मीडिया कलाएं और

दृष्टि सम्बन्धी विषय का विकास

वर्ष 2011 में बनस्थली विश्वविद्यालय से पी.एच.डी.

गृह नगर: कानपुर

दूरभाष: 01905-267053

ई-मेल: tripti

डॉ. वरुण दत्त

सहायक प्राध्यापक (संयुक्त नियुक्ति)

विशेषज्ञता: पर्यावरण सम्बन्धी निर्णय देना,

कृत्रिम ज्ञानता, मानवीय कम्प्यूटर परस्पर वार्तालाप

वर्ष 2011 में कार्नेगाई मैलोन विश्वविद्यालय (यू.एस.ए.) से पी.एच.डी.

गृह नगर: लखनऊ, उत्तर प्रदेश

दूरभाष: 01905-237932

ई-मेल: varun

बाह्य प्रायोजित अनुसन्धान परियोजनाएं

क्रमांक	प्रायोजित परियोजना संस्थान	शीर्षक	अन्वेषक	परियोजना लागत (लाखों में)	परियोजना की अवधि
1	यू.जी.सी. स्वीकृति की दिनांक: 01.10.14 समाप्ति की दिनांक: 30.09.17	दक्षिणी भारत में 16वीं शताब्दी पुनर्जागरण काल	डॉ. मनु वी. देवादेवन	48,00,000	3 वर्ष
2	स्वीकृति की दिनांक: 15.12.12 समाप्ति की दिनांक: 15.12.15	मानविकी और सामाजिक विज्ञान हेतु सर्वसमावेशी पाठक	प्रो. बी. सुब्रमण्यन	5,00,000	3 वर्ष

प्रकाशनों की सूची

1. **बी. सुब्रमण्यन**, "दास पासटकाथरटिस्की मूमेन्ट मॉडर्नर ऐस्सेसटिक. जुम ऐस्से "डेर ब्लाईड स्कूटज" इन स्टुडिया जर्मनिका गिडेनेसिया, 2015।
2. **बी. सुब्रमण्यन**, "अलेक्जेंडर वोन हमबोडटस ट्रेवेलोग। ए कन्वीनेंट व्हीकल फॉर मिससैल्लैनीअस डीसकशनज? जर्नी ऐज फिलोसफीम इन हम्बोल्डट एण्ड डारविन।" इनले सोइट ले कॉस्मस डी' अलेक्जेंडर वोन हमबोडट ए नोअस जोरज। ईडी. सोराया नोरसकैल एण्ड डेमिन इरहारडेट. डंकर एण्ड हम्बोल्ट, बर्लिन 2015।
3. **बी. सुब्रमण्यन**, "इंजीनियरिंग ऐजुकेशन इन इंडिया. ए कम्परहेंसिव ओवरवियु" इन क्रिस्टेनसेन, एस.एच. डिडिअर, सी; जेमसन, ए.; मैगांक, एम; मिटचैम, सी.; न्यूबेरी, बी. (ईडीएस.) इंटरनेशनल परसपैक्टिव ऑन इंजीनियरिंग ऐजुकेशन: "इंजीनियरिंग ऐजुकेशन एण्ड प्रैक्टिस इन कन्टैक्सट. भाग 1. स्प्रिंगर साईस + बिजनेस मीडिया बी.वी. हेडलबर्ग / न्यूयॉर्क / लंदन 2015।

पुस्तक अध्याय / विश्वकोष में प्रविष्टियां

1. मनु वी. देवादेवन, ऐनसाइक्लोपीडिया ऑफ द हिस्टरी ऑफ साईस, टेक्नोलॉजी, एण्ड मेडिसिन इन नॉन-वेस्टर्न कल्चरज, स्प्रिंगर, न्यू यॉर्क, 2015।

सम्मेलन

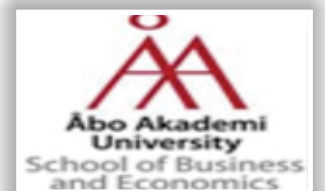
1. बी. सुब्रमण्यन, डेर ऐस्से इम जेइकन डेर मॉडरेन एन्यूल कॉन्फ्रेंस ऑफ गोइथी सोसाइटी ऑफ इंडिया, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, फरवरी 2015।
2. बी. सुब्रमण्यन, रिलकस डुइनसर ऐलजिन ऑस डेर परसपैक्टिव डैर ऑसटलिचन मिसटिक जीआईजी एवं मुम्बई विश्वविद्यालय, मुम्बई, दिसम्बर 2014।
3. बी. सुब्रमण्यन, डैस पोस्टकाथरटिसची मुमेंट मॉडर्नर ऐस्सेइसटिक. जुम ऐस्से "डैर ब्लाईडीस्कूटज वोन रूडोल्फ कैसनर।" कान्फ्रेंस ऑन डैर डीयुटसचसप्रेिंग ऐस्से अण्ड ऐरसजीमस वोन डैर मोमांटिकबीसजुर (पोस्ट-) मॉडरेन, गडांसकविश्वविद्यालय, गडांसक, जून 2014।
4. राजेश्वरी दत्त, "बीटवीन टू वल्डज: ब्रिटीश एण्ड द माया इन नाइनटीथ सेंचरी बेलाइज" द ब्रिटीश सकॉलर सोसाइटीज ब्रिटेन एण्ड द वल्ड कॉन्फ्रेंस, ऑस्टिन, 4 अप्रैल, 2015।
5. राजेश्वरी दत्त, "टीचिंग अकॉसकल्चरज एण्ड प्लेस: वल्ड हिस्टरी इन द यूएस एण्ड इंडियन कलासरूमज", अमेरिकन हिस्टोरिकल एसोसिएशन कॉन्फ्रेंस, न्यूयॉर्क, 4 जनवरी, 2015।

अधिष्ठात्रवृत्ति / सम्मान

1. बी. सुब्रमण्यन, "गोइथी-फेलो, इंटरनेशनल गोइथी सोसाइटी वीमार", 2014।
2. बी. सुब्रमण्यन, "इलैक्टिड इंटरनेशनल रीप्रेजेन्टेटिव ऑफ जीआईजी (गोसेलस्कैफटफरींटेरकुलटरेलै जर्मनेस्टिक)", 2014।
3. रमना, 'ईआरएसएमयूएस एमयूएनडीयूएस' अभ्यागत अनुसन्धान अधिष्ठात्रवृत्ति, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय, यू.के., 2015।

सहमति ज्ञापन

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी और विदेशी संस्थानों के मध्य सहयोग



विदेशों में स्थित संस्थानों के साथ भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी की अन्तर्राष्ट्रीय गतिविधियां

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (भा.प्रौ.सं.) मण्डी अन्तर्राष्ट्रीय स्नातक, स्नातकोत्तर और पी.एच.डी. छात्रों को भा.प्रौ.सं. मण्डी में एक वर्ष तक की अवधि व्यतीत करने का अवसर प्रदान करता है। भा.प्रौ.सं. मण्डी आने से अन्तर्राष्ट्रीय छात्र संस्थान के संकाय के साथ अन्तर्राष्ट्रीय सहयोगात्मक अनुसन्धान के विषयों पर काम कर सकते हैं जिसमें संस्थानात्मक, धार्मिक और राष्ट्रीय हित सम्मिलित हैं। भा.प्रौ.सं. मण्डी संकाय को अध्यापन और अनुसन्धान के लिए अन्तर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय में कुछ समय बिताने का अवसर प्रदान करता है। आजकल भा.प्रौ.सं. मण्डी स्नातक, स्नातकोत्तर और पी.एच.डी. स्तर पर संगणक अभियांत्रिकी, विद्युत अभियांत्रिकी, सिविल अभियांत्रिकी, यांत्रिकी अभियांत्रिकी, आधार विज्ञान, मानविकी और सामाजिक विज्ञान जैसे विषयों में व्यस्त है। उन विश्वविद्यालयों के साथ जिनका भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी के साथ वर्तमान में सहमति ज्ञापन (एमओयू) / करार हुआ है, छात्रों और संकाय की अदली-बदली हेतु नियम और शर्त (एमओयू) / करार के अनुसार निर्धारित होगी। उन अन्तर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के छात्रों और संकाय के लिए जिनका भा.प्रौ.सं. मण्डी के साथ (एमओयू) / करार नहीं हुआ है, अदली-बदली नियम और शर्त, आईपीआर और वित्तीय पैटर्न को निर्मित करने की आवश्यकता है।

भा.प्रौ.सं. मण्डी ने वोरसेस्टर पोलिटेक्नीक संस्थान (डब्ल्यूपीआई), यूएसए, के साथ वर्तमान एमओयू के प्रयोग से 21 अवर स्नातक छात्रों का दल डब्ल्यूपीआई से दो महीनों के लिए मध्य मार्च, 2015 से मई, 2015 के मध्य तक आमन्त्रित किया। इन छात्रों ने इतनी ही संख्या में भा.प्रौ.सं. मण्डी के अवर स्नातक छात्रों के साथ मिलकर कमान्ड, मण्डी के स्थानीय समुदाय की सामाजिक-आर्थिक समस्याओं के समाधान के लिए कार्य किया। इसके अतिरिक्त भा.प्रौ.सं. मण्डी के दो छात्रों ने अप्रैल, 2014 और अगस्त, 2014 की अवधि में एक समैस्टर के लिए एचईएस-एसओ, हॉटे मकोले डु पेसेज, डी इनजीनिरि एट डी आर्किटेक्चर डी जीनीव (एचईपीआईए) में समय बिताया। एचईपीआईए के इन दोनों छात्रों ने अपने नमूने पर भा.प्रौ.सं. मण्डी के संकाय के संरक्षण में कार्य किया। इसके अतिरिक्त 2014 में भा.प्रौ.सं. मण्डी के पास निम्नलिखित प्रत्येक संस्थाओं से एक छात्र था—दुरहम विश्वविद्यालय, यू.के. बेनिन विश्वविद्यालय, नाइजरिया, जॉर्ज-अगस्त यूनिवर्सिटी गौटिंगटन, जर्मनी और एशियन प्रौद्योगिकी संस्थान, थाईलैंड।

दिनांक 26 सितम्बर से 27 सितम्बर 2014 को भा.प्रौ.सं. मण्डी और टीयू9 जर्मनी ने “एमरजिंग सेमीकंडक्टर टेक्नॉलोजीज” आईईसीआरएआईटीएस-2014 पर दिनांक 26-27 को संस्थान के कमान्ड परिसर में सहयोगात्मक कार्यशाला आयोजित की। इस सहयोगात्मक सम्मेलन का लक्ष्य सेमीकंडक्टर के क्षेत्रों, विशेषकर माइक्रो/नैनो इलेक्ट्रॉनिक्स, वीएलएसआई प्रौद्योगिकी और आगामी सहयोग को अधिक विस्तृत करना है।

इसके अतिरिक्त गत वर्ष में शैक्षिक अदला-बदला के अन्तर्गत भा.प्रौ.सं. मण्डी के स्नातक और अवर स्नातक छात्र कई ईयू संस्थानों में गये। इन यात्राओं में शामिल है: टीयू9 म्युनिख को 9 छात्र, टीयू आकेन को 2 छात्र, बलीकिंग प्रौद्योगिकी संस्थान, कार्लस्केरोना, स्वीडन को 5 छात्र, टीयू बर्लिन को 1 और 1 छात्र भारतीय सरकार के युवा प्रतिनिधिमण्डल के प्रतिनिधि के रूप में चीन गया। 2014 डीएएडी-डब्ल्यूआईएसई छात्रवृत्ति के अन्तर्गत दो छात्र अपने ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण हेतु जर्मन गये। उनमें से एक छात्र फ़िडरिग-अलेक्जेंडर यूनिवर्सिटी एरलैंजननुरबर्ग और दूसरा टीयू9, बर्लिन गया। एक स्नातक का छात्र ब्रिटिश एक्सपर्ट्स 4 एशिया छात्रवृत्ति के अन्तर्गत ऑक्सफोर्ड भी गया।

वर्ष 2014 में भा.प्रौ.सं. मण्डी के प्राध्यापक अन्तर्राष्ट्रीय सहभागियों से शैक्षिक सहयोग बढ़ाने के लिए ई.यू. संस्थानों में भी गये। इन यात्राओं में कुछ इस प्रकार से हैं— टीयू ड्रेसडन को प्रो. बी. सुब्रमण्यन (मानविकी और सामाजिक विज्ञान स्कूल), टीयू9 म्युनिख को डॉ. वरुण दत्त (संगणक और विद्युत अभियांत्रिकी स्कूल तथा मानविकी और सामाजिक विज्ञान स्कूल), टीयू स्टुटगर्ट को डॉ. सतिन्द्र कुमार शर्मा (संगणक और विद्युत अभियांत्रिकी) और डॉ. तुलिका पी. सरिवास्तवा, टीयू बर्लिन को डॉ. आरती कश्यप (आधारभूत विज्ञान स्कूल और संगणक और विद्युत अभियांत्रिकी स्कूल) और लिबनिज यूनिवर्सिटी हैनओवर को डॉ. राजीव कुमार। अन्ततः वर्ष 2014 में डीन (सरिक) डॉ. प्रेम फेलिक्स सिरिल और भा.प्रौ.सं. मण्डी के निदेशक, प्रो. तिमोथी ए. गोन्सेल्वज अध्यापन और अनुसन्धान सहयोग बढ़ाने हेतु कई तकनीकी संस्थानों में गये।

इसके अतिरिक्त, वर्ष 2014 में उच्च शिक्षा संस्थान फिनिश संघ और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, भारत (जिसमें भा.प्रौ.सं. मण्डी सम्मिलित है।) के बीच सहमति ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर हुये। इस सहमति ज्ञापन के अन्तर्गत सहयोगात्मक सामान्य प्रपत्र देखे जा सकते हैं— अनुसन्धान, शिक्षण, अध्ययन और चर्चा के लिए संकाय, कर्मचारी और छात्रों की यात्राएं और अन्तः-परिवर्तन, सामग्री का लेन-देन, प्रकाशन, सूचना संयुक्त शिक्षा और अनुसन्धान गतिविधियां और संयुक्त अनुसन्धान सम्मेलन और अन्य कार्यक्रम। वर्तमान में, इस सहमति ज्ञापन के अन्तर्गत भा.प्रौ.सं. मण्डी फिनिश संस्थानों के साथ छात्र आदान-प्रदान पर चर्चा कर रहा है।

चित्र:-



डॉ. प्रेम फिलिक्स सिरिल और भा.प्रौ.सं. मण्डी के निदेशक के साथ श्री फिलिप-जॉर्ज स्टीफन और डॉ. हीको रिचकर की बैठक



कमान्द परिसर में एआई-एनकेएन कक्षा के कमरे में प्रस्तुति देते हुये श्री फिलिप-जॉर्ज



डॉ. आरती कश्यप की बर्लिन शहर में टीयू बर्लिन यात्रा



आईएसटीपी 2015 हेतु डब्ल्युपीआई छात्र दल की भा.प्रौ.सं. मण्डी यात्रा



टीयूएम अन्तर्राष्ट्रीय सप्ताह, 2014 में भा.प्रौ.सं. मद्रास के साथ भा.प्रौ.सं. मण्डी का प्रतिनिधित्व करते हुये डॉ. वरुण दत्त

अनुसन्धान सुविधाएं

उन्नत सामग्री अनुसन्धान केन्द्र (एएमआरसी)

विशेष रूप से अभियांत्रिकी उपकरणों हेतु उन्नत सामग्री का विकास अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा के लिए एक आलोचनात्मक क्षेत्र है। इस प्रयास में भा.प्रौ.सं. मण्डी ने विद्युत, इलेक्ट्रॉनिक्स, जैव विज्ञान तथा अन्य प्रयोगों हेतु ऐसी प्रयोगशालाओं की स्थापना द्वारा जिसमें संश्लेषण और चरित्र-चित्रण सुविधाएं परिपूर्ण हों, बहु विषयक नवीन सामग्री अनुसन्धान कार्य आरम्भ किया है। भा.प्रौ.सं. मण्डी ने पहले ही अनुसन्धान गतिविधियों को चलाने के लिए आधारभूत उपकरणों और सुविधाओं सहित पूर्णतया कार्यात्मक संश्लेषण और लक्षण वर्णन वाली प्रयोगशालाओं को स्थापित किया है। इसके अतिरिक्त एक उन्नत सामग्री अनुसन्धान केन्द्र (एएमआरसी) व एक केंद्रीकृत अनुसन्धान सुविधा को नये परिसर के सोद्देश्य निर्मित भवन में स्थापित किया गया है। एएमआरसी में अनुसन्धान कर्ता सामग्री के आधारभूत ढांचे का अन्वेषण करते हैं तथा विद्युत, इलेक्ट्रॉनिक्स, जीव विज्ञान और अन्य प्रयोगों के लिए नवीन सामग्री का विकास करते हैं। एएमआरसी में लगभग 45 पी.एच.डी. विद्वान और 10 पोस्टडॉक्टरेट अनुसन्धान कर्ता जो बहु विषयक दल में 20 संकाय सदस्य के नेतृत्व में सेवा करते हैं। इसके अतिरिक्त इसकी सुविधाओं का उपयोग लगभग 40 एमएससी (रसायन) और एम. टैक. (ऊर्जा सामग्री) के छात्र अपने शैक्षिक पाठ्यक्रम के एक भाग के रूप में करते हैं।

एएमआरसी सामग्री अनुसन्धान के लिए अनेक प्रकार के अत्याधुनिक उपकरणों से परिपूर्ण हैं जिसमें (i) हाई रेजोल्यूशन पाउडर एक्स रेडिफरैक्टोमीटर, (ii) सिंगल क्रिस्टल एक्स रे डिफरैक्टोमीटर, (iii) हाईरेजोल्यूशन ट्रांसमीशन इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप, (iv) न्यूक्लियर मैग्नेटिक रेजोनेन्स स्पेक्ट्रोमीटर, (v) फल्यूरोसेंस कन्फोकल माइक्रोस्कोप, (vi) हाईरेजोल्यूशन मास स्पेक्ट्रोमीटर, (vii) फेम्टोसेंकिंड पम्प प्रोब सेट अप, (viii) स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप, (ix) अटोमिक फोर्स माइक्रोस्कोप, (x) नैनो-इन्डेंटेशन, (xi) चुम्बकीय गुण मापन प्रणाली (एमपीएमएस) और (xii) भौतिक गुण मापन प्रणाली (पीपीएमएस)। निकट भविष्य में कई अन्य उपकरण जैसे एटॉमिक लेयर डीपोजिशन (एएलडी) रमन स्पेक्ट्रोमीटर और एक्स-रे फोटोमीशन स्पेक्ट्रोमीटर स्थापित होंगे। उपर्युक्त दिये गये उन्नत उपकरणों के अतिरिक्त एएमआरसी में नियमित लक्षण वर्णन उपकरण जैसे यूवी-विस स्पेक्ट्रोमीटर, गोलाकार द्विवर्णक स्पेक्ट्रोमीटर, आण्विक अवशोषण स्पेक्ट्रोमीटर, ऑप्टिकल माइक्रोस्कोप, फल्यूरोसेंस स्पेक्ट्रोमीटर, इलेक्ट्रोकेमिकल एनालाइजर, थरमस ग्रेवीमीट्रिक एनालाइजर कप्लड विद डिफरेंशियल स्कैनिंग कैलोरीमीट्री, उच्च निष्पादन क्रोमेटोग्राफी, जेल परमीएशन क्रोमेटोग्राफी, गैस क्रोमेटोग्राफी, डायनेमिक लाईट स्कैटरिंग सेटअप इत्यादि।

एएमआरसी में सुविधाओं का उपयोग न केवल भा.प्रौ.सं. मण्डी के अनुसन्धान कर्ताओं के द्वारा होता है, परन्तु बाहरी अनुसन्धान कर्ताओं और औद्योगिक उपभोक्ताओं द्वारा भी इसका विस्तार किया जाता है। प्रमुख रूप से, एएमआरसी में बाहरी उपभोक्ता हिमाचल के पड़ौसी क्षेत्रों, पंजाब और जम्मू-कश्मीर राज्य से आते हैं यद्यपि वहां भी कुछ बाहरी उपभोक्ता निकट संस्थानों से हैं। अनेक बाहरी उपभोक्ता एएमआरसी सुविधाओं में विश्लेषण के लिए अपने नमूनों को भेजते हैं। एएमआरसी सुविधाओं का उपयोग करने वाले बाहरी संस्थानों की सूची निम्न है—

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय (एचपीयू), शिमला, हिमाचल प्रदेश

हिमालय जैव सम्पदा प्रौद्योगिकी संस्थान (आईएचबीटी), पालमपुर, हिमाचल प्रदेश

जवाहर लाल सरकारी अभियांत्रिकी महाविद्यालय, सुन्दरनगर, हिमाचल प्रदेश

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी), हमीरपुर, हिमाचल प्रदेश

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी), तिरुचिरापल्ली, तमिलनाडु

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी), वारांगल, तेलंगाना

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी), दुर्गापुर, पश्चिमी बंगाल

जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू व कश्मीर

पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़

पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला, पंजाब

गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, (जीएनडीयू), अमृतसर, पंजाब

शूलिनी विश्वविद्यालय, सोलन, हिमाचल प्रदेश

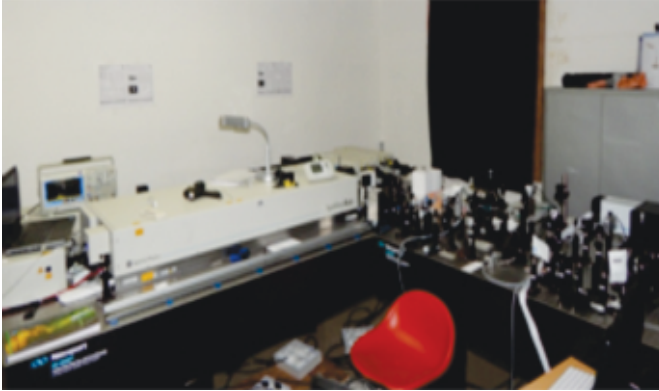
सिरडा संस्थान का समूह, सुन्दरनगर, हिमाचल प्रदेश

सन्त लॉगोवाल अभियांत्रिकी तथा प्रौद्योगिकी समूह, संगरूर, पंजाब
शिव नादर विश्वविद्यालय, गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश

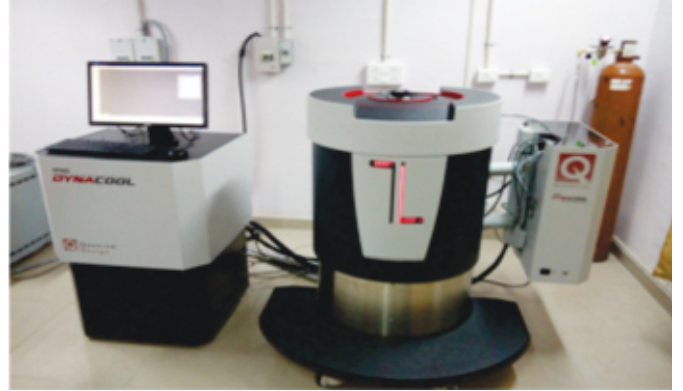
एएमआरसी सहूलियतों के प्रयोग से प्रकाशन:

एएमआरसी में उपलब्ध सुविधाओं के प्रयोग से प्राप्त शोध के परिणामों को प्रसिद्ध अन्तर्राष्ट्रीय जॉर्नलों में प्रकाशित किया गया। वर्ष 2013 में संस्थानोपरान्त एएमआरसी द्वारा 100 से ज्यादा शोध आर्टिकलों की उत्पत्ति की गई तथा वर्ष 2014-15 में 50 से अधिक शोध आर्टिकल प्रकाशित किये गए।

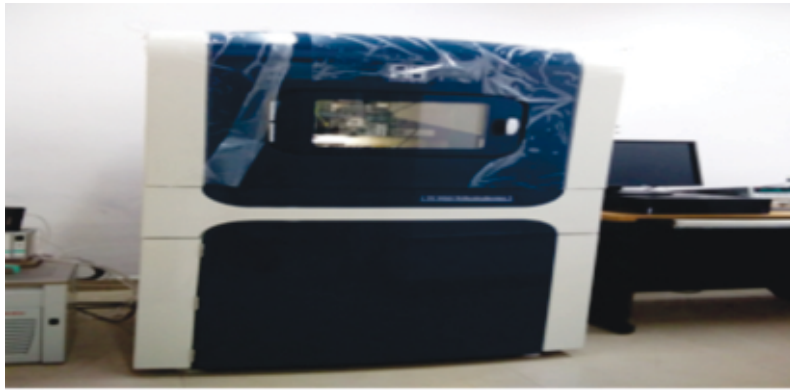
मुख्य यन्त्र जिनका कय किया गया तथा जिन्हें कमिशन किया गया:-



फैम्टोसैकण्ड लेजर पम्प प्रूब सैट-अप



भौतिक गुण-मापन प्रणाली (पीपीएमएस)



नैनो-इन्डेंटेशन

सामान्य चरित्र-चित्रण एवम् संश्लेषण प्रयोगशाला यन्त्र



युवी-वीआईएस-एनआईआर स्पेक्ट्रोफोटोमीटर

युएचएल: हिमालयी आजीविका की प्रगति के लिए केन्द्र (युएचएल)

आई.आई.टी. मण्डी अपनी बहु-डिस्प्लिनरी एप्प्रोच के साथ विज्ञान एवम् तकनीक शिक्षण, ज्ञान संरचना तथा नवप्रवर्तन को मध्यनजर रखते हुए भारत में एकदम, निर्दिष्ट तथा स्थिर समाज में शिरोमणि बनने के लिये प्रयासरत है। इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुये आई.आई.टी. मण्डी के बहुत से संकाय सदस्यों ने अपने आप को ऐसी गतिविधियों में लगा रखा है जो आगामी समय में आई.आई.टी. मण्डी की मनोरूपता को पाने में सहायक होंगी। 'हिमालयन आजीविका की अपलिफ्टिंग के लिये केन्द्र' एक ऐसी ही कोशिश है जिसे वर्ष, 2012 में भारत सरकार, डीएसटी की एक छोटी सी ग्रांट के साथ वर्ष 2012 में स्थापित किया गया था। बहुत ही सीमित ग्रांट से थोड़े से समय में केन्द्र ने पहले ही सामाजिक तथा आर्थिक महत्त्व की बहुत सी परियोजनाएं ले रखी हैं जो प्रभावी हुई हैं। कुछ ऐसी परियोजनाएं "ग्रामीण औरतों में सस्ती टैबलेट के प्रयोग से स्वास्थ्य की जानकारी", "किसानों के लिए सलाह व्यवस्था" विशेषतया सेब उत्पादकों के लिये एजोला कृषि, "सामाजिक लाभ के लिये खतरनाक चीड़ की पत्तियों का ईको फ्रैन्डली प्रयोग" ऐसी ही परियोजनाएं हैं। इन दूरगामी गतिविधियों के अतिरिक्त विभिन्न कार्यक्षेत्रों में लघु समय वाली गतिविधियां जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य आदि की शुरुआत भी विभिन्न संकाय सदस्यों द्वारा की गई है।

1. नवलाय गाँव में किसान के घर में एजोला उत्पादित किये जाने का दृश्य:—



रूपरेखन तथा नवप्रवर्तन केन्द्र:—

आई.आई.टी. मण्डी में रूपरेखन नवप्रवर्तन केन्द्र शोध विद्वानों तथा स्नातकों के लिये आवश्यक प्रतिध्वनित व्यवस्था उपलब्ध करवाता है। यह व्यवस्था बहुत आवश्यक निपुणता (जो रूप रेखन तथा उत्पाद और तकनीकों के विकास के लिये आवश्यक है) के विकास के लिए है। क्योंकि भारत "मेक इन इंडिया" नीति मिशन की ओर बढ़ रहा है तथा आई.आई.टी. मण्डी का उद्देश्य देश के उद्देश्य से सुसंगत है। हमारा संस्थान ऐसी योग्यता के साथ स्नातक तथा विद्वान तैयार करने की कोशिश कर रहा है जो उन्हें सृजनात्मक एवम् नव प्रवर्तन के तौर पर सोचने योग्य बनाये।

इस आस्था के साथ कि प्रौद्योगिकी-विषयक नव प्रवर्तन किसी भी गतिविधि के स्थायी सुधार तथा लगातार विकास की उपलब्धि के लिये आवश्यक तत्व होता है, स्टेट-ऑफ-द-आर्ट डिजाईन केन्द्र (जिसे मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित किया गया है) को स्थापित किया जा रहा है। क्योंकि आर्थिक उत्पाद की विश्व व्यापी अगली लहर जिसका नेतृत्व नव प्रवर्तन एवम् उद्यमता द्वारा किया जाएगा, यह आने वाले वर्षों में भारत के लिये महत्त्वपूर्ण आर्थिक ड्राइवर सिद्ध होगा।

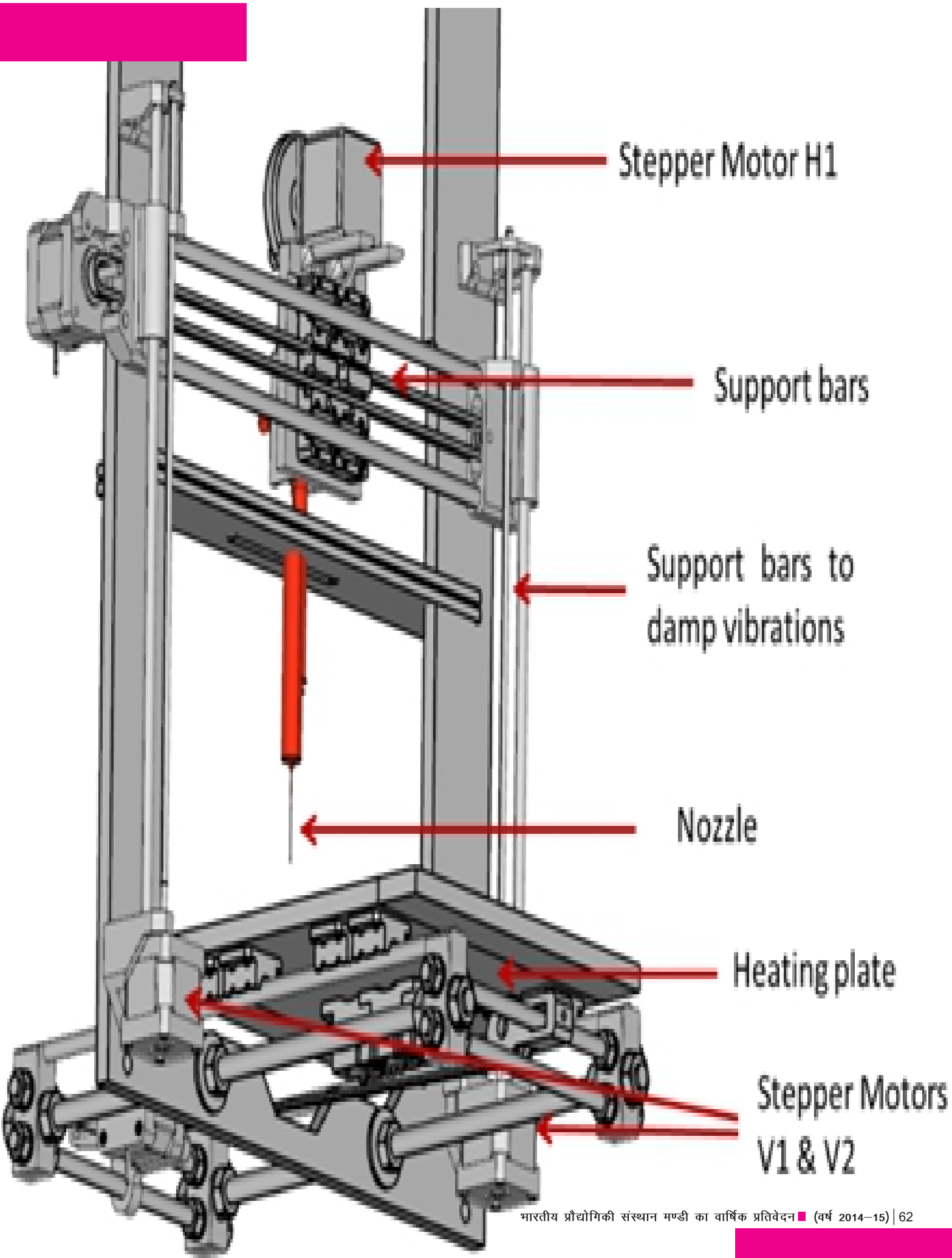
इस केन्द्र की कुछ महत्त्वपूर्ण उपलब्धियों की सूची निम्नलिखित है:

1. पेटेंट संख्या

शीर्षक: एयरोसोल जैट 3 डी मुद्रण क्रियाविधि द्वारा डाई सैन्सीटाईड सोलर पैनलज ; अन्वेषक अन्वेषक: एस.के. मोइज अहमद (छात्र), एम. अभिलाष (छात्र), डॉ. ओ.पी. सिंह (संकाय) ; भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी।

पेटेंट संख्या: 2942 / डीईएल / 2014

संक्षिप्त विवरण: घटते जा रहे प्राकृतिक स्रोतों के कारण परिवर्तित ऊर्जा उत्पादन की आवश्यकता बढ़ गई है हरित ऊर्जा प्रसिद्ध शोध क्षेत्र में बढ़ गई है और अभी तक हरित ऊर्जा के शोषण के तरीके काफी कम हैं। इस समय सूर्य ऊर्जा, अपने सूर्य ऊर्जा के समाप्त न होने वाले स्रोतों के साथ ऊर्जा का उत्कृष्ट स्रोत है। जबकि वर्तमान में बनाए गये सोलर पैनल कैमिकल वाष्प एकत्रीकरण आदि तकनीकों को प्रयोग में लाते हैं, परम्परागत 3 डी प्रिंटरज ऊष्मित नोज्जल (जो थर्मोसैटिंग मट्रियल को पिघलाते हैं) का प्रयोग करते हैं तथा निशाने को सीएडी मॉडल को तिरछे कर पतले सलाईसों द्वारा ऐच्छिक सांचे बनाते हैं। लेकिन यह 3 डी प्रिंटरज ऊष्मित नोज्जल या तो प्लास्टिक या मिश्रित धातु को मुद्रित करते हैं, लेकिन इनमें से कोई भी



Stepper Motor H1

Support bars

Support bars to damp vibrations

Nozzle

Heating plate

Stepper Motors V1 & V2



तथा उद्योगों के साथ रेडियोलॉजिकल तथा हिस्टो-पैथोलॉजिकल कल्पना प्रक्रिया, स्वास्थ्य देखरेख के गणना डाटा का विश्लेषण तथा औषधि उपकरण शामिल हैं। अन्य रोचक कार्य जो तकनीक के प्रति पर्यावरणात्मक/पर्यावरणीय विज्ञान से मेल खाता है, वह है पक्षियों की आवाज तथा कल्पनाओं का स्वचालित वर्गीकरण। इसका प्रयोग पर्यावरण सम्बन्धी परिवर्तनों को मोनिटर करने तथा संरक्षण कोशिशों को बढ़ावा देने में किया जा सकता है। ग्रुप 3 डी मनोरूप तथा मानवीय गतिविधि विश्लेषण से सम्बन्धित परियोजनाओं में भी कार्यरत हैं।

बायो एक्स:

मुख्यतया कृषि से सम्बन्धित, सौन्दर्ययुक्त तथा भंगुर हिमालय में स्थित, आई.आई.टी. मण्डी का ध्यान कृषि तथा पर्यावरण पर है। दूसरा मुख्य शोध का क्षेत्र मानवीय स्वास्थ्य पर ध्यान है। इसके लिए आई.आई.टी. मण्डी ने जीव विज्ञानों में हिमालयन क्षेत्र में शीघ्रतम सम्बन्ध के विस्तृत क्षेत्रों में गतिविधियों की शुरुआत की है। यह गतिविधियां विशेष तौर पर समाज के ग्रामीण एवम् निम्न-आय वर्ग तथा सामान्यतया फलों, सब्जियों केसर तथा इस क्षेत्र में औषधीय पौधों में लगे वर्ग के लोगों के स्वास्थ्य रक्षण के लिये शुरू की हैं। आधारभूत विज्ञानों के संकाय जीव विज्ञानों, बायोफिजिक्स, नैनो तकनीक, बायो सूचना, पौधा व्यवस्था जीव विज्ञान तथा अन्य उच्चतम अन्तः विभागीय शोध कार्यों में लगे हैं। शोध के विशेष क्षेत्र जिनके लिये विशेषतौर पर ध्यान दिया जा रहा है वे निम्नलिखित हैं-

- हिमालयन बायोडाईवर्सिटी संरक्षण
- प्रज्वलनकारी अव्यवस्था के लिये इम्युनोमोड्युलेटरज
- स्वास्थ्य तथा उद्योग के लिये प्राकृतिक उत्पाद बायोतकनीक
- थैरानॉस्टिक्स के लिये नैनो-तकनीक
- डायबटीज तथा सम्बन्धित एन्डोकराईन अव्यवस्थाएं
- बड़ा डाटा विश्लेषण तथा बायो-मान्यताएं
- बायोफिजिक्स प्रोटीन फोल्डिंग तथा इन्ट्रिंसिकल्ली अव्यवस्थित प्रोटीन (आईडीपीज) मानव स्वास्थ्य से सम्बन्धित शोध क्षेत्र मुख्य रूप से मधुमेह के लिये क्षमतायुक्त शल्यक्रिया की सम्भावना से जैसे अल्जेमर, पार्किन्सन, कार्डियोवास्कुलर बिमारियों तथा कैंसर से सम्बन्धित हैं। इनमें उपरोक्त के लिये थैरेपी का विकास तथा उपचार-क्रिया, ड्रग/जैने वितरण तथा उपचार-क्रिया, ड्रग जैने वितरण व्यवस्थाएं तथा नॉनइन्वेजिव बायो-कल्पना आदि शामिल हैं। अन्य निशाने मानव स्वास्थ्य के लिये संभाव्य प्रोबायोटिक्स तथा स्वास्थ्य लाभों के लिये गट-माइक्रोबायोटा के प्रति गहन जानकारी जोड़ना है। वातावरण से सम्बन्धित शोध क्षेत्रों में हिमालय के माइक्रोप्लोरा तथा एक्सट्रीमोफाईलज का दोहन, कृषि तथा भोजन वेस्ट मट्रियल से प्राप्त बायोफ्यूलज का विकास तथा विभिन्न पर्यावरणों में प्रदूषक पदार्थों का पता लगाने के लिये नैनोसेन्सर का विकास शामिल हैं।

संघनित भौतिक विज्ञान तत्त्व

संघनित भौतिक विज्ञान तत्त्व गुप, आई.आई.टी. मण्डी में विभिन्न समस्याओं जैसे संघनित स्टेट्स के एक्सॉटिक इलैक्ट्रॉनिक की जानकारी (टोपोलॉजिकल इन्सुलेटर, सुपरकण्डक्टर, मल्टीफैरोइक मैट्रियल, इन्सुलेटर ट्रांजिशनज के लिये धातु आदि) के प्रति ध्यानरत है। इसके अतिरिक्त भविष्य के वंशों के लिये ऊर्जा मांग (थर्मो-इलैक्ट्रिक मैट्रियल, ऊर्जा के लिये नैनो-मैट्रियलज, ऑर्गेनिक फोटोवोल्टैक्स तथा ग्रैफिन के ऑप्टो-इलैक्ट्रॉनिक्स, ऊर्जा एकत्रीकरण के लिये क्युडीसोलर कोशिकाओं में, उन्हें प्रयोग करने के उद्देश्य से क्युडीस में कैरियर गुणन); सन्तुलन से परे क्या घटा (प्रोटीन फोल्डिंग, ग्लास फेज ट्रांजिशन) के प्रति ध्यानमग्न/आकर्षित है। गुप द्वारा पोलिक्रिस्टेलाइन के बढ़ावे, एकक क्रिस्टेलाइन मैट्रियल तथा नैनोस्ट्रक्चर संश्लेषण का विकास किया गया है। व्यावहारिक भौतिक विज्ञान गुप जटिल द्रवों में क्रमबद्ध पारगमन की अनुरूपता पर ध्यान केन्द्रित करता है। इसके अतिरिक्त इसका ध्यान नैनोफोटोनिक्स तथा क्वांटम ऑप्टिक्स, डीएफटी आधारित बैण्ड ढांचा गणकों पर इसका ध्यान है। उपरोक्त में से कुछ कार्य का धनपोषण डीएसटी-वीआरबीएनआरएस, एसईआरबी, युजीसी-डीईसीएसआर तथा डीएसटी-वीआर, बीएनआरएस, एसईआरबी, यूजीसी-डीईसीएसआर तथा डीएससी द्वारा धन उपलब्धित स्वीडन के लन्द विश्वविद्यालय के साथ संयुक्त शोध परियोजना द्वारा किया जा रहा है।

ग्रीष्मकालीन इन्टर्नशिप कार्यक्रम

सम्पूर्ण भारत के स्नातक तथा स्नातकोत्तर छात्रों के लिये आई.आई.टी. मण्डी द्वारा "ग्रीष्मकालीन इन्टर्नशिप, 2014" को 2 जून 2014 से 25 जुलाई, 2014 तक आयोजित किया गया। आठ इन्टर्नज को "ग्रीष्मकालीन इन्टर्नशिप के लिये आमन्त्रित किया गया। उनका चयन चयनित सलाहकारों की सिफारिशों पर आधारित था। बी. बुरुआ महाविद्यालय, गुवाहाटी, एनआईटी जालन्धर, ककाटिया विश्वविद्यालय, वारंगल, एनआईटी राऊरकेला, एसआरएम विश्वविद्यालय, झारखण्ड का केन्द्रीय विश्वविद्यालय, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर, बिरला तकनीकी संस्थान, हैदराबाद से छात्रों ने भाग लिया। प्रयोगशाला में प्रत्येक छात्र की दक्षता की तुलना उपयुक्त परियोजना से की गई। छात्रों को विभिन्न शाखाओं जैसे— रसायन विज्ञान / कैंमिकल विज्ञान / कैंमिकल अभियांत्रिकी विज्ञान / भोजन तकनीक, शोध अनुभव, नैनो तकनीक तथा प्रयोगात्मक द्रवीकरण मामला भौतिक विज्ञान, सीएफडी, पीडीईज के लिये गणनात्मक तरीकों आदि में प्रवेश दिया गया। ग्रीष्मकालीन इन्टर्नशिप की अवधि 8 सप्ताह के लिये थी। इसके अतिरिक्त इन्टर्नशिप में वजीफे तथा गृह-सहायता को भी शामिल किया गया था।

केन्द्रीय पुस्तकालय



केन्द्रीय पुस्तकालय भा.प्रौ.सं. मण्डी के शैक्षणिक तथा अनुसन्धान लक्ष्य के संवर्धन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है तथा ज्ञान के सृजन और प्रसार को सरल बनाता है। पुस्तकालय वर्तमान पुस्तकालय सेवाओं (जो अध्यापन, अध्ययन और अनुसन्धान की गतिविधियों के साथ एकीकृत हैं) को प्रोत्साहित करता है। पुस्तकालय अध्ययन में उत्कृष्टता को सुविधाजनक बनाता है, एक उचित शिक्षण और अनुसन्धान वातावरण को बनाता है। यह छात्रों के शिक्षण और अनुसन्धान सम्बन्धी आवश्यकताओं का पूर्वानुमान लगाने के अतिरिक्त आज के परिवर्तित वातावरण की आवश्यक बुनियादी जानकारी देता है।

भा.प्रौ.सं. मण्डी का केन्द्रीय पुस्तकालय पुस्तकों, सन्दर्भ पुस्तकों, प्रतिवेदनों, पत्रिकाओं तथा इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों के अपने संग्रह का तेजी से विकास कर रहा है। पुस्तकालय में पाठ्य पुस्तक संग्रह चालू स्नातक शिक्षण कार्यक्रम के लिए महत्त्वपूर्ण प्रोत्साहन देता है। पुस्तकें संगणक विज्ञान अभियांत्रिकी, यांत्रिक अभियांत्रिकी, विद्युत अभियांत्रिकी, गणित, भौतिकी, रसायन विज्ञान, अर्थ शास्त्र, दर्शन शास्त्र, मनोविज्ञान और अंग्रेजी आदि विभिन्न विषयों पर उपलब्ध हैं। स्नातकोत्तर कार्यक्रम हेतु भी एक ही समय में विकास किया जा रहा है।

केन्द्रीय पुस्तकालय अनेक ई-आंकड़े आधारित पत्रिकाओं तक पहुंच प्रदान करता है। इसमें गणित, रसायन विज्ञान, भौतिकी, संगणक विज्ञान, विद्युत अभियांत्रिकी, यांत्रिकी और खगोल विज्ञान जैसे विषयों पर सैंकड़ों पत्रिका शीर्षक सम्मिलित हैं। केन्द्रीय पुस्तकालय खुले स्रोत पुस्तकालय प्रबन्धन सॉफ्टवेयर कोहा के उपयोग से स्वतः चालित है। सभी दस्तावेज बार कोडित हैं तथा पूर्व व्यापी रूपान्तरण द्वारा सभी संग्रह जो स्वचालन से पहले अधिगृहीत किये गए थे, वे भी केन्द्रीय पुस्तकालय डेटा-बेस में शामिल कर लिए गए हैं। पुस्तकों का लेन-देन भी स्वचालित है। पुस्तकालय की अनेक नवीनतम सेवाओं (सीएएस/एसडीआई, आईएलएल की ऑन लाईन स्थिति, पुस्तकों का ऑन लाईन संरक्षण आदि शामिल करके) को आरम्भ किया गया है। वैब ओपेक का प्रयोग करके उपभोक्ता अपने उधार की स्थिति का विवरण ऑन लाईन जांच सकता है। उपभोक्ताओं को पुस्तकालय संसाधन तक पहुंच के लिए दो कार्यस्थल स्थापित किए गए हैं।

पुस्तकालय में प्रयुक्त सॉफ्टवेयर

- i) कोहा : स्वचालन हेतु।
- ii) डीस्पेस: अंकुरूपण हेतु।
- iii) ग्रीनस्टोन: अंकुरूपण हेतु।
- iv) लाईनक्स: संचालन प्रणाली हेतु।

1. संग्रह विकास और प्रबन्धन

संग्रह करना पुस्तकालय का एक बहुत ही महत्त्वपूर्ण कार्य है। यह छात्रों, संकाय, स्टॉफ तथा अन्य उपभोक्ताओं के शैक्षिक तथा अनुसन्धान कार्य को प्रोत्साहित करता है। पुस्तकालय के संग्रह में पुस्तकें, पत्रिकाएं, प्रतिवेदन, छोटी पुस्तकें तथा विज्ञान, अभियांत्रिकी, प्रौद्योगिकी, मानविकी तथा सामाजिक विज्ञान जैसी अन्य पढ़न सामग्री सम्मिलित है।

1.1 वर्ष 2014-15 में शामिल किये गये मुद्रित दस्तावेज

वर्ष 2014-15 में केन्द्रीय पुस्तकालय द्वारा 46 सन्दर्भ पुस्तकों सहित 835 पुस्तकों का अधिग्रहण किया गया। पुनः प्रकाशित संस्करणों, तकनीकी प्रतिवेदनों तथा दूसरे विश्वविद्यालयों, संस्थानों के अतिरिक्त इसमें कुछ आवधिक पत्रिकाएं भी समायोजित की गई हैं।

पुस्तकों की नई परिवर्धन सूची प्रत्येक सप्ताह जारी की जाती है। उसे पुस्तकालय के मुख-पृष्ठ पर देखा जा सकता है। इस सूची को ई-मेल द्वारा भी परिचालित किया जाता है। अनुरोध करने वाले संकाय को प्रकाशन पहुंचने की सूचना ई-मेल द्वारा भी दी जाती है।

1.2 वर्ष 2014–15 में अभिदत्त नये इलैक्ट्रॉनिक संसाधन

केन्द्रीय पुस्तकालय निम्नलिखित ई-संसाधनों पर वैब-आधारित पहुंच प्रदान करता है:

1.2.1 पूर्ण पाठ्य ई-पत्रिकाएं: 10000 तक पहुंच + निम्नलिखित डेटा-आधारों से पूर्ण पाठ्य पत्रिकाएं: एआईपी, एसीएम अंकीय पुस्तकालय, एसीएस, एपीएस. एएसएमई, सैल प्रेस, आईओपी, एल्सवायर विज्ञान डायरेक्ट, आईईईई इलैक्ट्रॉनिक पुस्तकालय, जेएसटीओआर, एसआईएएम, स्प्रिंगर लिंक, टेलर एण्ड फ्रांसिज (एस और टी पूर्ण संग्रह), प्रकृति वार्षिक समीक्षा आदि।

1.2.2 बिबलियोग्राफी ई-डेटाबेसिज: साईफाइंडर, मैथ साईनेट, एससीओपीयूएस और वैब विज्ञान।

1.2.3 ई-पुस्तकें: केन्द्रीय पुस्तकालय विभिन्न शाखाओं में 8000 से अधिक ई-पुस्तकों के संग्रह तक पहुंच प्रदान करता है। ई-पुस्तक संग्रह उन शीर्षकों से परिपूर्ण है जिनकी परिशुद्ध प्रशंसा संस्थान के विषय-विशेषज्ञों द्वारा की गई है तथा उपभोक्ताओं की आवश्यकता की पूर्ति करती है। ई-पुस्तक संग्रह के प्रकाशकों में साईस-डायरेक्ट (एल्सवायर), मैग्रा हिल्ल, पियरसन, टी और एफ, आईईईई, सीयूपी, एएसएमई, वल्ड साईटिफिक तथा जॉन विले। ई-पुस्तक संग्रह में गणित (एलएनएम), भौतिकी (एलएनपी) तथा स्प्रिंगर प्रकाशक के संगणक विज्ञान (एलएनसीएस) पर व्याख्यान सम्मिलित हैं।

2. परिचालन

परिचालन गतिविधियां अब स्वचालित हैं। पुस्तकालय उपभोक्ता वैब ओपेक के उपयोग से अपने उधार सम्बन्धी विवरण की जांच कर सकते हैं। हम उपभोक्ता संकाय, अनुसन्धान विद्वान, छात्रों तथा कर्मचारी वर्ग की सेवा करते हैं। परिचालन डेस्क सप्ताह में 50 घण्टे खुला रहता है। औसतन मासिक परिचालन लेन-देन लगभग 1600 है।

3. अंकीय पुस्तकालय

केन्द्रीय पुस्तकालय का अपना एक मुख-पृष्ठ (<http://www.iitmandi.ac.in/academics/lib>) है जो अपने स्रोतों के लिए 10,000 से अधिक इलैक्ट्रॉनिक पत्रिकाओं और डेटाबेस से वैब आधारित पहुंच प्रदान करता है। संस्थानात्मक प्रकाशन भण्डार का आरम्भ हाल ही में किया गया है जो भा.प्रौ.सं. समाज को तर्कसंगत आरूटपुट प्रदान करता है। पुस्तकालय संस्थानवार नैटवर्क का भाग है तथा उपयोगकर्ताओं की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए इसमें पर्याप्त कम्पयुटिंग ढांचा विद्यमान है।

4. ओपेक (ऑन-लाईन पब्लिक एक्सेस सूची)

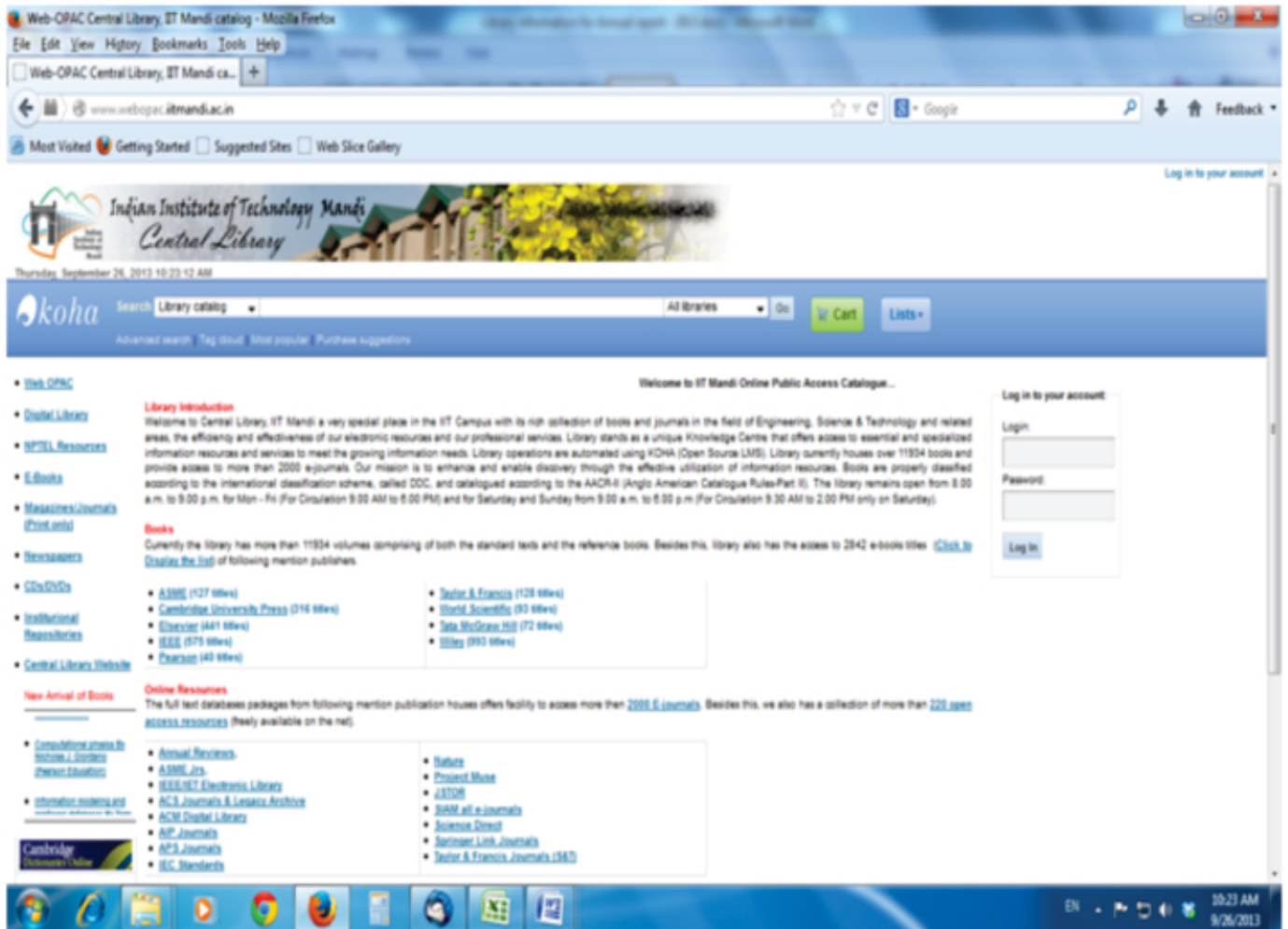
ओपेक, पुस्तकालय का अत्यधिक उपयोग किया जाने वाला डेटाबेस है तथा वैब मुख-पृष्ठ (<http://www.webopac.iitmandi.ac.in/>) के माध्यम से 24x7 इस पर पहुंचा जा सकता है। पुस्तकालय में उपलब्ध सभी दस्तावेजों की सूची के अतिरिक्त, यह ऑन-लाईन नवीकरण एवम् आरक्षण, परिचालन की अनुमति देता है तथा प्रत्येक पुस्तक की वर्तमान स्थिति से अवगत करवाता है। ओपेक को लेखक, शीर्षक, अभिगमन संख्या, विषय तथा अन्य क्षेत्रों द्वारा तलाश किया जा सकता है।

5. प्रदत्त सेवाएं

- पूर्णतया स्वचालित परिचालन
- ऑन-लाईन पुस्तक आरक्षण, सूचना खोज, ग्राहक पुस्तकालय पुस्तक उधार स्थिति की जांच
- वैब ओपेक (वैब आधारित ऑनलाईन जन पहुंच सूची)
- छात्रों के आंतरिक अध्ययन के लिए आरक्षित संग्रह विकास
- पुस्तक अनुभाग में नई पहुंच
- सन्दर्भ सेवा
- अन्तर पुस्तकालय ऋण
- दस्तावेज वितरण सेवा
- चेतावनी सूचना सेवाएं
- केन्द्रीय पुस्तकालय के लिए चयनित ई-स्रोतों में सदस्यता शुल्क
- अंक आधारित पुस्तकालय सेवाएं
- अंकीय पुस्तकालय सेवाएं
- उपभोक्ता शिक्षण कार्यक्रम

6. आगामी योजनाएं:

- आर.एफ.आई.डी. टैगज का कार्यान्वयन
- पुस्तकालय पुस्तकों की विषय सूची के लिए आधारभूत आंकड़े
- संस्थानात्मक भण्डार के लिए आधारभूत आंकड़े
- पुस्तकालय में उपलब्ध सीडी / डीवीडी सहित उपलब्ध विभिन्न सॉफ्टवेयर के आधारभूत आंकड़े
- मुद्रित पुस्तकों में उपलब्ध सूचियों के आधारभूत आंकड़े
- एकल खोज प्लेटफॉर्म



वैब ओपेक



भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी
Indian Institute of Technology Mandi

2nd दीक्षांत समारोह 15th March
CONVOCAATION 2015

छात्र सुख-साधन एवम् गतिविधियां

खेल सुविधाएं और गतिविधियां

यद्यपि भा.प्रौ.सं. मण्डी में समर्थित वर्ष 2014-15, वर्ष 2014 की अतिशयोक्ति हो सकती है परन्तु हमने भा.प्रौ.सं. मण्डी में आरामदायकता की कल्पना नहीं की। मद्रास में आयोजित महत्त्वपूर्ण अन्तः भा.प्रौ.सं. का आयोजन किया गया जिसके परिणामस्वरूप हमारे छात्रों और विस्तृत महाविद्यालय समुदाय के लिए गुणवत्ता समर्थित अवसरों के प्रावधान की वचनबद्धता पुनः साबित हुई है।

छात्रों, कर्मचारी वर्ग, स्नातकों और सामुदायिक उपभोक्ताओं के लिए खेल प्रस्ताव सदैव उच्च स्तरीय, बहुमूल्य और यांत्रिकी महाविद्यालयों में स्थापित उत्कृष्ट चिंतनशील लक्ष्य वाले होने चाहिए। वर्ष 2014 में खेल विभाग ने खेल नीति हेतु महत्त्वपूर्ण भागीदारों को मिलाया और छात्रों के डीन ने भा.प्रौ.सं. में खेल और मनोरंजन कार्यक्रम हेतु लक्ष्य निर्माण के उद्देश्य से अध्यक्षता की। अभी तक 800 छात्रों ने खेल केन्द्र का उपयोग किया। खेल विभाग ने क्लब और महाविद्यालय स्तर के कार्यक्रमों में मेजबानी की।

नीति की प्राथमिकता प्रतिभाशाली छात्रों का विकास है और उल्लेखनीय प्राप्त करने के लिए प्रतिवर्ष खेल छात्रवृत्ति कार्यक्रम की अभिवृद्धि उद्देश्यात्मक परिवेश के लिए की जाती है। हम अधिक से अधिक छात्रों को प्रोत्साहित करने के लिए अभिमुखी कार्यक्रम और अनेक कार्यक्रमों को बढ़ावा देते हैं ताकि छात्र उद्यमी बने। यद्यपि मनोरंजनात्मक खेलों में सबसे अधिक भागीदारी रहती है तृतीय स्तर पर खेलों की धड़कन छात्र क्लब हैं। विभाग को सभी स्तर पर छात्र क्लबों के लिए अधिकतम खेल अवसरों हेतु निरंतर घनिष्ठतापूर्वक कार्य करना चाहिए। छात्र-खेलें अनेक क्लब की उपलब्धियों से प्रगति करती हैं जैसे कि राष्ट्रीय स्पर्धाओं सम्बन्धी छात्राओं की अन्तः-भा.प्रौ.सं. टूर्नामेंट में उल्लेखनीय प्रदर्शन। अपनी अन्तः भा.प्रौ.सं. स्पर्धा में क्रिकेट कर्मचारी वर्ग के दल और छात्राओं के टेबिल टेनिस दल ने काँस्य पदक जीता। कुल मिलाकर भा.प्रौ.सं. ने दो इनाम जीते।

हमने बदल रही कार्य की मांगों में दोबारा भूमिका निभाई और दल ने 100 प्रशिक्षण और पेशेवर विकास सत्रों में भाग लिया। जैसे-जैसे विभाग में प्रोत्साहन और विशेषज्ञ कर्मचारी वर्ग बढ़ा, दल ने अनेक महाविद्यालय समितियों में प्रतिनिधित्व किया और हमने वैश्विक सम्बन्धों, अन्तः छात्रावास टूर्नामेंट के लिए सम्पर्क सेवायें और परिसर में युक्तिपूर्वक सम्पर्क भी स्थापित किये। इस वर्ष संकाय सुविधाओं में कुछ सुधार हुआ। योजनागत दृष्टि से भी बाहरी खेल विकास हेतु महाविद्यालय निवेश को अनुमोदित किया।

सामान्यतः खेल कार्यक्रमों में बहुत अच्छे से भाग लिया और अधिक लक्ष्य प्राप्त किये गये। इसके साथ ही नयी कक्षाएं और एक व्यक्तिगत प्रशिक्षण सेवा आरम्भ की गई।

उपयुक्तता में अधिकांश भागीदारी मनोरंजनात्मक स्तर पर हुई है। छात्रों और क्लब के स्वैच्छिक प्रयासों को प्रोत्साहित किया गया। महाविद्यालय समुदाय और उनके परिवारों की प्राथमिकता परिवार मनोरंजन दिवस के माध्यम से रही है। अनिवार्य कर्मचारी प्रावधान को सुनिश्चित करने के लिए सेवायें, कार्यक्रम और सुरक्षित खेल सुविधाओं को प्रदान करने के लिए स्वतः वित्तीय गतिविधियों द्वारा पूर्ण रूप से खेल विभाग स्थायी सिस्टा कम्प्युनिस को पूर्णतः कम करेगा। परिवर्तित हो रही आर्थिक मांगों की प्रतिक्रिया में विपणन स्थितियां लगातार चुनौतीपूर्ण रहेंगी और अनेक प्रकार से प्राप्त होने वाली आय की प्रक्रिया पहले ही चल रही है तथा पूर्व अनुमान आंकड़े तदनुसार समायोजित हैं। खेल में पूर्व के चार वर्षों में महत्त्वपूर्ण विकास हुआ है। उल्लेखनीय है कि 2009 खेल नीति की योजना के विकास से खेल के लिए बैडमिंटन हॉल का उद्घाटन और 2015 में टीटी हॉल की शुरुआत हुई। तब से प्रावधान में अचानक वृद्धि, संचालन और व्यापक खेल सुविधाओं, सेवाओं और कार्यक्रम का विकास किया गया है। महाविद्यालय छात्रों को प्रेरित, नियुक्त और किराये पर रखने के लिए चुनौती का सामना कर रहा है और यह सही समय है कि हम खेल विकास के लिए एक नयी शुरुआत कर रहे हैं ताकि हम खेल और मनोरंजन गतिविधियों का प्रतिपादन करने में आश्वस्त और सक्षम बने जिससे महाविद्यालय नीति के लक्ष्य को प्रोत्साहन मिले। छात्रों का अनुभव बढ़ाने में और महाविद्यालय लक्ष्य के लिए खेल और मनोरंजन की महत्त्वपूर्ण भूमिका है।

वर्ष 2014 में खेल विभाग ने खेल नीति हेतु भागीदारों को मिलाया जिसकी अध्यक्षता छात्रों के डीन ने अन्तः भा.प्रौ.सं. टूर्नामेंट और आगामी वर्षों हेतु मनोरंजन के लिए एक दृष्टिकोण बनाने के उद्देश्य से की जो छात्र और महाविद्यालय समुदाय की मनोरंजनात्मक या उच्च स्तर पर भागीदारी के प्रदर्शन का समर्थन करता है। यह खेल सुविधाओं की गुणवत्ता के प्रावधान के विकास के लिए लक्ष्य की रूपरेखा बनाएगा और हमारे संस्थान में प्रतिष्ठा करेगा। विभाग ने मनोरंजनात्मक, विस्तृत और अनेक खेलों तथा स्वास्थ्य सम्बन्धी गतिविधियों द्वारा महाविद्यालय जीवन में अर्थपूर्ण ढंग से योगदान दिया। खेल विभाग का लक्ष्य खेल नीति में प्रतिबिम्बित होगा और छात्र अनुभव तथा अति महत्त्वपूर्ण महाविद्यालय के बड़े लक्ष्य हेतु अधिक योगदान आरम्भ करने के लिए एक रूपरेखा बनाएगा जिसमें जहां तक हो सके अनेक छात्रों को महाविद्यालय के दौरान चयन के स्तर पर सम्मिलित करना है। खेल विभाग की भूमिका पूर्ण, सन्तुलित विश्वविद्यालय शिक्षा प्रदान करके खेल महत्त्व को मान्यता देना है। खेल विभाग कर्मचारी सभी उपभोक्ताओं के लिए उच्च सुविधाओं के प्रावधान, सेवाओं और कार्यक्रमों के माध्यम से जीवंत खेल परम्परा के विकास के लिए तथा ऐसे क्षेत्रों की पहचान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं जहां खेलों का महत्त्व बढ़ सके और बहुत ही सकारात्मक छात्र अनुभव के लिए उल्लेखनीय योगदान हो सके।

विभाग के मुख्य उद्देश्य निम्नलिखित हैं—

1. संस्थान की खेल सुविधाओं की उच्च गुणवत्ता का प्रावधान और विकास ।
2. उच्च प्रदर्शन करने वाले पुरुष व महिला खिलाड़ी को प्रोत्साहित और सवर्धित करना ।
3. संस्थान में खेल और मनोरंजन के लाभ को बढ़ाना ।
4. खेल और मनोरंजन में सम्मिलित होने के लिए अधिक लोगों और अवसरों को प्रोत्साहित करना ।
5. बेहतर सेवायें प्रदान करने के लिए खेल विभाग और इसके कर्मचारी वर्ग की योग्यता और कार्यसक्षमता का विकास ।
6. खेल के लिए शैक्षिक सम्पर्क का विस्तार ।
7. संस्थान के उद्देश्यानुसार सम्पर्क करना ।

खेल विभाग द्वारा दिये गये सम्मान

साईटेशन: कोई भी उपयुक्त नहीं पाया गया

कलर सर्टिफिकेट: शिवांगी कटारिया, भीष्म तहिलानी, उदय सूद, अंशुल शर्मा

स्पेशल मेन्शन: मिलन गुप्ता, ऋषभ त्रिवेदी, विपिन राज मीना, अंकुर सिंह, अंकित सरिवास्तव, मनास समर, सागर कुमार पिडिंटी, चिन्मय कृष्णा, कर्ण महाजन, नितेश कुमार, राहुल सिंह, अशोक गोधरा ।

सर्पोट्स मैन ऑफ दी ईयर: मोहित रावत

फ्रेशर ऑफ द ईयर: पुरुषोत्तम

कार्यक्रम एवम् खेल प्रतियोगिताएं

क्रमांक	माह	खेल प्रतियोगिता का नाम
1	फरवरी	स्थापना दिवस क्रीड़ा मिलन
2	मार्च	स्थानीय टीमों के साथ वालीबॉल खेल प्रतियोगिता
3	अप्रैल	अन्तः वर्ष खेल प्रतियोगिता—आगाज
4	जुलाई	ग्रीष्म कैम्प (स्वस्थता)
5	अगस्त	परिचय कार्यक्रम
6	सितम्बर	रण नीति
7	अक्टूबर	स्वस्थता कैम्प
8	नवम्बर	दौड़—कूद दिन तथा नवागन्तुकों का युद्ध क्षेत्र
9	दिसम्बर	अन्तः आई.आई.टी. कैम्प तथा क्रीड़ा मिलन
10	मार्च	स्नातकोत्तर क्रीड़ा दिवस एवम् अन्तः छात्रावास (कमान्द प्रीमियम लीग) एवम् स्वस्थता कैम्प
11	अप्रैल	आगाज
12	जून	योगा दिवस

यादगार क्षण



अन्तः आई.आई.टी. क्रीड़ा मिलन में लड़कियों की टेबल टेनिस टीम (दायें) ने प्रथम पदक (ताम्र) जीता।



अन्तः आई.आई.टी. क्रीड़ा प्रतियोगिता में संकाय एवम् स्टॉफ की क्रिकेट टीम ने ताम्र पदक जीता।

राष्ट्रीय सेवा व्यवस्था (एनएसएस)

एनएसएस गतिविधियां एवम् वर्ष 2014-15 में इन पर किया गया व्यय:-

क्रमांक	गतिविधियां	गतिविधि की दिनांक	गतिविधि के ऊपर किया गया व्यय(रूपए)	टिप्पणी
1	रक्त दान शिविर	16.05.2014	5842.00	टिप्पणी
2	प्रवासी मजदूरों के बच्चों के लिए शिक्षण कार्यक्रम	29.05.2014 से 06.08.2014	4200.00	-
3	आईआईटी मण्डी के कमान्द परिसर में एनएसएस परिचय दिन		-	-
4	अभ्युदय में सहभागिता, सामाजिक सम्मेलन, आईआईटी बम्बई	16.08.2014 से 17.08.2014	19989.00	कोई व्यय नहीं
5	आईआईटी मण्डी के कमान्द परिसर में पौधारोपण अभियान	31.08.2014	15165.00	-
6	आई.आई.टी. मण्डी के कमान्द परिसर में प्रथम उपचार एवम् सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम	26.09.2014 से 28.09.2014	42574.00	-
7	सरकारी वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला, कोटली, मण्डी (हि.प्र.) के छात्रों के लिए चित्रकारी प्रतियोगिता तथा प्रयोगशाला दौरा	18.10.2014	-	कोई व्यय नहीं
8	आई.आई.टी. मण्डी के कमान्द परिसर में स्वच्छता शिविर	07.11.2014	2685.00	-
9	रक्तदान शिविर	07.11.2014	2685	-
10	मार्गदर्शन/सरकारी वरिष्ठ माध्यमिक पाठशालाओं (कटिण्डी तथा कटौला), मण्डी के छात्रों के लिये शिक्षण कार्यक्रम	15.11.2014- अभी जारी है	4210.00	
	किया गया कुल व्यय		97935/-	

प्रारम्भ की गई गतिविधियां

(वित्तीय वर्ष: 2014-15)

क्रमांक	गतिविधियों के नाम	गतिविधि की दिनांक
1	रक्तदान शिविर	16.05.2014
2	प्रवासी मजदूरों के बच्चों के लिये शिक्षण कार्यक्रम	29.05.2014 से 30.07.2015
3	आईआईटी मण्डी के कमान्द परिसर में एनएसएस परिचय दिन	06.08.2014
4	अभ्युदय में सहभागिता, सामाजिक सम्मेलन, आईआईटी बम्बई।	16.08.2014 से 17.08.2014
5	आईआईटी मण्डी के कमान्द परिसर में प्रथम उपचार एवम् सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम	26.09.2014 से 28.09.2014
6	हिन्दी पखवाड़ा, 2014	14.09.2014 से 28.09.2014
7	सरकारी वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला, कोटली, मण्डी (हि.प्र.) के छात्रों के लिये चित्रकारी प्रतियोगिता तथा प्रयोगशाला दौरा	18.10.2014
8	आईआईटी मण्डी के कमान्द परिसर में स्वच्छता शिविर	01.11.2014
9	रक्तदान शिविर	07.11.2014
10	सरकारी वरिष्ठ माध्यमिक पाठशालाओं कटिण्डी तथा कटौला मण्डी, (हि.प्र.) के छात्रों के लिये मार्गदर्शन/शिक्षण कार्यक्रम।	15.11.2014. से जारी है।



रक्तदान शिविर



रक्तदान शिविर



प्रवासी मजदूरों के बच्चों के लिए शिक्षण कार्यक्रम



एन.एस.एस. परिचय दिन



एन.एस.एस. परिचय दिन



आई.आई.टी. बम्बई में अभ्युदय में सहभागिता, सामाजिक सम्मेलन



आई.आई.टी. मण्डी के कमान्द परिसर में पौधारोपण अभियान



आई.आई.टी. मण्डी के कमान्द परिसर में प्रथम उपचार एवम् सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम



सरकारी वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला, कोटली (मण्डी) के छात्रों के लिये चित्रकारी प्रतियोगिता एवम् प्रयोगशाला दौरा



आई.आई.टी. मण्डी के कमान्द परिसर में स्वच्छता शिविर



सरकारी वरिष्ठ माध्यमिक पाठशालाओं, कटिण्डी एवम् कटौला (मण्डी) के छात्रों के लिये मार्गदर्शन शिक्षण कार्यक्रम



Fresher's
ORIENTATION
PROGRAM '14

वर्ष 2014 के बी.टैक. के छात्रों के लिये परिचय का प्रारम्भ 3 अगस्त को छात्रावास प्रवेश के साथ किया गया। नवागन्तुकों तथा उनके अभिभावकों द्वारा 4 अगस्त को औपचारिक कार्यक्रम किया गया जिसके पश्चात् प्रवेश औपचारिकतायें पूरी की गई। दिन का अन्त सांयकालीन आगन्तुक मिलन से हुआ।



अगले चार दिनों तक, उनके दिन की शुरुआत भौतिक गतिविधियों जैसे योग या व्यायाम के साथ प्रातः 6.30 बजे प्रारम्भ होकर रात्रि 10 बजे मूवी प्रसारण या स्टार गेजिंग या आन्तरिक खेलों के साथ समाप्त होती थी। प्रातः के समय छात्रों के लिये अंग्रेजी क्लब गतिविधियों तथा विभिन्न अकादमिक तथा अ-अकादमिक शीर्षकों की कक्षा-कक्ष बैठकों का आयोजन किया गया। अपराह्न के समय वे ट्रैकिंग या ट्रैजर हण्ट या खेलों में भाग लेने जाते रहे। परिचय के समापन दिवस पर उन्हें हाईकिंग ट्रिप पर रिवालसर ले जाया गया।

कक्षा-कक्ष श्रृंखलाओं का प्रारम्भ अभियांत्रिकी एवम् उनके अध्ययन की शाखाओं की जानकारी से किया गया। अगले दिनों में छात्रों को अकादमिक ढांचे तथा ग्रेडिंग, पुस्तकालय, एनएसएस तथा अन्य शाखाओं के अतिरिक्त आई.आई.टी. मण्डी की फ्लोरा फाउना का अवलोकन करवाया गया। उन्होंने अकादमिक मूल्यों तथा उचित-अनुचित, पहाड़ों पर सुरक्षा तथा तनाव प्रबन्धन पर अन्योन्य-क्रिया श्रृंखलाओं में भाग लिया।

ऐच्छिक गतिविधियां

छात्र समाज के हित के लिये नियमित परामर्श के अतिरिक्त जी.सी.एस. ने निम्नलिखित कार्यक्रमों को संगठित किया:

परामर्श कार्यक्रम

बी.टैक. छात्रों के लिये लगातार तृतीय वर्ष जीसीएस ने समकक्ष परामर्श कार्यक्रम का आयोजन सफलतापूर्वक किया। जीसीएस के इच्छुक छात्रों को नये छात्रों को परामर्श देने का कार्य सौंपा गया। यह परामर्शदाता नवागन्तुकों के मण्डी पहुंचने से पहले सम्पर्क कर्ता थे तथा पूरे प्रथम वर्ष उनके मार्गदर्शक रहे।

अध्ययन प्रोत्साहन समूह:

जी.सी.एस. के इच्छुक छात्रों ने फरवरी-जून 2014 के सत्र में अध्ययन प्रोत्साहन समूह का आयोजन किया। अध्ययन मसौदे तथा सलाह के लिये छात्रों की बैठकों का आयोजन किया गया।

सांस्कृतिक सभा

उल्लास—10 एवम् 11 मई, 2014

इस वर्ष, अन्तः महाविद्यालय सांस्कृतिक उत्सव "उल्लास" का आयोजन कमान्द परिसर में किया गया। यह विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों तथा प्रतियोगिताओं से भरपूर था जिसने बी.टैक., एम.एस. एवम् पी.एच.डी. के सत्रों को भागीदार बनाया तथा दर्शकों को आकर्षित किया। प्रथम बार उल्लास का आयोजन अन्तः वर्ष सांस्कृतिक स्पर्धा के फॉरमेट में करवाया गया जिसमें चारों वर्षों के बी.टैक, एमएस व पी.एच.डी. के बैचों ने आपस में सकल प्रतिस्पर्धा की ट्रॉफी जीतने के लिए प्रतिस्पर्धायें की। प्रतिस्पर्धाओं के आयोजनों को बी.टैक. द्वितीय वर्ष के छात्रों फराह अन्जुम व अभिमन्यु मित्तल द्वारा समन्वित किया गया। प्रतिस्पर्धा आयोजनों के अतिरिक्त उत्सव के भाग स्वरूप ज्ञामा तथा परिचयात्मक कविता का आयोजन भी किया गया।

(क) संगीत प्रतियोगिता: यह अन्तः वर्ष संगीत प्रतियोगिता चारों बी.टैक. वर्ष तथा एम.एस., पी.एच.डी. तथा एम.एससी. संगीत तथा इंस्ट्रूमेंटल कार्यक्रमों का मिश्रण थी। संगीत के अध्यापकों को बल्लभ डिग्री कॉलेज से प्रतियोगिताओं के निर्णय के लिये बुलाया गया था। वहां कुल 9 प्रतियोगितायें आयोजित की गईं।



(ख) नृत्य प्रतियोगिता: यह प्रतियोगिता नृत्य के दो समूहों के बीच थी। एक समूह प्रथम वर्ष के छात्रों का तथा दूसरा समूह द्वितीय व चतुर्थ वर्ष के छात्रों का था। उन्होंने नृत्य में अपनी-अपनी प्रस्तुतियों को विभिन्न विशिष्टताओं में प्रदर्शित किया। प्रत्येक समूह में 7-8 नर्तक थे तथा उन्होंने एक के बाद एक, तीन विभिन्न प्रस्तुतियों में मुकाबला किया। श्रीमती दिव्या वर्मा जो कि प्रशिक्षित नर्तक हैं, प्रतियोगिता की निर्णायक थीं।

(ग) कला प्रतियोगिता: यह अन्तः वर्षीय कला प्रतियोगिता थी, जिसमें भाग लेने वालों ने रूपरेखायें तथा चित्र बनाये। प्रतियोगिता का निर्णय डॉ. तृप्ति सिंह ने किया, जो कला गीक के सदस्यों तथा दूसरे छात्रों ने इसमें बढ़-चढ़कर भाग लिया।

(घ) फोटोग्राफी प्रतियोगिता: यह ऑनलाईन फोटोग्राफी प्रतियोगिता थी, जिसका शीर्षक था "वह क्षण" इसका निर्णय डॉ. प्रशान्त पी. जोस द्वारा किया गया, जो फोटोग्राफी के संकाय सलाहकार हैं। इसमें बी.टैक. एम.एस. व पी.एच.डी. के सभी वर्षों से कुल 21 प्रविष्टियां आईं।

(ङ) नाटक प्रतियोगितायें: इसमें एक नाटक क्लब द्वारा तथा दूसरा प्रथम वर्ष के छात्रों द्वारा कुल दो नाटकों का आयोजन किया गया। दोनों हास्य/व्यंग्य पर आधारित थे। दोनों प्रतियोगिताओं में प्रत्येक में लगभग 10 लोगों ने भाग लिया।

(च) कविता स्लाम: यह ऐसी प्रतियोगिता थी, जिसमें मूल कविता लेखन कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसका मुखिया बी.टैक. द्वितीय वर्ष का छात्र अक्षत गुप्ता था। तत्पश्चात् भाग लेने वालों को व्यावहारिक सत्र दिया गया, जिसमें उन्होंने कविता लेखन का अभ्यास किया। तत्पश्चात् भाग लेने वालों ने पहले लिखित तथा उसी समय लिखित कविताओं को स्टेज पर सुनाया। कुल 12 लोगों ने भाग लिया।



आई.आई.टी. मण्डी का प्रथम युवा उत्सव

आई.आई.टी. मण्डी, दिनांक 16 नवम्बर, 2014 में आयोजित सांस्कृतिक सभा द्वारा आयोजित प्रथम युवा उत्सव "युव्योम'14" का गवाह बना। सप्ताहान्त में बहु प्रतियोगिताओं का आयोजन रखा गया तथा उत्सव बड़ी संख्या में भाग लेने वालों का गवाह बना। छात्रों ने खुले वातावरण में बोनफायर के समक्ष "रंग दे वसन्ती" मूवी की स्क्रीनिंग का आनन्द लिया। मूवी स्क्रीनिंग के पश्चात् लान गेमिंग का आयोजन किया गया।

दूसरे दिन की शुरुआत कब्बडी से की गई। तत्पश्चात् पतंगबाजी, चेहरा रंगने की प्रतियोगिता तथा यूट्यूब कलाकारों के साथ संगीत संध्या का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता के लिये कला गीकस क्लब द्वारा हाल को भूतों से तथा गोबलिन से सुसज्जित किया गया तथा कद्दू तरासे गये। भाग लेने वालों ने मुखौटे पहने तथा कुछ ने रंगे गये चेहरों से स्वांग रचे।

तीसरे दिन की शुरुआत आनन्दप्रद खेलों से हुई तथा उसके बाद विवज का आयोजन किया गया। तत्पश्चात् सांस्कृतिक निशा आयोजित की गई, जिसमें संगीत तथा नृत्य-रचना अनुभाग के छात्रों ने अपने कार्यक्रमों को प्रस्तुत किया। इसके बाद डीजे निशा आयोजित हुई जिसने सभी को नृत्य के लिये मजबूर किया।



एक्सोडिया, 2014 (11 अप्रैल से 13 अप्रैल)

आई.आई.टी. मण्डी के छात्रों द्वारा आयोजित किया जाने वाला वार्षिक तकनीकी सांस्कृतिक उत्सव एक्सोडिया, 2014 तृतीय संस्करण था। तकनीकी तथा सांस्कृतिक निपुणता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से तथा इसकी सही प्रक्रिया के लिए तीन दिन के इस उत्सव का आयोजन 11 से 13 अप्रैल तक किया गया। इसके तीन वर्ष के विनम्र अस्तित्व के कारण इसमें अत्यधिक भागीदारी के साथ-साथ इसे बहुत अधिक प्रोत्साहन मिला जिससे यह ऐसी बुलंदियों पर पहुंचा जिसकी हमने कभी उम्मीद भी नहीं की थी।

क्षेत्रों जैसे एन्ड्रायड विकास, ऐथिकल हैकिंग, रोबोटिक्स में विभिन्न तकनीकी कार्यशालाओं का आयोजन किया गया जिसमें भाग लेने वालों को तकनीकी शिक्षा एवम् ज्ञान देने का सफलतापूर्वक प्रबन्ध किया गया।

एक्सोडिया, 2014 को गौतम महाजन (पीईटी बोटलों का अन्वेषक) द्वारा गौरवान्वित किया गया।

पिछले संस्करणों की भांति एक्सोडिया'14 हिमाचल प्रदेश तथा बाह्य भागीदारों की बड़ी संख्या का साक्षी बना। इसमें 13 संस्थानों के 623 छात्र थे। इसने विभिन्न महाविद्यालयों में तकनीकी संदेश-प्रेषण तथा सहयोग को प्रोत्साहित किया। हम भविष्य में इस राज्य में एक शक्तिशाली, नैटवर्क की स्थापना की आशा करते हैं।

तकनीकी कार्यक्रम जन्कमार्ड वारज

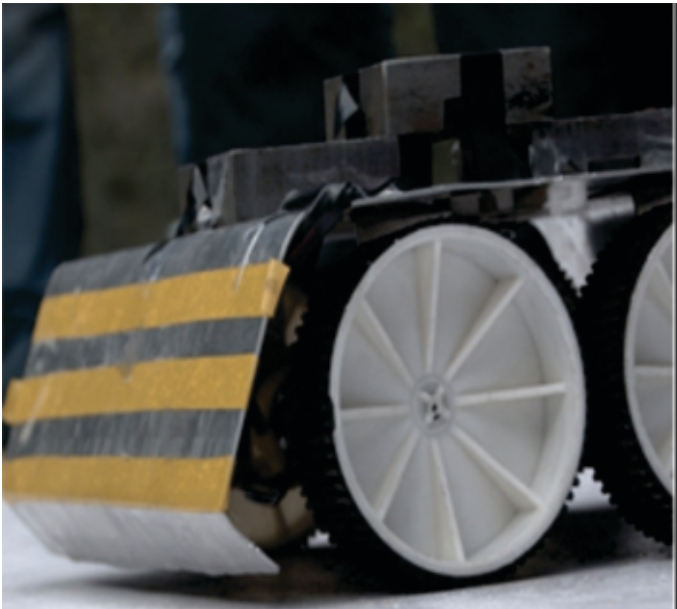
(एक प्रतियोगिता जिसमें कबाड से मशीन बनाई जाती है), डिमैन्शिया (कोडिंग मैराथन) जिसमें अन्तर्राष्ट्रीय ऑनलाईन प्रतिभागिता भी रही, निट्रो बलेज (रिमोट नियंत्रित कार), डिजाईनिंग प्रतियोगिता-एआरसीएडी, रोबोटिक्स कार्यक्रम जैसे लाईन फौलाअर तथा सुमोयुद्ध एवम् बहुत से अन्यो का तकनीकी गतिविधियों मौजमस्ती तथा सम्बन्धतापूर्वक आयोजन किया गया।

तकनीकी कार्यक्रमों के अतिरिक्त हमने पाया कि एक्सोडिया ने सामाजिक मैट्रल को भी बढ़ावा दिया इसके अतिरिक्त हमने उच्च अध्ययन की जानकारी के लिये सामाजिक अभियान भी चलाया। पाठशाला शिक्षण के अतिरिक्त यहां बहुत बड़ा संसार है जो छात्रों को उनके सपनों को पूरा करने की वास्तविकता की जानकारी दे सकता है। आई.आई.टी. मण्डी ने छात्रों को सदैव ही परामर्श सलाह तथा प्रशिक्षण के माध्यम से सहायता प्रदान की है। छात्र एक्सोडिया ने इस जानकारी को फैलाने के लिये मण्डी के विभिन्न स्कूलों में वार्तालापों तथा प्रस्तुतियों के माध्यम से इस कोशिश को जारी रखा।

हम आई.आई.टी. मण्डी तथा हिमाचल प्रदेश सरकार के सदैव ऋणी तथा आभारी रहेंगे जिनके बिना हमारी कोशिशें फलदायी न बन पातीं। हम कृतज्ञता पूर्वक आशा करते हैं भविष्य में भी आयोजित की जाने वाले एक्सोडिया के संस्करणों के लिये यह प्रोत्साहन तथा सहायता जारी रहेगी। जिससे हम एक बार फिर से हिमाचल प्रदेश में सांस्कृतिक तथा तकनीकी गतिविधियों को पदोन्नत कर सकेंगे।

1. कार्यशालाएं:

तीन अप्रैल को, उनके रोजगार के माध्यम से औरत सशक्तीकरण “नो कन्ट्री फॉर वूमैन” पर एक सेमिनार का आयोजन किया तीन अप्रैल को आयोजित सेमिनार के पश्चात् पाँच अप्रैल को भी उन्होंने औरतों की बेहतरी के लिये “व्यापार विचार” प्रस्तुति का आयोजन किया।



2. विज्ञान प्रसार द्वारा आगन्तुक व्याख्यान

विज्ञान प्रसार से वैज्ञानिक डॉ. अरविन्द रानाडे सेमिनार के लिये यहां पर थे, जिसका प्रबन्ध विज्ञान प्रसार (भारत सरकार के विज्ञान तथा तकनीकी विभाग) द्वारा मण्डी के नजदीकी स्कूलों की पहचान के लिये पाँच अप्रैल को विपनैट (वीआईपीएनईटी) विज्ञान क्लब तथा छात्रों में व्यावहारिक विज्ञान की प्रगति के लिये किया गया।

3. तकनीकी कार्यक्रम

- क. डिमेंशिया: विश्व भर से कोडशैफ पर लगभग 1000 कोडरज की ऑनलाईन कोडिंग प्रतियोगिता।
- ख. जन्कयार्ड वारज: कबाड़ खाने से मशीन बनाने के लिये एक प्रतियोगिता जिसमें 15 टीमों की, जो सर्वोत्तम के लिये कार्यरत थीं, की असमान्तर भागीदारी रही। माईन्ड बलोईंग समस्या सूची के साथ, यह कार्यक्रम बहुत ही रोमांचित करने वाला रहा।
- ग. पंक्ति अनुयायी: एक प्रतियोगिता जिसमें रोबोट एक-दूसरे के साथ निश्चित समस्या सूची के अनुसार प्रतियोगिता करते हैं।
- घ. सुमोवारज: रोबोट की आपस में एक-दूसरे के प्रति अपनी शक्ति दर्शाने की एक प्रतियोगिता।
- ङ अभिक्षमता: एक्सोडिया, 2015 के दौरान एन्डरॉयड एप्प मेकिंग प्रतियोगिता, एक अन्य सफल प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता का आयोजन, गूगल डेवलपर ग्रुप जालन्धर के प्रोत्साहन से किया गया।

छट्ठा स्थापना दिवस समारोह—24 फरवरी, 2015

इसके स्थायी परिसर, कमान्द में आई.आई.टी. मण्डी ने 24 फरवरी, 2015 को अपने षष्ठ स्थापना दिवस को मनाया। समारोह में, आई.आई.टी. मण्डी की प्रथम महिला डॉ. प्रिसिल्ला गोन्सेल्वज मुख्य अतिथि थीं। समारोह के अवसर पर आई.आई.टी. मण्डी के निदेशक, प्रोफ़ेसर टिमोथी ए.गोन्सेल्वज, प्रो. रमेश ओरुगन्ती, संकायाध्यक्ष (वित्त एवम् लेखा) तथा श्री मोहम्मद शकील, कुल सचिव आई.आई.टी. मण्डी शामिल थे। छः वर्ष पहले इसी दिन आई.आई.टी. मण्डी का कमान्द में स्थापना पत्थर, कमान्द में रहने के संकेत हेतु रखा गया था। इसके स्थायी परिसर में निरंतर सांस्कृतिक गतिविधियों सहित, संस्थान हिमालयी क्षेत्र में उत्कृष्टता, नवप्रवर्तन तथा शिक्षण का अकेला मीलपत्थर साबित हो रहा है। इस दिन को विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं, सांस्कृतिक गतिविधियों, आई.आई.टी. मण्डी के छात्रों, संकाय तथा स्टॉफ को पुरस्कार वितरण समारोह से स्मरणीय बनाया गया।

खेल प्रतियोगिताओं में वालीबॉल, रस्साकशी तथा कौंस कन्ट्री दौड़ जैसी खेलों को शामिल किया गया, जिसमें संकाय, स्टॉफ तथा छात्रों ने भाग लिया। वालीबाल में बी.टैक. तृतीय व चतुर्थ वर्ष के छात्रों ने जीत हासिल की। पुरुषों की रस्साकशी प्रतियोगिता को बी.टैक. के चतुर्थ वर्ष के छात्रों ने जीता। औरतों की रस्साकशी प्रतियोगिता को भी छात्र लड़कियों की टीम ने जीता।

खेल गतिविधि के उपरान्त लैम्प प्रज्ज्वलित करने के साथ गणमान्यों का स्वागत किया गया। तदुपरान्त निदेशक द्वारा भाषण दिया गया। अपने भाषण में निदेशक महोदय ने संस्थान के निर्माण में नींव की अहमियत पर प्रकाश डाला। अपने सम्बोधन में उन्होंने कहा कि शक्तिशाली नींव अकादमिक भव्यता के समग्र विकास में सहायक होती है तथा भविष्य में आने वाले सभी परिवर्तनों के समायोजन में सहायता करती है। विश्व में सबसे ऊंची इमारत बुर्जखलीफा के निर्माण से समानता करते हुए उन्होंने अकादमिक नींव की गुणवत्ता के मापन की आवश्यकता बताई। उन्होंने बताया कि अकादमिक गुणवत्ता मापन के कई तरीके हैं, जिनमें मुद्रण, विद्यार्थी अदला-बदली, प्लेसमेंट, उद्योग के साथ संकाय वार्ता तथा विदेश से निधि प्राप्त करने की योग्यता आदि शामिल हैं। उन्होंने कहा, इससे पहले कि हम नया निर्माण करें हमें स्टॉक लेने की जरूरत को रोककर परिवर्तन के लिये योजना बनाना है।

निदेशक के सम्बोधन के उपरान्त डॉ. प्रिसिल्ला गोन्सेल्वज मुख्य अतिथि ने सम्बोधित किया। अपने सम्बोधन में मुख्य अतिथि ने श्रोताओं को शुरुआती वर्षों की याद दिलाई जब कमान्द में आई.आई.टी. मण्डी नहीं था तथा क्षेत्र में अन्धेरा होता था और अब 6 वर्षों के पश्चात् कमान्द घाटी हीरे की तरह चमकती है। उन्होंने कमान्द में रहने की कठिनाईयों के तथ्यों से भी जानकारी करवाई। इन सबके बावजूद विद्यार्थियों, स्टॉफ तथा संकाय ने उत्साहपूर्वक अपने वातावरण से सामंजस्य बिठाया। उन्होंने कमान्द वासियों का आई.आई.टी. मण्डी समाज को अपने पड़ोस में स्वागत के लिये भी धन्यवाद किया।

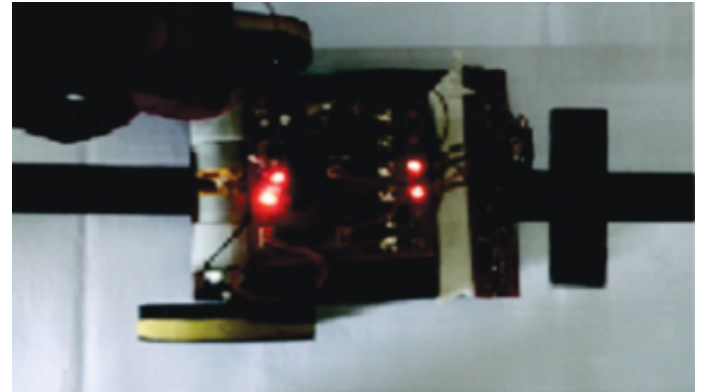
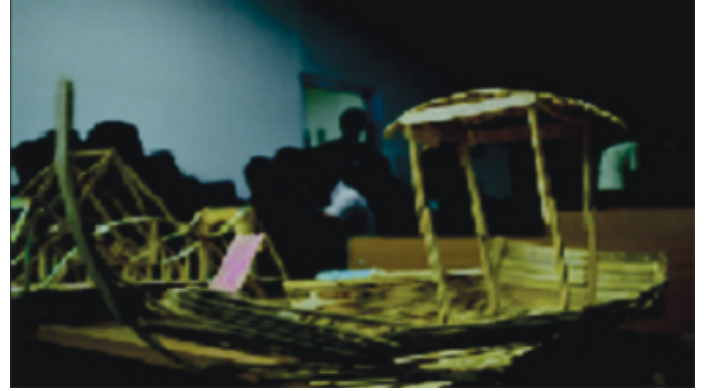
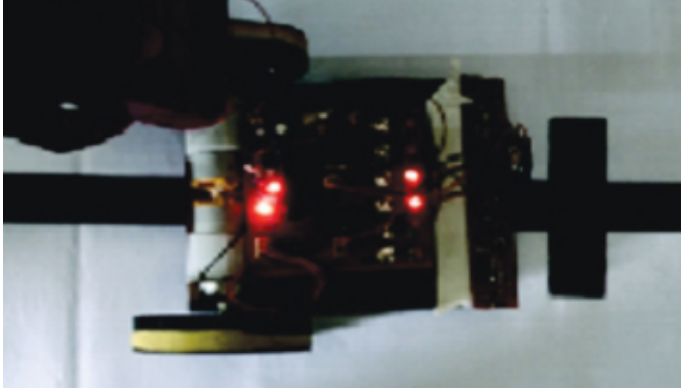
मुख्य अतिथि के सम्बोधनोपरान्त सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में आई.आई.टी. मण्डी के कमान्द तथा दैनिक संरक्षण एवम् तक्षिला स्कूल के बच्चों ने रंगारंग नृत्य कार्यक्रम प्रस्तुत करने के साथ चीते के संरक्षण, पौधों तथा जंगलों की सुरक्षा व एक स्किट भी प्रस्तुत किया। अन्य कार्यक्रमों में आई.आई.टी. मण्डी की सोनाली मल्होत्रा द्वारा प्रस्तुत किया गया शास्त्रीय नृत्य, बी.टैक. के प्रथम वर्ष के छात्रों द्वारा पश्चिम तथा भारतीय स्टाईल के नृत्य-मिश्रण की प्रस्तुति थी। उसी दिन छात्रों, स्टॉफ तथा संकाय सदस्यों को उनकी आई.आई.टी. मण्डी में उपलब्धियों एवम् उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिये इनाम भी आबंटित किये गये। कुलसचिव के धन्यवाद के शब्द से दिन का समापन किया गया जिसने आई.आई.टी. मण्डी में नव वर्ष में नये स्तर की शुरुआत की।



तकनीकी सभा

1. उत्कर्ष

उत्कर्ष अपेक्षाकृत नया कार्यक्रम है। यह अन्तः गृह तकनीकी मिलन है, जिसका आयोजन विशेष तौर पर नवागन्तुकों के लिये उत्कर्ष में भाग लेने के महीने में किया जाता है। इसका ध्येय नवागन्तुकों को यह बताना होता है कि उनके आई.आई.टी. मण्डी में चार वर्ष के आवास के दौरान उनके रास्ते में क्या-क्या आएगा।



2. मोजिल्ला कार्यशाला

दिनांक 08.11. 2014 को कार्यक्रम क्लब द्वारा मोजिल्ला कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में तकनीकी सैशन, वैब की सामान्य जानकारी तथा वैब मेकिंग का शिक्षण शामिल थे, कार्यशाला के अन्त में मोजिल्ला छात्र राजदूतों की नियुक्ति की गई। कार्यशाला में लगभग 50 छात्रों ने भाग लिया।

3. अन्तः महाविद्यालय अभियांत्रिकी उत्सव

आई.आई.टी. मण्डी के हस्ताक्षर उत्सव के तौर पर आई.आई.टी. मण्डी के ऊर्जा क्लब ने यांत्रिक-अभियांत्रिकी पर आधारित कार्यक्रमों का आयोजन किया जिसमें जन्कयार्ड वार्ज, सिटक-ओ-ब्रिज तथा बहुत से अन्य शामिल थे। छात्रों के बड़ी संख्या पर भाग ने इसे बड़ी सफलता दिलाई।

4. हिको हिको

इलैक्ट्रॉनिक क्लब ने स्तर तक चलने वाले कार्यक्रम की शुरुआत प्रथम वर्ष के छात्रों को विद्युत तथा इलैक्ट्रॉनिक क्षेत्रों के विभिन्न भागों को समझने के लिए की। पूरा कार्यक्रम शिक्षण/अभ्यास के स्तर तथा अभ्यास में विभाजित किया गया था।

5. रोबोटिक्स कार्यशाला

रोबोटिक्स के क्षेत्र में जानकारी एवम् उत्साह पैदा करने के उद्देश्य से रोबोटिक्स क्लब द्वारा कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसका निर्देशन इस क्षेत्र में अनुभवी लोगों द्वारा किया गया। इसने छात्रों को रोबोट्स से सम्बन्धित जानकारी, कठिनाईयों का पता लगाने तथा जैस्चर नियन्त्रण रोबोट्स तथा इस क्षेत्र से जुड़ने के लिये प्रोत्साहित किया।

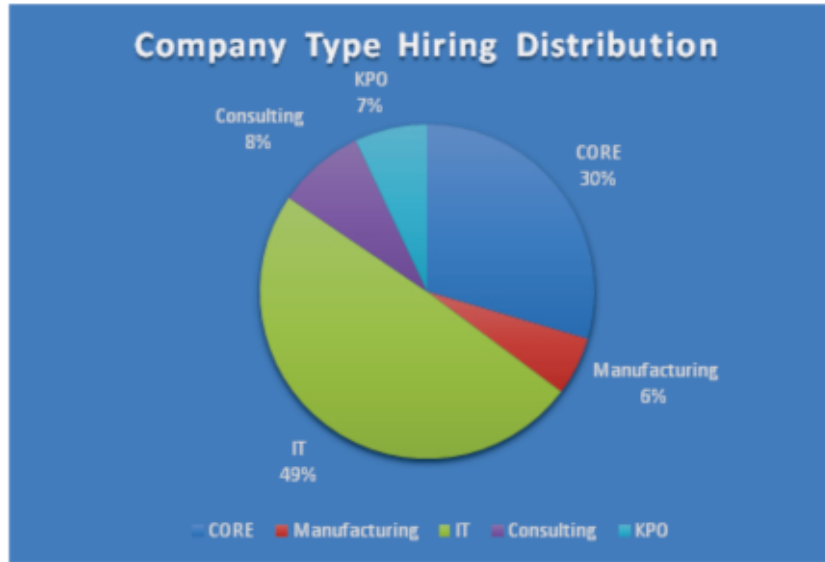
6. इलैक्ट्रोमानिया

यह सर्किट डिजाइनिंग प्रतियोगिता थी, जिसका आयोजन सभी छात्रों के लिये इलैक्ट्रॉनिक्स क्लब द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रथम वर्ष के छात्रों के लिये इस क्षेत्र में रुचि पैदा करना तथा सभी छात्रों को अपनी योग्यता प्रदर्शन का प्लेटफॉर्म प्रदान करना था।

कैरियर और प्लेसमेंट सेल

वर्ष 2015 के बी.टैक. स्नातक छात्रों को मिले प्लेसमेंट गणक निम्न प्रकार है:-

बैच 2015					निश्चित धनराशि		
शाखा	कुल छात्र	उपयुक्त छात्र	स्थानित	प्रतिशत स्थानित	उच्चतर	निम्नतर	औसत
कम्प्यूटर विज्ञान	49	47	41	87	26	3.2	13
विद्युत	29	27	17	68	09	3.2	06
अभियांत्रिकी	30	30	19	63	11	3.2	6.5
कुल	108	104	77	76	—	—	—



परिसर स्थानित करवाने के अतिरिक्त कैरियर तथा प्लेसमेंट कक्ष द्वारा अपने छात्रों के लिये विभिन्न परिस्थितियों में इन्टर्नशिप का प्रबन्ध भी किया गया। इन इन्टर्नशिपों में हमारे तृतीय वर्ष के बी.टैक. के छात्रों के लिये औद्योगिक प्रशिक्षण तथा अकादमिक जरूरत जैसे प्रशिक्षण भी शामिल थे। परिसर प्लेसमेंट तथा इन्टर्नशिप के साथ-साथ, कैरियर तथा प्लेसमेंट कक्ष द्वारा वर्ष भर कैरियर परामर्श, जानकारी तथा प्रशिक्षण कार्यशालाओं, व्याख्यान तथा परस्पर वार्तालापों का आयोजन भी किया जाता है। इनका उद्देश्यों छात्रों को विभिन्न कैरियर विकल्पों की जानकारी प्राप्त करवाना है जो उन्हें उपलब्ध हो सकते हैं तथा उन तक कैसे पहुंचना है।



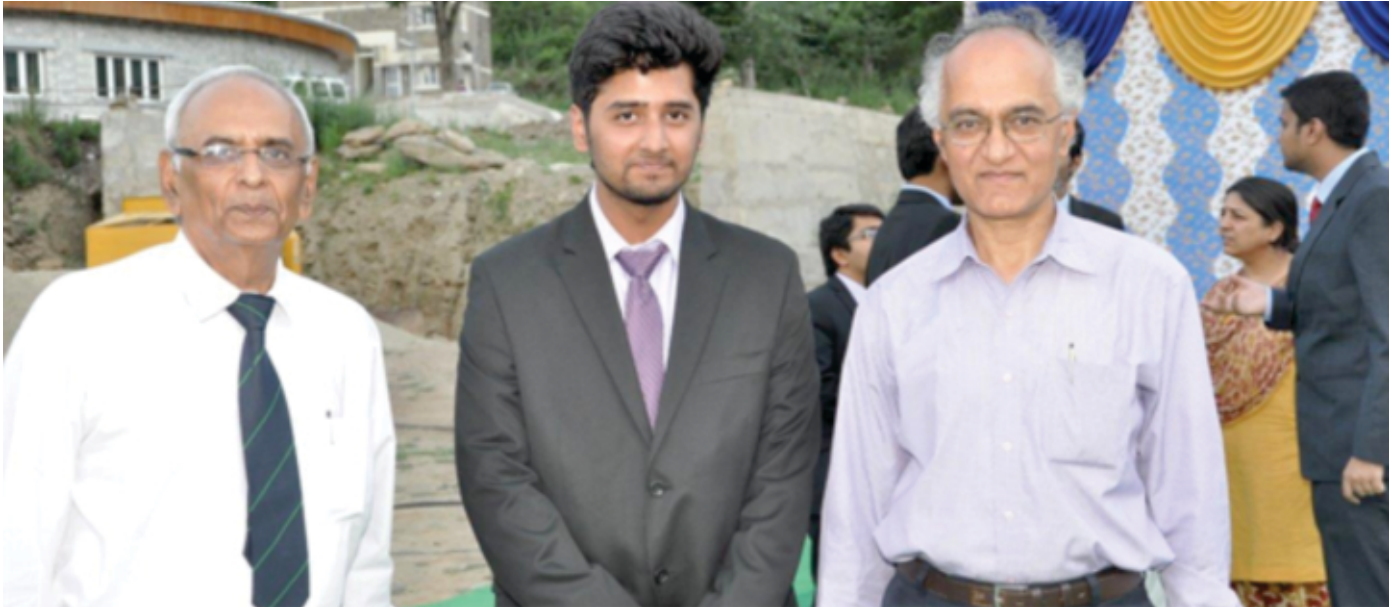
एनयूएस के प्रोफ़ेसर कुएकसर टोंग सिंगापुर में उपलब्ध अवसरों पर छात्रों से परस्पर वार्ता करते हुए

पूर्व छात्र मामले

द्वितीय स्नातक रात्रि भोज

दिनांक 24 मई 2014 को आई.आई.टी. मण्डी ने अपने द्वितीय स्नातक रात्रिभोज को मनाया। वर्ष 2010 के बैच द्वारा निदेशक, संकायाध्यक्षों तथा संकाय के सदस्यों के साथ कुछ बहुत ही मन्त्रमुग्ध कर देने वाले वक्तव्यों तथा स्वादिष्ट व्यंजनों का आनन्द लिया। सांय काल की शुरुआत "फोटो सेशन" के साथ हुई। इसका उद्देश्य आई.आई.टी. मण्डी से पास हुए बैच की यादों को एक किताब में उकेरना तथा उसे सदा के लिये संभाल कर रखना था। जहां दिन सभी के चेहरों पर एक साथ बिताये गए समय को याद करते हुए सभी के चेहरों पर प्रसन्नता लाया, वहीं यह सोचकर कि यह क्षण शीघ्र ही समाप्त होने वाला था, असन्तोष की भावना भी थी।

सभी गुरु मन्त्रों के साथ, वर्ष 2014 का बैच, महासागर में तैरने को तैयार है, क्योंकि उन्होंने रास्ते में आने वाली सभी अड़चनों को पार करने की योग्यता प्राप्त कर ली है। उनकी आने वाली जिन्दगी में सभी खुशियां प्राप्त हों तथा वे स्वयं तथा अपने मातृ-संस्थान के लिये खुशियां लायें।



द्वितीय पूर्व छात्र मिलन

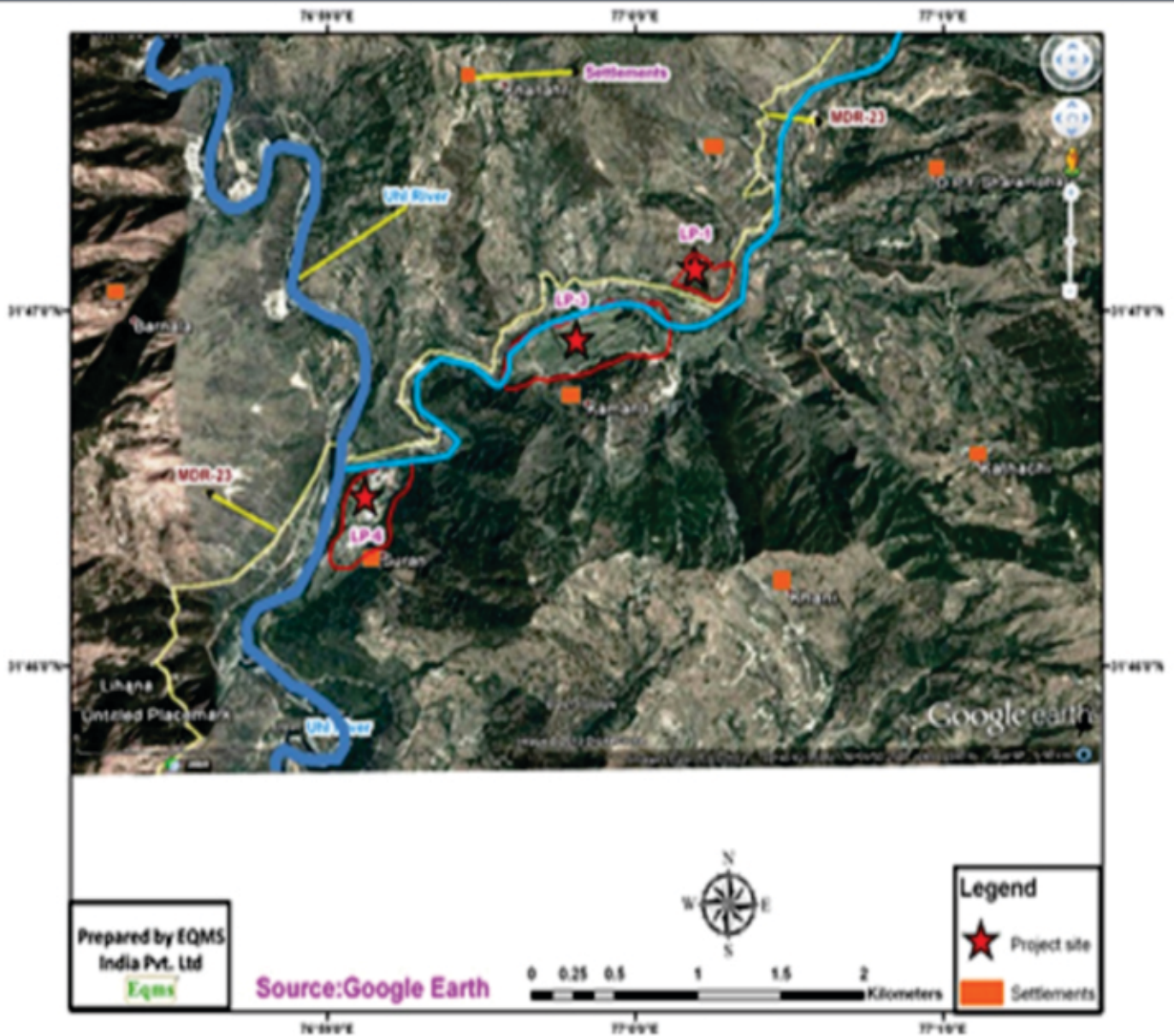
वर्ष 2014 के स्नातकों के लिये द्वितीय पूर्व छात्र मिलन का आयोजन दिनांक 15 मार्च, 2015 को किया गया। इस मिलन का आयोजन ठीक द्वितीय दीक्षान्त समारोह के पश्चात् किया गया, अर्थात् वर्ष 2014 के लगभग सभी स्नातक इसमें भाग ले सके। प्रत्येक स्नातक ने सर्वप्रथम अपनी वर्तमान गतिविधियों से सूचित किया जैसे कि वे कहीं सेवारत हैं या अध्ययनरत हैं। तत्पश्चात् स्नातकों ने परिसर में हुए सुधारों को देखकर प्रसन्नता प्रकट की।

कमान्द में निर्माणाधीन हमारा परिसर

भारत सरकार द्वारा वर्ष, 2008 में, आठ नये आई.आई.टी. स्थापित करने का निर्णय लिया गया और इनमें से एक आई.आई.टी. मण्डी, (हिमाचल प्रदेश) था। आई.आई.टी. मण्डी का नींव पत्थर दिनांक 24.02.2009 में रखा गया।

शुरुआती वर्षों में आई.आई.टी. मण्डी को परामर्श देने की जिम्मेवारी आई.आई.टी. रुड़की को सौंपी गई। छात्रों के प्रथम बैच ने जुलाई, 2009 में आई.आई.टी. रुड़की के परिसर में नियुक्ति दी। इसमें तीन शाखायें, विद्युत अभियांत्रिकी एवम् यांत्रिकी थीं। प्रत्येक शाखा में 04 वर्ष के बी.टैक. डिग्री कार्यक्रम के लिये सरकार ने 531 एकड़ (2674 बीघा) जमीन का कमान्द (मण्डी शहर से 18 कि.मी.) में आबन्टन किया। इस जमीन का 965 बीघे का एक भाग राज्य सरकार के पशुपालन विभाग के पास था जिसका हस्तान्तरण आई.आई.टी. मण्डी (उत्तरी तथा दक्षिणी परिसर) को किया गया तथा 1709 बीघा (370 एकड़) जमीन वन विभाग का था जिसकी सैद्धान्तिक स्वीकृति दी जा चुकी है तथा जिसके लिये राशि राज्य सरकार द्वारा वन विभाग के पास जमा की जा चुकी है।

GOOGLE MAP SHOWING SURROUNDINGS OF PROJECT SITE





वर्ष 2010 के मध्य में पारवहन परिसर की स्थापना मण्डी शहर में की गई तथा स्टॉफ के सभी सदस्यों ने मण्डी के पारवहन परिसर में कार्य करना प्रारम्भ कर दिया। अकादमिक स्तर का शुभारम्भ 15 अगस्त, 2010 को किया गया। उसी समय आई.आई.टी. मण्डी ने कमान्द में अपने परिसर का विकास प्रारम्भ कर दिया। यह विकास हिमाचल प्रदेश के परम्परागत गाँव की वास्तुलिपि के मध्यनजर मैसर्ज बी.डी.पी. को वास्तुलिपिक के तौर पर नियुक्त किया गया।

मास्टर योजना एलपी 6 (दक्षिणी परिसर)



मास्टर योजना एलपी 3 (उत्तरी परिसर)



मास्टर योजना एलपी 1
(उत्तरी परिसर)



पहले निर्माण की गई इमारतें तथा कार्य प्रगति पर (दक्षिणी परिसर)

चरण – 1 दक्षिण

Newly
Constructed
hostel G-3

Under
construction
Faculty Block C-4

Under
construction
Faculty Block C-5

Newly
Constructed
hostel G-4



Under
construction
Hostel Block B-6

Under
construction
Dining Block D-II

Under
construction
Hostel Block B-5

Newly
Constructed
Hostel Block B-7

निर्माण की जा रही इमारतें



निर्माण की जा रही इमारतें



एलपी 1 चरण-1 उत्तर



सामुदायिक केन्द्र
निर्माणाधीन



निर्माणाधीन स्कूल
इमारत



इस समय तक आई.आई.टी. मण्डी द्वारा 20000 वर्गमीटर में निर्माण कार्य किया जा चुका है, जिसमें छात्रावास, संकाय आवासगृह तथा अकादमिक इमारतें शामिल हैं। इसके अतिरिक्त लगभग 10000 वर्गमीटर का क्षेत्र निर्माणाधीन है जिसके मई, 2016 तक पूरा हो जाने की सम्भावना है। आई.आई.टी. मण्डी द्वारा अप्रैल, 2015 में अपने बी.टैक. के सभी छात्रों को स्थायी परिसर कमान्द में स्थानान्तरित किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त, बहुत से एम.एस. तथा पी.एच.डी. के विद्वानों को भी स्थायी परिसर में स्थानान्तरित किया जा चुका है। बाकि के एम.एस./पी.एच.डी. के छात्रों को वर्ष 2015 के अन्त तक स्थानान्तरित कर दिया जाएगा।

अभिशासक परिषद्



श्री एम. नटराजन
रक्षामन्त्री के भूतपूर्व वैज्ञानिक सलाहकार
तथा सचिव, डी.आर.डी.ओ.
प्लॉट संख्या 8, 12 वीं दक्षिणी गली
सरींगेरी श्रद्धा नगर,
थियागराजा कॉलोनी
तिरुनेलवेली-627011

सदस्य

प्राध्यापक तिमोथी ए. गोन्सेल्वज
निदेशक, भा.प्रौ.सं. मण्डी,
मण्डी-175001 (हि.प्र.)

मुख्य सचिव/सचिव (तकनीकी शिक्षा)
जम्मू एवं कश्मीर सरकार
श्रीनगर-190001

प्राध्यापक (श्रीमती) बासाबी भौमिक,
विद्युत अभियांत्रिकी विभाग की मुख्या
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली
हॉज खास,
नई दिल्ली-110016

प्राध्यापक सुब्रत रे
विशिष्ट आगन्तुक प्राध्यापक
भा.प्रौ.सं. मण्डी,
मण्डी- 175001
नई दिल्ली-110025

श्री राज खिलनानी
भूतपूर्व डी.जी., भ्रष्टाचार विरोधी ब्यूरो,
21-बी, संगम
जुहू, वरसोवा सम्पर्क सड़क
अन्धेरी पश्चिमी, मुम्बई

मुख्य सचिव/सचिव (तकनीकी शिक्षा),
हिमाचल प्रदेश सरकार
शिमला-171002

प्राध्यापक एस.सी. सहस्राबुधे
निदेशक
धिरुभाई अम्बानी सूचना एवम्
संचार तकनीक संस्थान (डीएआईआईसीटी)
इन्द्रोडा सर्कल के नजदीक,
गान्धी नगर - 382007.

प्राध्यापक सुनील आर. काले
प्राध्यापक,
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली
यान्त्रिकी अभियांत्रिकी विभाग
हॉज खास, नई दिल्ली-110016

श्री सतीश के.कौरा
सी.एम.डी., सामटेल ग्रुप,
छट्टा तल, 7 टी.डी.आई. केन्द्र
ज़िला केन्द्र, जसोल

सचिव
श्री मोहम्मद शकील
कुल सचिव (पदेन)
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी
कमान्द परिसर, गाँव व डाकखाना कमान्द
ज़िला मण्डी-175005
हिमाचल प्रदेश

'इस वर्ष अभिशासक परिषद् की बैठकें दिनांक 16/06/2014 तथा 13/03/2015 को आयोजित हुईं।

वित्त समिति

अध्यक्ष

श्री एम. नटराजन

रक्षामन्त्री के भूतपूर्व वैज्ञानिक सलाहकार
तथा सचिव डी.आर.डी.ओ.
प्लॉट संख्या. 8, 12 वीं दक्षिणी गली
सरींगेरी, श्रद्धानगर,
थियागराजा कॉलोनी
तिरुनेलवेली-627011

सदस्य

प्राध्यापक तिमोथी ए. गोन्सेल्वज

निदेशक, भा.प्रौ.सं. मण्डी
मण्डी-175001 (हि.प्र.)

ब्यूरो मुख्य (तकनीकी शिक्षा),

ए.एस. (एच.ई., एमएचआरडी)
शास्त्री भवन,
नई दिल्ली-1100016

वित्त सलाहकार

एम.एच.आर.डी.-ए.एस. व एफ.ए.
एम.एच.आर.डी.
शास्त्री भवन
नई दिल्ली-110001

वी.जी. इदिचन्दी

समुद्री अभियांत्रिकी विभाग,
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास
चिन्नैई: 600036

प्राध्यापक एस.आर. काले

प्राध्यापक
यांत्रिक अभियांत्रिकी विभाग
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली
हॉज खास, नई दिल्ली-110016

सचिव

श्री मोहम्मद शकील
कुलसचिव (पदेन)
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी
कमान्द परिसर, वी.पी.ओ. कमान्द
ज़िला मण्डी-175005
हिमाचल प्रदेश

‘इस वर्ष वित्त समिति की बैठकों का आयोजन दिनांक 16/06/2014 तथा 13/03/2015 को किया गया।

भवन एवं कार्य समिति

अध्यक्ष

प्राध्यापक तिमोथी ए. गोन्सेल्वज
निदेशक
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी
कमान्द-175005 (हि.प्र.)

सदस्य

प्राध्यापक आर.एल. शर्मा

उप कुलपति
हिमाचल प्रदेश तकनीकी विश्वविद्यालय
परिसर कार्यालय: गान्धी चौक, हमीरपुर
ज़िला हमीरपुर (हि.प्र.)

अभियन्ता उद्यान उक्खल

उप महा प्रबन्धक
हि.प्र. पॉवर कार्पोरेशन लिमिटेड
बीबीएमबी कोलोनी सुन्दरनगर -174402
हॉज खास, नई दिल्ली-110026

प्राध्यापक सुनील आर.काले

प्राध्यापक
यान्त्रिकी अभियांत्रिकी विभाग
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली
हॉज खास, नई दिल्ली -110026

प्राध्यापक एस.सी.जैन

आगन्तुक प्राध्यापक एवं डीन (अवसंरचना)
अभियांत्रिकी स्कूल
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी,
मण्डी- 175001

सचिव सदस्य

श्री मोहम्मद शकील

कुलसचिव (पदेन)
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी
कमान्द परिसर वी.पी.ओ. कमान्द
ज़िला मण्डी-175005 (हि.प्र.)

प्राध्यापक के.एन. राय

भूतपूर्व प्रमुख अधिशाषी
सिविल कार्य डी.आर.डी.ओ.
सी-4, 4112, वसन्त कुंज, नई दिल्ली

प्राध्यापक के. सी. अय्यर

प्राध्यापक
सिविल अभियांत्रिकी विभाग
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान दिल्ली

प्राध्यापक ललित मल्होत्रा

आगन्तुक प्राध्यापक एवं डीन (वित्त एवं लेखा)
आधार विज्ञान स्कूल
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी
मण्डी-175001 (हि.प्र.)

अभियन्ता सुनील कपूर

अधीक्षण अभियन्ता
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी
मण्डी- 175001 (हि.प्र.)

विशेष आमन्त्रित

अभियन्ता ए.के. जैन

वरिष्ठ सलाहकार भा.प्रौ.सं. मण्डी
सेवानिवृत्त विशेष डी.जी. सी.पी.डब्ल्यू.डी.

‘इस वर्ष भवन तथा कार्य समिति की बैठकों का आयोजन दिनांक 28.05.2014 और, 20.11.2014 को आयोजित किया गया।

प्रबन्ध समिति

अध्यक्ष

प्रो.टी.ए. गोन्सेल्वज निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी,

संस्थान के प्राध्यापक

प्रो. रमेश ओरुगटि, आगन्तुक प्राध्यापक एवं डीन (शिक्षा) भा.प्रौ.सं. मण्डी

प्रो. बी. सुब्रमण्यन, विशिष्ट आगन्तुक प्राध्यापक एवं डीन (छात्र), भा.प्रौ.सं. मण्डी

प्रो. ललित मल्होत्रा, आगन्तुक प्राध्यापक एवं डीन (वित्त एवं लेखा), भा.प्रौ.सं. मण्डी

प्रो. बी.डी. चौधरी, आगन्तुक प्राध्यापक एवं डीन (सरिक), भा.प्रौ.सं. मण्डी

प्रो. एस.सी. जैन आगन्तुक प्राध्यापक एवं डीन (अवसंरचना), भा.प्रौ.सं. मण्डी

प्रो. सुब्रता रे, विशिष्ट आगन्तुक प्राध्यापक, भा.प्रौ.सं. मण्डी

प्रो. कैनेथ ई. गोन्सेल्वज, विशिष्ट आगन्तुक प्राध्यापक, भा.प्रौ.सं. मण्डी

शैक्षिक सलाहकार समिति के सदस्य

प्रो. बी.के. मिश्रा, भा.प्रौ.सं. रुड़की

प्रो. अर्घया तरफदेर, भौतिक शास्त्र विभाग

भा.प्रौ.सं. खड़गपुर

प्रो. डी.के. मेहरा, ई एवं सी, भा.प्रौ.सं. रुड़की

प्रो. शौरमिष्ठा पंजा, अंग्रेजी, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

सी.एस.ई. विभाग, आई.आई.टी. मद्रास

प्रो. दीपक खेमानी, सीएसई विभाग

भा.प्रौ.सं. मद्रास

प्रो. सुनील काले, यांत्रिकी अभियांत्रिकी, भा.प्रौ.सं. दिल्ली

प्रो. एन.एस. नारायण स्वामी, सीएसई, भा.प्रौ.सं. मद्रास

प्रो. अनिल प्रभाकर, ई.ई., भा.प्रौ.सं. मद्रास

प्रो. बाबू विश्वनाथन एम.ई., भा.प्रौ.सं. मद्रास

प्रो. हेमा मूर्थी, सी.एस.ई. भा.प्रौ.सं. मद्रास

प्रो. एस.बी. कृपानिधि, एम.आर.सी. भा.वि.सं. बंगलौर

प्रो. मिलिन्द ए. सोहोनी, भा.प्रौ.सं. बॉम्बे

प्रो. एस.एन. सिंह ई.ई. भा.प्रौ.सं. कानपुर

प्रो. रफिकुल आलम, गणित विभाग, भा.प्रौ.सं. गोहाटी

प्रो. अरिंदम सिंह, भा.प्रौ.सं. मद्रास

प्रो. पी.के. कपूर, संचालन अनुसंधान विभाग

दिल्ली विश्वविद्यालय

प्रो. ए.डी. गुप्ता, यान्त्रिकी अभियांत्रिकी, भा.प्रौ.सं. दिल्ली

प्रो. पी. वेली सेमी गणित विभाग, भा.प्रौ.सं. बॉम्बे

प्रो. राहुल रॉय, गणित एकक, आई.एस.आई. दिल्ली

प्रो. धीरेन्द्र बहुगुणा, गणित विभाग

एवं सांख्यिकी, भा.प्रौ.सं. कानपुर

प्रो. टी राजा शेखर, गणित विभाग, भा.प्रौ.सं. खड़गपुर

प्रो. अनन्त आर. शास्त्री, गणित विभाग,

भा.प्रौ.सं. बाम्बे

प्रो. आर.के. शर्मा, गणित विभाग,

भा.प्रौ.सं. दिल्ली

प्रो. थम्बन नयर एम, गणित विभाग

भा.प्रौ.सं. मद्रास

प्रो. पी. वीरामनि, गणित विभाग

भा.प्रौ.सं. मद्रास

अध्यक्ष, आधार विज्ञान स्कूल

डॉ. सुब्रत घोष, सहायक प्राध्यापक, एस.बी.एस, भा.प्रौ.सं. मण्डी

अध्यक्ष, संगणक एवं विद्युत अभियांत्रिकी स्कूल

डॉ. अनिल साओ, सहायक प्राध्यापक
एस.सी.ई.ई. भा.प्रौ.सं. मण्डी

अध्यक्ष, अभियांत्रिकी स्कूल

डॉ. राहुल वैश, सहायक प्राध्यापक,
एस.ई. भा.प्रौ.सं. मण्डी

अध्यक्ष, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान स्कूल

डॉ. अशोक कुमार मोचरला, सहायक
प्राध्यापक, एस.एच.एस.एस. भा.प्रौ.सं. मण्डी

डॉ. प्रदीप परमेश्वरन स.प्रा.
एवं सहयोगी डीन (पाठ्यक्रम), भा.प्रौ.सं. मण्डी

डॉ. बिन्दु राधामणि स.प्रा. एवं
सहयोगी डीन (अनुसन्धान), भा.प्रौ.सं. मण्डी

डॉ. प्रेम फिलिक्स सिरिल, स.प्रा. मण्डी
एवं सहयोगी डीन (सरिक), भा.प्रौ.सं. मण्डी

डॉ. विशाल सिंह चौहान स.प्रा. एवं सहयोगी
डीन (वित्त एवं लेखा), भा.प्रौ.सं. मण्डी

डॉ. भरत सिंह राजपुरोहित, स.प्रा.
एवं सहयोगी डीन (संकाय), भा.प्रौ.सं. मण्डी

डॉ. पी.सी. रवि कुमार स.प्रा.
एवं सहयोगी डीन (योजना), भा.प्रौ.सं. मण्डी

डॉ. आरती कश्यप सह—प्राध्यापक,
एस.सी.ई.ई.एवम् एस.बी.एस. भा.प्रौ.सं. मण्डी

संगणक एवं विद्युत अभियांत्रिकी स्कूल

डॉ. वरुण दत्त, सह—प्राध्यापक, भा.प्रौ.सं. मण्डी

अभियांत्रिकी स्कूल

डॉ. राजीव कुमार
स.प्रा., एस.ई., भा.प्रौ.सं. मण्डी

आधार विज्ञान स्कूल

डॉ. अनिरुद्ध चक्रवर्ती
सहायक प्राध्यापक, भा.प्रौ.सं. मण्डी

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान स्कूल

डॉ. शैल शंकर
सहायक प्राध्यापक, भा.प्रौ.सं. मण्डी

डॉ. अनिरुद्ध चक्रवर्ती
सहायक प्राध्यापक आधार विज्ञान स्कूल
भा.प्रौ.सं. मण्डी

डॉ. समर अग्निहोत्री
सहायक प्राध्यापक एस.सी.ई.ई., भा.प्रौ.सं. मण्डी

छात्र महासचिव

श्री शिवम सतिजा

छात्र अकादमिक मामलों के सचिव

कुमारी ज्योति सिंह एवं श्री हर्षित सिंघल

छात्र अनुसन्धान मामलों के सचिव

श्री हरिवंश राय मित्तल और
श्री सौरभ सिंह

सदस्य सचिव

श्री मोहम्मद शकील
कुलसचिव, भा.प्रौ.सं. मण्डी (पदेन)

‘इस वर्ष प्रबन्ध समिति की बैठकों का आयोजन दिनांक 26.05.2015 और, 11.03.2015 को आयोजित किया गया।

दिनांक 31.03.2015 को शैक्षिक कर्मचारी

प्रो. तिमोथी ए. गोन्सेल्वज

निदेशक

प्रो. एस.सी. जैन

डीन, अवसंरचना

प्रो. ललित मल्होत्रा

डीन, वित्त एवं लेखा और सरिक

प्रो. बी.के. मिश्रा

डीन, योजना

डॉ. प्रदीप परमेश्वरन

सह संकायाध्यक्ष (शोध)

डॉ. प्रेम फैलिक्स सिरिल

सहयोगी डीन (सरिक)

डॉ. भरत सिंह राजपुरोहित

सहयोगी डीन (संकाय)

डॉ. सुब्रत घोष

अध्यक्ष, एस.सी.ई.ई.

डॉ. राहुल वैश

अध्यक्ष, एस.ई.

प्रो. रमेश ओरुगंति

डीन, शैक्षणिक

प्रो. सुब्रमण्यन

डीन, विद्यार्थी

प्रो. बी.डी. चौधरी

डीन सरिक

डॉ. पी.सी. रविकुमर

सहयोगी डीन, योजना

डॉ. बिन्दु राधामनी

सहयोगी डीन (अनुसन्धान),

डॉ. विशाल सिंह चौहान

सहयोगी डीन (संकाय)

डॉ. अशोक मोचरला

अध्यक्ष एस.एच.एस.एस.

डॉ. अनिल साओ

अध्यक्ष एस.सी.ई.ई.

दिनांक 13.03.2015 को प्रशासनिक कर्मचारी

श्री मोहम्मद शकील

ओ.एस.डी. एवम् कुल सचिव

डॉ. ए.के. सोलंकी

उप कुल सचिव

श्री जे. आर. शर्मा

वित्त एवम् लेखा अधिकारी

श्री सुरेश कुमार रोहिल्ला

सहायक कुलसचिव (प्रशासन)

श्री परमिन्द्र जीत सिंह गिल

सहायक कुलसचिव (भण्डार व क्रय)

डॉ. चन्द्र सिंह शर्मा

चिकित्सा अधिकारी

डॉ. घनश्याम कपूर जी.डी.एम.ओ.

चिकित्सा अधिकारी

डॉ. अनिल कुमार जैन

वरिष्ठ सलाहकार

अभियन्ता सुनील कपूर

अधीक्षण अभियन्ता

श्री नरेश सिंह भण्डारी

उप पुस्तकालयाध्यक्ष

श्री सी.एल. शर्मा

सहायक कुलसचिव (लेखा परीक्षा व लेखा)

श्री विवेक तिवारी

सहायक कुलसचिव (शैक्षिक)

श्री सुधीर कुमार गुरंग

सुरक्षा अधिकारी

डॉ. के.सी. शर्मा

चिकित्सा अधिकारी

डॉ. ज्योति शर्मा

चिकित्सा अधिकारी

डॉ. शिव नाथ झा

प्रधान खेल अधिकारी

दिनांक 31.03.2015 को स्थायी कर्मचारियों की सूची

क्र.सं.	नाम	पदनाम
1	श्रीमती मोनिका कश्यप	निदेशक की व्यक्तिगत सचिव
2	श्री अनुज कुमार दुबे	कुलसचिव के व्यक्तिगत सहायक
3	श्री विनोद कुमार	वरिष्ठ पुस्तकालय सूचना सहायक
4	श्रीमती सुचेतना शशि	कनिष्ठ सहायक
5	श्रीमती सुशमा कुमारी	आशुलिपिक
6	श्री सुनील	कनिष्ठ सहायक
7	श्री सुशील कुमार पाल	कनिष्ठ सहायक
8	श्री अमित शर्मा	कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक
9	श्री ललित कुमार	कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक
10	श्री आशीष कुमार अहिरवाल	वरिष्ठ पुस्तकालय सूचना सहायक
11	श्री बृजेश कुमार	औषधकारक
12	श्री नीरज चौहान	कनिष्ठ अभियन्ता (विद्युत)
13	डॉ. खुशी राम भगत	शारीरिक प्रशिक्षण अनुदेशक
14	कुमारी चन्दन शर्मा	कनिष्ठ अधीक्षक
15	श्री अभिजीत तिवारी	वरिष्ठ पुस्तकालय सूचना सहायक
16	श्री रमेश कुमार	कनिष्ठ लेखाकार
17	श्री अंकुश कपिल	वरिष्ठ प्रयोगशाला सहायक
18	श्री मनोज कुमार	कनिष्ठ परिचारक
19	अभियन्ता हेमन्त कुमार बहल	सहायक अभियन्ता (विद्युत)
20	श्रीमती पी.वी. सगुणा	तकनीकी अधीक्षक

दिनांक 31.03.2015 को अनुबन्ध कर्मचारियों (समेकित मानदेय पर) की सूची

क्र.सं.	नाम	पदनाम
1	श्री कौल सिंह	शारीरिक प्रशिक्षण अनुदेशक
2	श्री आर.एस. राघव	तकनीकी अधीक्षक
3	श्रीमत् लिषमा आनन्द	परामर्शदाता
4	श्री दौलत राम	क्षेत्रीय पर्यवेक्षक
5	श्री पाविन सैम्यूल	उप प्रशासनिक (छात्र)
6	श्रीमती सोनिया सचदेवा शर्मा	सहायक प्रबन्धक (आतिथ्य एवं कार्यक्रम प्रबन्धन)

छात्र नेतृत्व 2014-15

शिवम सतिजा	महा सचिव
हरिका गरिमेला एवं ऋषि बर्व	सांस्कृतिक सचिव
अमन अग्रवाल	खेल सचिव
मन्दर कर्प	तकनीकी सचिव
साकेत पनवर	साहित्यिक सचिव
ज्योति सिंह एवं हर्षित सिंघल	शैक्षिक सचिव
सौरभ सिंह	अनुसन्धान सचिव

वर्ष 2014-15 के दौरान संस्थान में प्रविष्ट छात्र

क्रमांक	अनुक्रमांक	नाम	स्कूल
1	डी14001	फॉजुल मोबीन	एस.बी.एस. (जीवन विज्ञान)
2	डी14002	शैफु गुप्ता	एस.सी.ई.ई.
3	डी14003	अंशुल ठाकुर	एस.सी.ई.ई.
4	डी14004	काति गुप्ता	एस.सी.ई.ई.
5	डी14005	अर्चना शर्मा	एस.सी.ई.ई.
6	डी14006	आनन्दिता घोष	एस.एच.एस.एस.
7	डी14007	मोहम्मद सकीब	एस.बी.एस. (रसायन)
8	डी14008	अभिलाश एम	एस.एच.एस.एस.
9	डी14009	नवनीत चन्द्र वर्मा	एस.बी.एस. (रसायन)
10	डी14010	पी. गुरुप्रसाद रेड्डी	एस.बी.एस. (रसायन)
11	डी14011	सयामंतक खान	एस.बी.एस. (रसायन)
12	डी14012	इमरान अहमद	एस.बी.एस. (भौतिकी)
13	डी14013	सुनील कुमार	एस.बी.एस. (रसायन)
14	डी14014	देविन्द्र सिंह	एस.ई.
15	डी14015	सन्दीप के शुक्ला	एस.ई.
16	डी14016	रोहित पाठक	एस.बी.एस. (भौतिकी)
17	डी14017	दुनी चन्द ठाकुर	एस.बी.एस. (भौतिकी)
18	डी14018	अवधेश कुमार	एस.बी.एस. (गणित)
19	डी14019	निधी वर्नवाल	एस.ई.
20	डी14020	जुही पाण्डे	एस.बी.एस. (भौतिकी)
21	डी14021	कर्ण सिंह	एस.बी.एस. (भौतिकी)
22	डी14022	प्रवेश कुमार	एस.बी.एस. (रसायन)
23	डी14023	रवि शर्मा	एस.बी.एस. (गणित)
24	डी14024	शिवानी	एस.सी.ई.ई.
25	डी14025	कृष्ण शर्मा	एस.सी.ई.ई.
26	डी14026	मोहम्मद सुल्तान आलम	एस.सी.ई.ई.
27	डी14027	ज्योति निगम	एस.सी.ई.ई.
28	डी14028	पल्वी अग्रवाल	एस.सी.ई.ई.
29	डी14029	आशीष शिरिश जोशी	एस.सी.ई.ई.
30	डी14030	इन्दु	एस.सी.ई.ई.
31	डी14031	अंकित गुप्ता	एस.ई.
32	डी14032	अनिरुद्ध कुमार	एस.ई.
33	डी14033	अतेन्द्र कुमार	एस.बी.एस. (गणित)
34	डी14034	पर्वत कुमार जिना	एस.बी.एस. (गणित)
35	डी14035	मोनिका कौशिक	एस.एच.एस.एस. (अंग्रेजी)

36	डी14036	फरिआ रहमान	एस.ई.
37	डी14037	सुमीत कुमार शर्मा	एस.ई.
38	डी14038	जहिद मकबूल	एस.सी.ईई.
39	डी14039	अंशुल कुमार मिश्रा	एस.सी.ईई.
40	डी14040	पवन कुमार	एस.ई.
41	डी14041	तरुण अरोड़ा	एस.सी.ईई.

एम.एस. (अनुसन्धान) छात्र

क्रमांक	अनुक्रमांक	नाम	स्कूल
1	एस14001	शिखा गुप्ता	एस.सी.ईई.
2	एस14002	कार्तिक गुप्ता	एस.सी.ईई.
3	एस14004	पुनीत कुमार	एस.ई.
4	एस14005	कुमार गौरव	एस.ई.
5	एस14006	आशुतोष पटेल	एस.ई.
6	एस14007	विश्रुत सुनील शाह	एस.ई.
7	एस14009	सर्वेश्वरम जे	एस.सी.ईई.
8	एस14010	संजय सिंह तोमर	एस.ई.
9	एस14011	के.एस. श्रीकांथ	एस.ई.

एम.एससी. (रसायन)

क्रमांक	अनुक्रमांक	नाम	स्कूल
1	वी14001	अर्पित भारद्वाज	एस.बी.एस.
2	वी14002	दीक्षा गम्भीर	एस.बी.एस.
3	वी14003	प्रशान्त गुप्ता	एस.बी.एस.
4	वी14004	रीना	एस.बी.एस.
5	वी14005	रितुपोर्न गोगोइ	एस.बी.एस.
6	वी14006	शिफाली बजाज	एस.बी.एस.
7	वी14007	संनिग्धा जैन	एस.बी.एस.
8	वी14008	सुमीत कुमार	एस.बी.एस.
9	वी14009	वैदेही पंडित	एस.बी.एस.
10	वी14010	विकी	एस.बी.एस.
11	वी14011	विनोद कुमार	एस.बी.एस.

एम.टैक. (ऊर्जा सामग्री)

क्रमांक	अनुक्रमांक	नाम	स्कूल
1	टी14001	अभिषेक सिंह	एम. टेक
2	टी14002	नयन ज्योति कुली	एम. टेक
3	टी14003	नितेश दास	एम. टेक
4	टी14004	राम कृष्ण	एम. टेक

बी.टैक. छात्र –2014 बैच संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी

क्रमांक	अनुक्रमांक	छात्र का नाम	स्कूल
1	बी14101	अमांशु रैकवर	सी.एस.ई
2	बी14102	अमित कुमार	सी.एस.ई
3	बी14103	अमोद कुमार चौधरी	सी.एस.ई
4	बी14104	अर्पित करवासरा	सी.एस.ई
5	बी14105	आर्यन कुमार	सी.एस.ई
6	बी14106	आशीष आर्य	सी.एस.ई
7	बी14107	दीपक शर्मा	सी.एस.ई
8	बी14108	देवराकोन्डा वामसी कृष्णा	सी.एस.ई
9	बी14109	हर्ष गुप्ता	सी.एस.ई
10	बी14110	कपार्दी त्रिवेदी	सी.एस.ई
11	बी14111	मंजूस मंगल	सी.एस.ई
12	बी14112	मरिमगंटी सुधांशु	सी.एस.ई
13	बी14113	मुथियन नेहा	सी.एस.ई
14	बी14114	नासिर अंसारी	सी.एस.ई
15	बी14115	निमित कलाल	सी.एस.ई
16	बी14116	पारूल बंसल	सी.एस.ई
17	बी14117	प्रियदर्शनी.एस	सी.एस.ई
18	बी14118	प्रियांशु सक्सेना	सी.एस.ई
19	बी14119	पुरुषोत्तम	सी.एस.ई
20	बी14120	राघव सेट्टी	सी.एस.ई
21	बी14121	राहुल सिंह	सी.एस.ई
22	बी14122	रामावथ किरण कुमार	सी.एस.ई
23	बी14123	ऋषभ कुमार	सी.एस.ई
24	बी14124	रोहित चौहान	सी.एस.ई
25	बी14125	रोहित कुमार वर्मा	सी.एस.ई
26	बी14126	सचिन धरीवाल	सी.एस.ई
27	बी14127	सागर कौशल	सी.एस.ई
28	बी14128	साहिल अरोड़ा	सी.एस.ई
29	बी14129	सैफ अली अख्तर	सी.एस.ई
30	बी14130	सक्षम बाठला	सी.एस.ई
31	बी14132	शिखर गुप्ता	सी.एस.ई
32	बी14133	सिद्धान्त कुमार	सी.एस.ई
33	बी14134	सुमंत गर्ग	सी.एस.ई
34	बी14135	सुनील कुमार	सी.एस.ई
35	बी14136	तपेश जोहम	सी.एस.ई

36	बी14137	उमंग अग्रवाल	सी.एस.ई
37	बी14138	वी. विवेक	सी.एस.ई
38	बी14139	वरुण बंसल	सी.एस.ई
39	बी14140	विनय गोयल	सी.एस.ई
40	बी14141	योगेन्द्र कुमार धीवर	सी.एस.ई
41	बी14204	अक्षय मैथ्यु	सी.एस.ई
42	बी14225	पटेल श्रवण राजनारायण	सी.एस.ई
43	बी14232	शशांक सेठी	सी.एस.ई
44	बी14241	विनायक सांगर	सी.एस.ई
45	बी14305	अनिन्दय गंगोपाध्याय	सी.एस.ई
46	बी14306	आशुतोष कुमार वर्मा	सी.एस.ई
47	बी14314	हर्षित बंसल	सी.एस.ई
48	बी14322	मंडाला ऋषिक रेड्डी	सी.एस.ई
49	बी14324	नमन अग्रवाल	सी.एस.ई
50	बी14332	रजत मेहरा	सी.एस.ई

विद्युत अभियांत्रिकी

क्रमांक	अनुक्रमांक	छात्र का नाम	शाखा
1	बी14201	अभिजीत सिंह	ई.ई.
2	बी14202	अभिनव कुमार	ई.ई.
3	बी14203	अभिषेक कुमार मिश्रा	ई.ई.
4	बी14205	अक्षय पाठक	ई.ई.
5	बी14206	अनुभव अग्रवाल	ई.ई.
6	बी14207	अर्ज अविनाश बिल्लरिच	ई.ई.
7	बी14208	अशोक कुमार गोदरा	ई.ई.
8	बी14210	छल्ला यशवंत यादव	ई.ई.
9	बी14211	दीपीश यादव	ई.ई.
10	बी14212	दिव्यांशु वर्मा	ई.ई.
11	बी14213	हर्षित वर्शनेय	ई.ई.
12	बी14214	जितेश कुमार गुप्ता	ई.ई.
13	बी14215	किशोर कुमार वर्मा	ई.ई.
14	बी14216	कुलदीप मीना	ई.ई.
15	बी14217	कुमार आशुतोष	ई.ई.
16	बी14218	लक्ष्य	ई.ई.
17	बी14219	लोकेश कासना	ई.ई.
18	बी14220	मोहित जैन	ई.ई.
19	बी14221	नेहा गरेवाल	ई.ई.
20	बी14222	नितेश कुमार	ई.ई.
21	बी14223	नितेश बंसीवाल	ई.ई.
22	बी14224	प्रतीक कुमार राजपुत	ई.ई.
23	बी14226	पुलकित राजगदिय	ई.ई.

24	बी14227	राकदे अनुराग केशव	ई.ई.
25	बी14229	ऋषभ मीना	ई.ई.
26	बी14230	सन्दीप सिंह	ई.ई.
27	बी14231	शैलेश मीना	ई.ई.
28	बी14233	शिखर शुक्ला	ई.ई.
29	बी14234	शिवम रिच्चारिया	ई.ई.
30	बी14235	श्रद्धान कुमार	ई.ई.
31	बी14238	शुभिता चौधरी	ई.ई.
32	बी14239	सिमरनजीत सिंह	ई.ई.
33	बी14240	सोनावाने अक्षय राजेन्द्रा	ई.ई.
34	बी14131	संजय कुमार मीना	ई.ई.
35	बी14311	दनिश इक्बल	ई.ई.
36	बी14320	मेघल पुरी	ई.ई.

यांत्रिकी अभियांत्रिकी

क्रमांक	अनुक्रमांक	छात्र का नाम	शाखा
1	बी14301	आकाशदीप	एम.ई.
2	बी14302	अभिषेक चौधरी	एम.ई.
3	बी14303	अभिषेक कुमार	एम.ई.
4	बी14304	आकाश कुमार कुशवाहा	एम.ई.
5	बी14307	अतिशय जैन	एम.ई.
6	बी14308	अवनीश गुप्ता	एम.ई.
7	बी14309	बह्मानन्द मीना	एम.ई.
8	बी14310	चमन कुमार	एम.ई.
9	बी14312	ईशान जोशी	एम.ई.
10	बी14313	गौरव बागरी	एम.ई.
11	बी14315	हितेश कुमार ठाकुर	एम.ई.
12	बी14316	काका राहुल साई	एम.ई.
13	बी14317	कतरा विमल कुमार दिलिपभाई	एम.ई.
14	बी14318	कुनाल गौर	एम.ई.
15	बी14319	लवदीप	एम.ई.
16	बी14321	मनन वर्शनेय	एम.ई.
17	बी14323	मनीश यादव	एम.ई.
18	बी14325	नवरत्न लाल सरोज	एम.ई.
19	बी14326	निखिल कौशिक	एम.ई.
20	बी14327	पदम चन्द मीना	एम.ई.
21	बी14328	पंकज पतिदर	एम.ई.
22	बी14329	प्रशान्त मुंदोतिया	एम.ई.
23	बी14330	प्रशान्त सिंह	एम.ई.
24	बी14331	राहुल राज	एम.ई.
25	बी14333	रवि कुमार	एम.ई.
26	बी14335	सतिश कुमार सिंह	एम.ई.
27	बी14336	सौरभ अग्रवाल	एम.ई.
28	बी14339	थयारानादुरगम लोहित	एम.ई.

www.iitmandi.ac.in



कुल सचिव
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मण्डी
कमान्द परिसर, गाँव व डा० कमान्द,
ज़िला मण्डी-175005 हिमाचल प्रदेश, भारत
दूरभाष: +91 1905-267015 फ़ैक्स: +91 01905-267075
ई-मेल: registrar@iitmandi.ac.in